THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 177 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद पूर्णिमा 2081 बुधवार, 18 सितंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट में स्वास्थ्य केंद्र का सीजीआई ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां) भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकारी स्वास्थ्य केंद्र (डीजीएचसी) का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य केंद्र दिल्ली सरकार के सहयोग से वकीलों, वादियों को बुनियादी चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। यहां ब्लड रिपोर्ट, ईएनटी, बिस्तर जैसी अन्य सुविधाएं भी हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा कि यह लंबे समय से मांग थी क्योंकि वकील सुबह से शाम तक अदालत में काम करते हैं और बहुत तनाव होता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इसलिए जरूरी है।

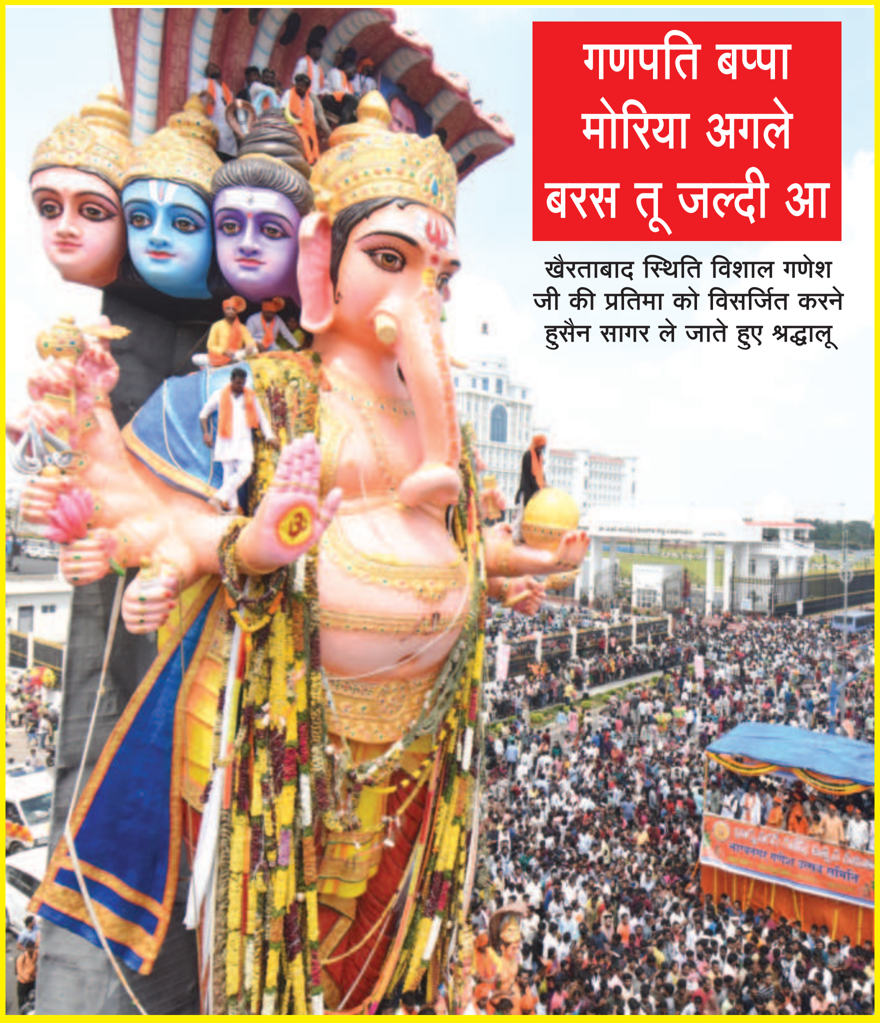

गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ

खैरताबाद स्थिति विशाल गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित करने हुसैन सागर ले जाते हुए श्रद्धालु

'800 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास'

✻ हर साल जन्मदिन पर मां से आशीर्वाद लेता था ✻ इस बार आदिवासी मां ने खिरी खिलाई : पीएम मोदी

भुवनेश्वर, 17 सितंबर (एजेंसियां) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 74वें जन्मदिन के मौके पर ओडिशा के दौरे पर हैं। उन्होंने भुवनेश्वर में एक आदिवासी परिवार के गृह प्रवेश में हिस्सा लिया। इसके बाद जनता मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए कहा- आदिवासी परिवार के पीएम आवास गया था।

हर साल जन्मदिन पर मां से आशीर्वाद लेने जाता था। इस बार मां नहीं है, लेकिन इस बार एक आदिवासी मां ने मुझे खिरी खिलाई। मैं यह अनुभव कभी नहीं भूलूंगा।

आज सरकार के 100 दिन पूरे हुए है। बीते 100 दिन में 11 लाख दीदी बनीं। हमने नई पेंशन स्कीम भी लाई। मोदी ने आगे कहा-सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है। कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोग पिछले कुछ दिनों से इसलिए भड़के हुए हैं, क्योंकि मैंने गणपति पूजन में हिस्सा लिया। इससे पहले मोदी ने सुभद्रा योजना भी लॉन्च की। साथ ही कई रेलवे और नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स के साथ 800 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

3 योजनाओं से जुड़े प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया

1. सुभद्रा योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 10 हजार रुपए

सुभद्रा योजना एक वित्तीय सहायता योजना है, जिसका नाम भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन सुभद्रा के नाम पर रखा गया है। इस योजना के तहत राज्य सरकार 21-60 साल की महिलाओं को 2024-25 और 2028-29 के बीच 5 सालों के दौरान 50,000 रुपए देगी। हर साल 10,000 रुपए दो किस्तों में सीधे उनके खातों में जमा की जाएगी। इस योजना में 1 करोड़ से अधिक महिलाओं को जोड़ने की उम्मीद है।

2. रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास, 2800 करोड़ की लागत

सुभद्रा योजना के बाद पीएम मोदी ने 10 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में आज फंड ट्रांसफर किए। साथ ही देशभर के 2,800 करोड़ रुपए की रेलवे प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास किया। उन्होंने 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

3. पीएम आवास के 26 लाख लाभार्थियों को घर की चाबियां सौंपी

पीएम मोदी ने 14 राज्यों के प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लगभग 10 लाख लाभार्थियों को मदद राशि की पहली किस्त भी जारी की। इसके अलावा उन्होंने पीएम आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) के 26 लाख लाभार्थियों को उनके घरों की चाबियां सौंपी। मोदी ने प्रधानमंत्री आवास+2024 ऐप भी लॉन्च किया। साथ ही आवास योजना-शहरी 2.0 के

श्रीकृष्ण-जन्मभूमि विवाद : एससी से मुस्लिम पक्ष को स्टे नहीं

मथुरा, 17 सितंबर (एजेंसियां) सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (17 सितंबर) को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर स्टे नहीं दिया। मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्षकार एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- मुस्लिम पक्ष गलत तरीके से सुप्रीम कोर्ट गया। हमारी तरफ से ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया था। पहले इनको (मुस्लिम पक्ष) हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल करनी चाहिए थी।

सुप्रीम कोर्ट में 4 नवंबर को मामले में सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा-इस दौरान मुस्लिम पक्ष चाहे तो हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दाखिल कर सकता है। दरअसल, 1 अगस्त को हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़ी हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनने का फैसला सुनाया था। कोर्ट का कहना था कि सभी याचिकाएं एक नेचर की हैं। एक साथ सुनी जाएंगी। हालांकि, मुस्लिम पक्ष का तर्क था कि हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनने योग्य नहीं है। ऐसे में मुस्लिम पक्ष ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद 6 अगस्त को हिंदू पक्ष ने कैविएट दाखिल की थी। कहा था-हमें सुने बिना मुस्लिम पक्ष की अर्जी पर एकतरफा आदेश न दें। आज याचिका पर पहली बार सुनवाई हुई।

'देश में बहुत जल्द कराई जाएगी जनगणना'

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां) देश में जनगणना कराए जाने पर आए दिन राजनीति हो रही है। अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को इसके संकेत दे दिए हैं कि भारत में जल्द जनगणना होने जा रही है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में तारीख को लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा है। हाल ही में खबरें आई थीं कि देश में जनगणना की तैयारियां चल रही हैं। जनगणना के बारे में सवाल पूछे जाने पर शाह ने कहा कि हम बहुत जल्द इसकी घोषणा करेंगे। बता दें, साल 2011 के बाद से देश में जनगणना नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ अमित शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जाति आधारित जनगणना पर भी बता की। उन्होंने कहा, 'जब हम जनगणना की घोषणा करेंगे तो हम सभी जानकारियां सार्वजनिक करेंगे।' भारत में 1881 से हर 10 साल में जनगणना की जाती है। इस दशक की जनगणना का पहला चरण एक अप्रैल, 2020 को शुरू होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टालना पड़ा था। शाह की यह टिप्पणी जाति आधारित जनगणना कराने की राजनीतिक दलों की मांग के बीच आई है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

एक अक्टूबर तक देश में बुलडोजर कार्रवाई पर लगाई रोक

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे देश में एक अक्टूबर तक बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि अब सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही एक्शन लिया जाएगा।

बता दें कि बीते कुछ समय में प्रदेश सरकारों ने बुलडोजर को न्याय का प्रतीक बताते हुए अपराधियों को सजा देने के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। बुलडोजर का इस्तेमाल कर उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान व घर गिरा दिए जाते थे। अब इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यूपी में भी बुलडोजर का अपराधियों के खिलाफ कई बार इस्तेमाल किया गया। अभी हाल ही में अयोध्या में दुष्कर्म के आरोपी के व्यावसायिक प्रतिष्ठान को बुलडोजर से गिरा दिया गया।

हालांकि, इसे लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर रहा है। विपक्ष का आरोप रहा है कि बुलडोजर कार्रवाई जाति और धर्म देखकर की जा रही है। विपक्ष ने इस नीति को लेकर योगी सरकार को कठघरे में लाने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपनाया गया बुलडोजर के इस्तेमाल का ट्रेंड कई अन्य राज्यों ने भी अपना लिया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक अक्टूबर इस कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

केजरीवाल ने राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा आतिशी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार शाम करीब 4.45 बजे उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना को सीएम पद से इस्तीफा सौंप दिया। उनके साथ आतिशी और 4 मंत्री मौजूद रहे। दिल्ली सरकार ने 26 और 27 सितंबर को 2 दिन का विधानसभा सत्र बुलाया है। सत्ता परिवर्तन पर भाजपा ने कहा कि मेकओवर ने आप के दाग नहीं छुपेंगे।

इससे पहले आतिशी मार्लेना को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाने का ऐलान किया गया। केजरीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) की विधायक दल की बैठक में उनके नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर विधायकों ने सहमति जताई। दिल्ली के परिवहन मंत्री गोपाल राय ने आतिशी के नाम का ऐलान करते हुए कहा- हमने विषम परिस्थितियों में यह फैसला लिया है। केजरीवाल की ईमानदारी पर कीचड़ उछाला गया। जनता जब तक उन्हें नहीं चुनती, वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे।

आतिशी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, मैं अपने गुरु अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी। मुझे बधाई मत दीजिएगा, माला मत पहनाइएगा, मेरे लिए, दिल्लीवालों के लिए दुख की घड़ी है कि चहेते मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे। इस बीच, आप की राज्यसभा सांसद स्वाति

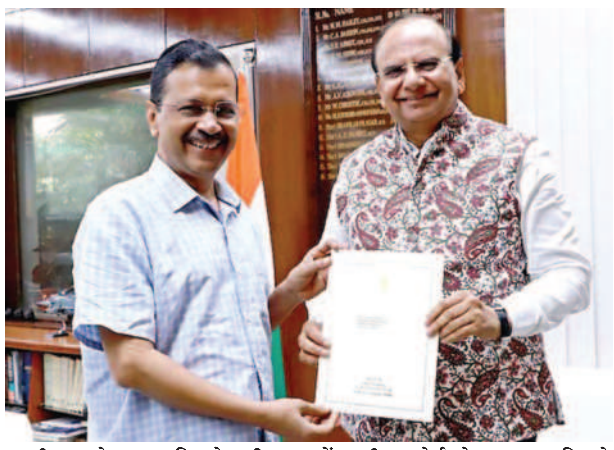

मालीवाल ने कहा, जिसके परिवार ने आतंकी अफजल गुरु के लिए लड़ाई लड़ी, उसे आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री बना दिया। भगवान दिल्ली की रक्षा करे। दिल्ली के लिए आज बहुत दुख का दिन है।

13 सितंबर को शराब नीति केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने 15 सितंबर को मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था, अब जनता तय करे कि मैं ईमानदार हूं या बेईमान। जनता ने दाग धोया और विधानसभा चुनाव जीता तो फिर से कुर्सी पर बैठूंगा।

मलप्पुरम में लॉकडाउन जैसे प्रतिबंध

निपाह वायरस से मौत के बाद 126 लोगों को आइसोलेट किया, कंटेनमेंट जोन बनाए

मलप्पुरम, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केरल सरकार ने मंगलवार को मलप्पुरम जिले में लॉकडाउन जैसे प्रतिबंध लागू किए हैं। सरकार ने यह कदम निपाह वायरस से 2 लोगों की मौत के बाद उठाया। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले 126 लोगों को कंटेनमेंट जोन में आइसोलेट कर दिया गया है। इस साल जुलाई में वायरस से 14 साल के लड़के की मौत हुई थी। 5 सितंबर को 24 साल के लड़के की जान गई थी। 2018 में केरल में निपाह वायरस से 17 मौतें हुई थीं। तब से अब तक राज्य में 5 बार निपाह वायरस ने दस्तक दी है।

मलप्पुरम में लॉकडाउन जैसे 5 प्रतिबंध :

मलप्पुरम की 2 पंचायतों में 5 वार्ड बनाए गए हैं। इन्हें कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। लोगों को बड़ी संख्या में इकट्ठा न होने के निर्देश जारी किए गए। कंटेनमेंट जोन में दुकानें शाम 7 बजे तक बंद हो जाएंगी। सिनेमा हॉल, स्कूल, कॉलेज, मदरसा, आंगनवाड़ी और ट्यूशन सेंटर्स बंद रहेंगे। भीड़भाड़ में लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। मलप्पुरम में भी आंशिक रूप से ये प्रतिबंध लागू होंगे। शादी, अंतिम संस्कार और दूसरे कार्यक्रमों में लोगों की संख्या कम रखने की सलाह दी गई है।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में 176 लोग आए हैं, इनमें से 74 हेल्थ वर्कर हैं। 126 लोग प्राइमरी कॉन्टैक्ट लिस्ट में हैं, जिनमें से 106 लोग रिस्क जोन में हैं, 10 लोगों का इलाज जारी है। दूसरी लिस्ट में 49 लोग हैं। 13 अन्य लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

आरजी कर हत्याकांड पर 'सुप्रीम' सुनवाई

कोर्ट ने सीधे प्रसारण पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां) सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता हत्याकांड को लेकर मंगलवार को सुनवाई की। कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले से जुड़ी याचिका पर स्वत: संज्ञान लिया था। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ मामले पर सुनवाई की। इससे पहले, अदालत ने बंगाल में प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को काम पर लौटने के लिए कहा था। वहीं, सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ ने सीबीआई द्वारा नए सिरे से स्थिति रिपोर्ट भी मांगी थी।

बहस से पहले यह लिया फैसला

सीजेआई चंद्रचूड़ ने सुनवाई शुरू होने से पहले कहा, 'चलिए बहस शुरू होने से पहले कुछ फैसले लेते हैं। कोई भी बीच में नहीं उठेगा और न ही चिल्लाएगा क्योंकि इसे लाइव स्ट्रीम किया जा रहा है।'

सरकार के वकील ने यह किया अनुरोध

इस दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मामले में सुनवाई के सीधे प्रसारण को रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि क्या होता है जब आप इस तरह के मामलों को लाइवस्ट्रीम करते हैं, जिसमें बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। हम आरोपी का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं, हमारी 50 साल की प्रतिष्ठा है! इस पर पीठ ने कहा कि यह खुली अदालत है। यह जनहित का मामला है। वहीं, सिब्बल ने कहा, 'यह हमारी प्रतिष्ठा के बारे में भी है! मैं कहां हंस रहा था? यह उचित नहीं है! चैम्बर की महिला वकीलों को तेजाब हमले और दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं।' बता दें, सिब्बल सोशल मीडिया पर पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को दी जा रही धमकियों का जिक्र कर रहे थे।

'सुनवाई के सीधे प्रसारण पर नहीं लगेगी रोक'

इस पर पीठ ने कहा कि वह सुनवाई के सीधे प्रसारण पर रोक नहीं लगाएगी, क्योंकि यह जनहित का मामला है। कोर्ट ने सिब्बल को आश्वस्त किया कि अगर वकीलों और अन्य लोगों को कोई खतरा होगा तो वह कदम उठाएगा।

सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट पर भी गौर किया

कोर्ट ने इस मामले की जांच में अब तक हुई प्रगति पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की स्टेटस रिपोर्ट पर भी गौर किया। दरअसल, कोर्ट ने घटना के मामले में पोस्टमॉर्टम के लिए जरूरी एक अहम दस्तावेज नहीं होने पर 9 सितंबर को चिंता जताई थी और पश्चिम बंगाल सरकार से एक रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने 22 अगस्त को महिला चिकित्सक की अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने में देरी को लेकर कोलकाता पुलिस से नाराजगी जताई थी। सीजेआई ने पूछा कि क्या आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 60 दिन लगेगा?

'बुच के जवाबों से और सवाल उठते हैं'

कांग्रेस बोली-वित्तीय लेन-देन के 'तथ्यों' का अब तक खंडन नहीं किया

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां) कांग्रेस ने मंगलवार को एक बार फिर सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर निशान साधा। मुख्य विपक्षी दल ने बुच दंपती की ओर से दिए गए जवाबों पर कहा कि ये जवाब और भी अधिक सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस ने जोर देकर कहा कि उनके वित्तीय लेन-देन के बारे में जो तथ्य सामने रखे गए हैं, उनका अब तक किसी ने खंडन नहीं किया है।

कांग्रेस की ओर से यह टिप्पणी सीतारमण के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि माधवी बुच और उनके पति धवल बुच अपना बचाव कर रहे हैं और कांग्रेस के आरोपों का खंडन करने वाले तथ्य पेश कर रहे हैं। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'वित्त मंत्री ने अंतत: सेबी अध्यक्ष के हितों के टकराव के मुद्दे पर केंद्र सरकार की चुप्पी तोड़ी है।' रमेश ने कहा, 'उन्होंने (सीतारमण) कहा है कि सेबी अध्यक्ष और बुच 'हितों के टकराव के आरोपों पर जवाब दे रहे हैं। लेकिन ये जवाब और भी सवाल खड़े करते हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि सेबी अध्यक्ष और उनके पति के वित्तीय लेन-देन के बारे में जो तथ्य सामने रखे गए हैं, उनका अब तक किसी ने खंडन नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'अब सवाल यह है कि क्या वित्त मंत्री और गैर-जैविक प्रधानमंत्री को कम से कम 2022 से ही इन तथ्यों की जानकारी थी। क्या वे वास्तव में सोचते हैं कि ये तथ्य मामूली हैं और किसी भी तरह से पूंजी बाजार नियामक के कामकाज से समझौता नहीं हुआ है?' रमेश ने पूछा कि क्या अदाणी समूह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्देशित सेबी जांच वास्तव में निष्पक्ष रही है?

मोदी सरकार के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड

शाह बोले : इसी कार्यकाल में एक देश-एक चुनाव लागू करेंगे

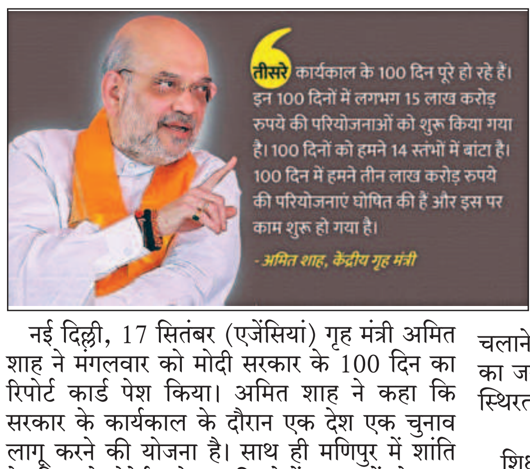

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां) गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मोदी सरकार के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। अमित शाह ने कहा कि सरकार के कार्यकाल के दौरान एक देश एक चुनाव लागू करने की योजना है। साथ ही मणिपुर में शांति के लिए वे मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से बात कर रहे हैं। शाह ने कहा-तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ की योजनाएं शुरू कीं, टैक्स राहत दी और किसानों के खाते में 3 लाख करोड़ रुपए पहुंचाए। आज देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत है। इकोनॉमी सभी 14 पैमानों पर खरी उतरी है। आज इकोनॉमी में रीढ़ दिखाई देती है। इस दौरान उन्होंने कहा- पीएम मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर यानी 15 दिन तक देशभर के सभी जरूरतमंदों की सेवा में हमारे जैसे लाखों कार्यकर्ता लगेंगे। प्रधानमंत्री ने छोटे से गांव में जन्म लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बने। 10 साल में दुनियाभर से अलग-अलग राष्ट्रों ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान दिया। लगातार भारत के विकास, सुरक्षा और गरीबों को समर्पित सरकार चलाने के बाद तीसरी बार भाजपा को सरकार बनाने का जनादेश मिला। 60 साल बाद देश में राजनीतिक स्थिरता का माहौल आया है।

10 साल से जारी योजनाओं पर

शिक्षा में पुरातन प्रणाली को समाहित कर नई शिक्षा नीति लाए हैं। मेक इन इंडिया आज पूरी दुनिया में उत्पादन का सबसे चहेता केंद्र है। डिजिटल इंडिया को दुनिया के कई देश समझना चाहते हैं और अपनाना चाहते हैं। बैंकिंग के 13 पैरामीटर्स में हम आगे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। विदेश नीति में रीढ की हड्डी दिखाई देती है।

कोलकाता रेप-केस : ममता बोलीं-हमने डॉक्टर्स की 3 मांगें मानी

> पुलिस कमिश्नर समेत 4 अधिकारी हटाए जाएंगे > डॉक्टर्स से काम पर लौटने की अपील

कोलकाता, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले में हड़ताली जूनियर डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और डॉक्टरों के बीच बैठक हुई। ममता ने देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वे कोलकाता पुलिस कमिश्नर, हेल्थ सर्विस के डायरेक्टर, मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर और उत्तरी कोलकाता के डिप्टी कमिश्नर को हटाने के लिए तैयार हैं।

ममता ने कहा कि मंगलवार शाम 4 बजे विनीत गोयल की जगह नए पुलिस कमिश्नर पद संभालेंगे। सीएम ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की और कहा कि प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के खिलाफ एक्शन नहीं लिया जाएगा। हालांकि, डॉक्टरों का प्रदर्शन मंगलवार को 39वें दिन भी जारी है। वे अधिकारियों को हटाने के औपचारिक आदेश और सुप्रीम कोर्ट में आज मामले की सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं। एक डॉक्टर ने कहा कि अस्पताल में करप्शन का गिरोह खत्म करने का उनका लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। वे स्वास्थ्य सचिव को भी हटाने की मांग कर रहे हैं।

अस्पताल में वित्तीय अनियमितता मामले में ईडी का छापा

दूसरी तरफ, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितता मामले में मंगलवार को कोलकाता में फिर से छापा मारा है। एजेंसी एक नर्सिंग होम सहित कई जगहों पर तलाशी ले रही है। वित्तीय अनियमितता मामले में ईडी की यह तीसरी रेड है। एजेंसी ने 6 सितंबर को मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था। 12 सितंबर को घोष के पिता सत्य प्रकाश घोष के घर सहित कई ठिकानों पर तलाशी ली थी। घोष पर कॉलेज के प्रिंसिपल रहने के दौरान वित्तीय अनियमितता का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने घोष को 2 सितंबर को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने रेप-मर्डर केस में सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में 14 सितंबर को एसएचओ अभिजीत मंडल के साथ संदीप घोष को फिर से गिरफ्तार किया था। ममता बनर्जी ने सीसीटीवी, वॉशरूम जैसे हॉस्पिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने की मांग भी मान ली है और इसके लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा ममता ने कहा कि हेल्थ सर्विस के डायरेक्टर और मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर को उचित पदों पर तैनात किया जाएगा। हम उनका अपमान नहीं कर सकते हैं। इस मामले में उनकी कोई गलती नहीं है। एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे गतिरोध को हल करने के लिए चार असफल प्रयासों के बाद सोमवार शाम 35 जूनियर डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमंडल बैठक के लिए पहुंचा था।

बैठक पहले शाम 5 बजे होनी थी, लेकिन शाम 6.50 बजे शुरू हुई और रात करीब 9 बजे तक चली। इसके बाद करीब 11:30 बजे तक बैठक पर चर्चा हुई। बातचीत रिकॉर्ड करने के लिए डॉक्टर अपने साथ दो स्टेनोग्राफर्स भी ले गए थे। इससे पहले बंगाल सरकार डॉक्टर्स को मीटिंग के लिए 4 बार बुलाया, लेकिन लाइव टेलीकास्ट और वीडियोग्राफी जैसी मांगों के चलते बातचीत नहीं हो सकी थी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के रेप-मर्डर के बाद लगातार 38 दिन से जूनियर डॉक्टर्स प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि डॉक्टर्स प्रदर्शन खत्म कर काम पर लौटें तो उन पर एक्शन नहीं होगा।

हमने डॉक्टरों की 99% मांगें मानीं

जूनियर डॉक्टरों ने सरकार के सामने ये पांच मांगें रखी थीं। ममता बनर्जी के मुताबिक पहली तीन मांगें पूरी हो गई हैं। ट्रेनी डॉक्टर का रेप मर्डर करने का आरोपी संजय गिरफ्तार हो चुका है। सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और ताला पुलिस स्टेशन के एसएचओ को गिरफ्तार किया जा चुका है। और अब कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पद से हटा दिया गया है।

ममता ने कहा कि हमने डॉक्टरों की 99% मांगें मान ली हैं, क्योंकि वे हमारे छोटे भाई हैं। जूनियर डॉक्टर्स की तरफ से 42 लोगों ने मिनिट्स ऑफ मीटिंग पर साइन किया, जबकि सरकार की तरफ से मुख्य सचिव मनोज पंत ने साइन किया है। मुझे लगता है कि मीटिंग पॉजिटिव रही।

खास खबरें

शख्स को दिखा गुंथा हुआ सांप, देखते ही देखते घोंट कर ले ली खुद की जान

लोगों ने बताए कई तरह के कारण

आपने सांप की वजह से कई लोगों के मरने की खबर तो खूब सुनी होगी, पर क्या आपने ऐसे सांप के बारे में सुना है, जो खुद को ही मार ले? क्या वाकई में सांप खुद को ही मार सकता है? यह सवाल तब ज्यादा उठा जब सोशल मीडिया पर एक ऐसे ही सांप की तस्वीर शेयर की गई. एक शख्स ने बताया कि वह उस समय हैरान रह गया जब उसे एक ऐसा सांप मिला जिसने खुद को गला घोंटकर मार डाला.लोगों ने कमेंट में उसकी आत्महत्या की कई व्याख्याएं भी की. वह जो कुछ भी देख रहा था उससे इतना हैरान था कि उसने तस्वीरों को रेडिट पर शेयर किया. तस्वीरों में दो सांप झगड़ते हुए दिखाई दे रहे थे. उसने कैप्शन जोड़ा, कल मुझे एक सांप मिला जो खुद को गला घोंट रहा था, 10 मिनट बाद वह मर गया.

यह पोस्ट जल्दी ही वायरल हो गई और इसे 74के अपवोट मिले और हज़ारों कमेंट्स, चुटकुले और मीम्स मिले. एक व्यक्ति ने लिखा, "मुझे किसी भी छोटी सी असुविधा से कोई फर्क नहीं पड़ता." दूसरे ने लिखा, जब आप पूरी तरह से गर्दन पर हों तो खुद को गला घोंटना बहुत आसान है, एक और ने मज़ाक किया, "यह रेंगने वाले जानवर की कमजोरी है," एक व्यक्ति ने कहा, "आत्महत्या. विषाक्त और विषैले वातावरण के कारण होना चाहिए." एक ने कहा, "लोग आत्महत्या हेल्पलाइन पर कॉल करने के बजाय तस्वीरें ले रहे हैं." दूसरे ने कहा, "वह थोड़ा घबराया हुआ लग रहा था. लेकिन जब कुछ लोगों ने सवाल किया कि आदमी ने बिना कुछ मदद किए सांप की निराशाजनक दुर्दशा क्यों देखी, तो कई लोगों ने सहमति जताई कि वे जानना चाहते थे कि क्या हो रहा था. एक ने पूछा, "क्या वह आत्महत्या करने वाला था या बस सांप था? हमें जवाब चाहिए!"

लाटरी के टिकट के लिए खर्च किए थे 5 हजार से भी कम, जीत लिया हर साल के लिए 11 करोड़ रुपये का जैकपॉट!

भारत के कई राज्यों में लाटरी बैन है. लेकिन अमेरिका में यह एक बड़ा व्यवसाय है और कई लोग ईनाम भी जीतते हैं और सुर्खियों में भी आते हैं. पर क्या ऐसा भी हो सकता है कि कुछ हजार की टिकट खरीद कर जिंदगी भर के लिए हर साल कुछ करोड़ रुपये जीत लें? जी हां, यह सच है और कई लोग पूरी जिंदगी केवल इसी पैसे गुजार भी देते हैं. ऐसा ही एक व्यक्ति के साथ हाआ जिसने टिकट के लिए सिर्फ़ 4400 रुपये से कम खर्च करके अपने जीवन के हर साल के लिए 1 मिलियन पाउंड या करीब 11 करोड़ रुपये का लॉटरी जैकपॉट जीता. फ्लोरिडा के पश्चिमी हिस्से के सिल्वर गुटिरेज़ फ़िगुएरेडो ने अप्रैल 2023 में स्क्रैच-ऑफ गेम पर 50 डॉलर या 4200 रुपये खर्च किए. हेराल्ड ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, क्लियरवाटर के 53 साल के व्यक्ति ने जैकपॉट मारा और एक मिलियन डॉलर यानी 8 करोड़ 38 लाख रुपये का पुरस्कार जीता.

अमेरिकी लॉटरी विजेता ने सालाना आय बोनस छोड़ दिया और इसके बजाय 640,000 डॉलर यानी करीब 5 करोड़ 37 लाख रुपये का एकमुश्त भुगतान स्वीकार किया. जीत यहीं नहीं रुकी, क्योंकि लॉटरी अधिकारियों ने कहा कि रिटेलर, द शेवरॉन को भी लकी टिकट बेचने के लिए 2,000 डॉलर यानी 1 लाख 68 हजार रुपये का बोनस कमीशन मिला. इस खेल में बड़ी जीत हासिल करने वाले फ़िगुएरेडो अकेले व्यक्ति नहीं हैं. लॉटरी डेटा के अनुसार, पिछले साल मार्च से 144 अन्य लोगों ने 1 मिलियन डॉलर या 8 करोड़ 38 लाख रुपये जीते हैं. यह खबर डेली स्टार के रिपोर्ट किए जाने के बाद आई है, जिसमें एक वेट्रेस के 83 करोड़ 90 लाख रुपये का लोट्टो जीता. टोंडा डिकर्सन अमेरिका में वफ़ल हाउस में काम कर रही थीं, जब एक ग्राहक ने उन्हें टिप के रूप में टिकट दिया.

इस बिल्डिंग से रात को रोने की आती है आवाज!

26 सालों से अंजान शक्ति का कब्जा, कहानी सुन दहल उठेगा दिल

सपनों का शहर मुंबई, जहां कभी रात नहीं होती. यह शहर जो कभी थमता नहीं है. इसी शहर में एक ऐसी जगह है, जिसे ट्रेन में बैठे लोग दूर से देख कर ही डर जाते है. वहां जाने की बात तो दूर, इस जगह की कहानी सुनकर ही लोगो की सांसे थम जाती हैं. मुंबई में ऐसी कई इमारतें है, जो खतरनाक जगहों की सूची में आती हैं. ऐसी ही एक बिल्डिंग का नाम हीरानंदानी टावर है. यह दाहिसार और मीरा रोड दो इलाकों के बीच पड़ता है. इस बिल्डिंग की कहानियां सुन कई बच्चे-बड़े हो गए, लेकिन आज भी इस बिल्डिंग को दूर से ही देख कर डरते हैं. यह बिल्डिंग आज से 26 साल पहले बनना शुरू हुई थी. बनने का काम खत्म हो ही गया था, लेकिन उसी रात वहां काम करने वाले दो मजदूर, जो पति-पत्नी थे, पांचवे माले से गिरने के कारण उनकी मौत हो गई. उसके बाद वहां और भी मौतें हुई. आस-पास के लोगों का कहना है कि रात में किसी की रोने की और चिल्लाने की आवाज आती है. बिल्डिंग के बनने का काम रूके हुए आज 26 साल से भी ज़्यादा हो चुके हैं. अब यह बिल्डिंग एक खंडहर और मुंबई के टॉप हॉरर जगहों में से एक के अलावा और कुछ नहीं है. दाहिसर में रहने वाले अविनाश सरोज लोकल 18 को बताते हैं कि इस भूतिया बिल्डिंग की कहानी बहुत सालों से सुनते आ रहे हैं. दाहीसर से लेकर विरार तक रहने वाला हर व्यक्ति इस बिल्डिंग की भूतिया कहानी जानता है. लोग दिन में भी आईडी बिल्डिंग के पास नहीं जाते, रात में जाना तो बहुत दूर की बात है.

मनोज जरांगे ने फिर शुरू किया अनिश्चितकालीन अनशन

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को एक बार फिर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। एक साल से अधिक की अवधि में जरांगे का यह छठा प्रयास हैं। वह अपने समुदाय को ओबीसी के तहत आरक्षण दिलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में आधी रात से अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। इस आंदोलन से पहले उन्होंने मीडिया से बात की और महाराष्ट्र सरकार पर उनकी समुदाय को आरक्षण नहीं देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मराठों ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक आखिरी मौका दे रही थी। जारांगे उस मसौदा अधिसूचना को लागू करने की मांग कर रहे हैं जो कुनबियों को मराठा समुदाय के सदस्यों के 'सेज सोयारे' (रक्त रिश्तेदार) के रूप में मान्यता देती है। उन्होंने आगे कहा कि वह यह भी चाहते हैं कि पहले उनके आंदोलन के दौरान मराठा समुदाय के सदस्यों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाए। जरांगे ने कहा, मेरे लिए मराठा समुदाय महत्वपूर्ण है, लेकिन सरकार जानबूझकर आरक्षण नहीं दे रही है। वे कहते हैं कि हम राजनीतिक भाषा बोल रहे हैं। मैं अब राजनीतिक भाषा नहीं बोलूंगा, लेकिन यह देवेंद्र फडणवीस के लिए आखिरी मौका है। जरांगे ने आगे कहा, मेरा समुदाय राजनीति में नहीं आना चाहता है। सरकार को अध्यादेश पारित करना चाहिए कि मराठा और कुनवी एक ही हैं। 2004 में पारित अध्यादेश में सुधार होना चाहिए। सेज सोयारे का नोटिफिकेशन तुरंत लागू करना चाहिए। जारी प्रमाण पत्रों के आधार पर जो भी इसकी मांग करें, उसे दिया जाए।

दिल्ली की नई सीएम हैं करोड़पति, बावजूद नहीं है घर और गाड़ी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी नई दिल्ली को एक और नया मुख्यमंत्री मिल गया है। आम आदमी पार्टी की सरकार में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहीं आतिशी दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनेंगी। आतिशी अरविंद केजरीवाल कैबिनेट में सबसे ताकतवर मंत्री रही हैं। आतिशी को अरविंद केजरीवाल का करीबी सहयोगी और भरोसेमंद माना जाता है। आतिशी अन्ना आंदोलन के समय से ही संगठन में सक्रिय रही हैं। विदेश से पढ़ी-लिखी दिल्ली की नई सीएम आतिशी की नेटवर्थ की अगर बात करें, तो ये एक करोड़ रुपये से ज्यादा है। आइए जानते हैं उनके पास क्या-क्या है? वर्ष 2012 में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के समय राजनीति में कदम रखने वाली आतिशी आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी पूर्वी दिल्ली सीट से लोकसभा उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वह भाजपा के गौतम गंभीर से चुनाव हार गई थीं। इसके बाद साल 2020 में पार्टी ने फिर से आतिशी पर विश्वास जताया, तभी से वे दिल्ली के कालकाजी विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की विधायक हैं। नेशनल इलेक्शन वॉच की साइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आतिशी मार्लेना के पास कैश के तौर पर सिर्फ 20,000 रुपये हैं। जबकि बैंक और अन्य फाइनेंशियल फर्म में 1.41 करोड़ से ज्यादा का डिपॉजिट है। हालांकि, इसमें उनके पति की इनकम भी शामिल है। आतिशी के पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है, लेकिन उनके पास न तो खुद का घर है और न ही उनके नाम पर कोई जमीन है।

उनकी संपत्ति की बात करें, तो माय नेता पर शेयर किए गए चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 1.41 करोड़ रुपये की संपत्ति है। आतिशी के ऊपर किसी की कोई देनदारी नहीं है। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने चुनाव आयोग के सामने जो संपत्ति का जो ब्योरा पेश किया, उसके मुताबिक उनके पास करीब कैश 30000 रुपये, जबकि बैंक डिपॉजिट व एफडी मिलाकर कुल 1.22 करोड़ रुपये हैं। दिल्ली की नई सीएम आतिशी की ज्यादातर संपत्ति उनके बैंक अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में ही है। करोड़पति होने के बाद भी उन्होंने शेयर बाजार या बॉन्ड बाजार में उन्होंने कोई निवेश नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने एलआईसी का एक प्लान है। उनके नाम पर 5 लाख रुपये की एलआईसी की हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी है।

मलप्पुरम में सामने आया मंकीपॉक्स का मामला, जांच के लिए भेजे गए नमूने

तिरुवनंतपुरम, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के मलप्पुरम जिले में मंकीपॉक्स संक्रमण का एक मामला सामने आया है। दरअसल, हाल ही में विदेश से लौटे एक व्यक्ति में इस बीमारी के लक्षण दिखे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति कुछ ही दिन पहले केरल आया था और बीमार हो गया। उसे पहले एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसे बाद में मंजेरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि मरीज के नमूने को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा, उसे प्राइवेट अस्पताल से मंजेरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। उहमने उसके नमूने को जांच के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। फिलहाल परिणाम का इंतजार है। पिछले हफ्ते तिरुवनंतपुरम में मंकीपॉक्स का एक नया मामला सामने आया था। दरअलस, हरियाणा के हिसार का रहने वाला 26 वर्षीय व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया था, जिसके बाद उसे दिल्ली सरकार द्वारा संचालित एलएनजेपी अस्पताल में भर्तीय किया गया।

2022 से अबतक 30 मामले दर्ज केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने ने बताया कि जुलाई 2022 से लेकर अबतक भारत में 30 मामले दर्ज किए गए। 26 वर्षीय हिसार के निवासी को पश्चिम अफ्रीकी क्लैड-2 के एमपॉक्स वायरस के लिए पॉजिटिव परीक्षण किया गया। विश्व स्वास्थ्य संघठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले हफ्ते अफ्रीका में एमपॉक्स के प्रसार को देखते हुए इसे लेकर चिंता जताई और इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया। एमपॉक्स संक्रमण स्वसीमित होता है और मरीज आमतौर पर चिकित्सा देखभाल और प्रबंधन से ठीक हो जाते हैं। यह संक्रमित रोगी से नजदीकी संपर्क बनाने से फैलता है। बुखार, दाने और सूजी हुई लिम्फ नोड्स के तौर पर इसके लक्षण दिखाई देते हैं। हाल ही में नौ सितंबर को निपाह वायरस के कारण 24 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिसके बाद मलप्पुरम में नियंत्रण क्षेत्र स्थापित किए जाने के बाद मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया। राज्य सरकार ने रविवार को पुष्टि की कि नौ सितंबर को जिस व्यक्ति की मौत हुई, वह निपाह वायरस से संक्रमित था। 2018, 2021 और 2023 में कोझिकोड जिले में और 2019 में एर्नाकुलम जिले में निपाह का प्रकोप देखा गया है। कोझिकोड, वायनाड, इडुक्की और एर्नाकुलम में चमगाजड़ों में निपाह वायरस एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता चला था।

सीट बंटवारे पर एमवीए में फिर होगा मंथन

राउत बोले-जो भी फैसला होगा, वही अंतिम होगा

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के तीन सहयोगी दल 18 से 20 सितंबर तक सीट बंटवारे पर बातचीत करेंगे। शिवसाने (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इसकी जानकारी दी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने वाली सीटों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, वही फाइनल होगा। एमवीए की सहयोगी पार्टियों में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), राकांपा-एसपी और कांग्रेस शामिल हैं। बता दें कि राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है।

संजय राउत ने पत्रकारों से कहा, ₹एमवीए साझेदारों के बीच सीट बंटवारे को लेकर 18 से 20 सितंबर तक बातचीत होगी। बैठक तीन दिनों तक चलेगी। कौन सी पार्टी किस सीट से चुनाव लड़ेगी, इसपर चर्चा होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीटें तय करने के लिए जीतने की क्षमता ही मानदंड होगी। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और राकांपा-एसपी ने शिवसेना(यूबीटी) से ज्यादा स्ट्राइक रेट हासिल किया, इस पर सवाल किए जाने पर संजय राउत ने कहा कि उनकी पार्टी के वोट बड़े पैमाने पर इन दोनों पार्टियों को ही ट्रांसफर किया गया। शिवसेना ने कोल्हापुर, अमरावती और रामटेक सीट कांग्रेस को सौंप दी। राउत ने कहा कि अगर ये सीटें शिवसेना(यूबीटी) के साथ होती तो वह निश्चित रूप से जीत जाती। उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने बारामती समेत राकांपा-एसपी के लिए कड़ी मेहनत की।

पाकिस्तान से भारत में घुस रहा था घुसपैठिया

बीएसएफ जवानों ने चेतावनी दी न रुकने पर किया ढेर

अमृतसर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सोमवार देर रात गांव रतन खुर्द एरिया में पाकिस्तान की तरफ से भारत में घुस रहे एक घुसपैठिए को बीएसएफ के जवानों ने मार गिराया। युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भारत की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक सोमवार रात करीब 9:15 बजे बीएसएफ के जवानों को गांव रतन खुर्द फेंसिंग के नजदीक कुछ हलचल होती हुई दिखाई दी । इसके बाद बीएसएफ के जवान तुरंत सतर्क हो गए और मौके पर जाकर देखा कि एक पाकिस्तानी व्यक्ति भारतीय सीमा में घुस रहा था। बीएसएफ के जवानों की ओर से उसे चेतावनी भी दी गई बावजूद इसके घुसपैठिया लगातार भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। इसी के तहत बीएसएफ के जवानों की ओर से गोली चला दी गई, जिससे घुसपैठिए की मौत हो गई। जांच के दौरान घुसपैठियों से बीएसएफ के जवानों को 270 रुपये की पाकिस्तान करेंसी बरामद हुई है। वहीं शव को थाना घरिंडा पुलिस के हवाले कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

50 जिलों में जन औषधि केंद्रों का शुभारंभ

सीएम बोले-सफाई मित्रों को मिलेगी 7 हजार की प्रोत्साहन राशि

भोपाल, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के 50 जिला अस्पतालों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया। इन औषधि केंद्रों का संचालन रेडक्रॉस के जरिए किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 51 हजार प्रधानमंत्री आवासों का गृह प्रवेश भी कराया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मुख्यमंत्री के साथ सिंगल क्लिक के माध्यम से सफाई मित्रों के खातों में 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि ट्रांसफर की। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम के दौरान घोषणा की कि सफाई में जितने स्टार रेटिंग होंगे, उतने हजार रुपये सफाई मित्रों को दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सात स्टार वाले निकायों को सात हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

सफाई मित्रों को 5-5 हजार प्रोत्साहन राशि प्रदान की

भोपाल को स्वच्छता सर्वेक्षण में 5 स्टार रेटिंग मिलने पर नगर निगम के 8,117 सफाई मित्रों को मुख्यमंत्री और राज्यपाल की उपस्थिति में 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश भर में रहवासी संघ बनाने की आवश्यकता है, ताकि जनभागीदारी से समस्याओं का समाधान किया जा सके। उन्होंने इंदौर का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां जनभागीदारी से 200 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए थे।

90% तक कम कीमत पर मिलेंगी दवा

जन औषधि केंद्रों के जरिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी, जो ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में 50% से 90% तक कम कीमत पर मिलेंगी। ये केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित होंगे, जिससे उनके स्वास्थ्य खर्चों में बचत होगी। खासकर शुगर, ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी बीमारियों के मरीजों को कम दामों पर इलाज जारी रखने में सुविधा होगी। जन औषधि केंद्रों के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, क्योंकि इनके संचालन के लिए फार्मासिस्ट और अन्य कर्मचारियों की जरूरत होगी।

51 हजार आवासों में गृह प्रवेश कराया

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत देशभर के 4 लाख आवासों का गृह प्रवेश समारोह हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश के 51 हजार आवास शामिल थे।

सुविचार

सपने में बड़ा उल्लास है, सुंदर भी है, रहस्यमय भी है। यही सपने का अर्थ है।

हाइड्रा की स्थापना में कोई राजनीतिक कारण नहीं : रेवंत रेड्डी

सीएम ने प्रजा पालना दिनोत्सव के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि हाइड्रा की स्थापना में कोई राजनीतिक आयाम नहीं है और झीलों और अन्य जल निकायों में अतिक्रमण हटाने का कार्य मिशन मोड पर प्रकृति की रक्षा के उद्देश्य से किया गया है। मंगलवार को यहां पब्लिक गार्डन में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रजा पालना दिनोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अलावा संरक्षित पर्यावरण का पुनरुद्धार भी समय की मांग है और यही कारण है कि सरकार ने हाइड्रा का गठन किया है। हैदराबाद शहर झीलों के शहर के रूप में लोकप्रिय है। दुर्भाग्य से आज शहर पिछले शासकों द्वारा किए गए पापों के कारण बाढ़ के शहर में बदल गया है। हाइड्रा का गठन झीलों और अन्य जल निकायों में अतिक्रमण को ध्वस्त करने के लिए किया गया है। अगर झीलों, तालाबों और नहरों की रक्षा नहीं की गई तो आने वाली पीढ़ियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। केरल राज्य ने हाल के दिनों में प्रकृति के प्रकोप को देखा। हजारों लोग मारे गए। हैदराबाद में ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ भू-माफिया गरीब लोगों के मुद्दों को सबसे पहले उठाकर हाइड्रा को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाइड्रा को रोका नहीं जा सकता, चाहे इसके रास्ते में कितनी भी बाधाएं क्यों न आएं और यह हैदराबाद के भविष्य की गारंटी देता है। उन्होंने लोगों से राज्य सरकार के प्रयासों में अपना सहयोग देने का अनुरोध किया। 17 सितंबर तेलंगाना के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। अभी तक इस शुभ दिन को परिभाषित करने पर मतभेद हैं। कुछ लोग इसे विलय दिवस कह रहे हैं तो कुछ मुक्ति दिवस।

हालांकि, गहन विचार के बाद राज्य सरकार ने 17 सितंबर को "प्रजा पालना दिनोत्सवम" के रूप में मनाने का फैसला किया है, उन्होंने खुलासा किया। पिछले 10 वर्षों में 7 लाख करोड़ रुपये के बढ़ते कर्ज के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था बर्बाद होने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कमजोर आर्थिक परिस्थितियों में राज्य की बागडोर संभाली थी और वह हर महीने कर्ज और ऋण पर ब्याज चुकाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, जैसा कि वादा किया गया था, हमने छह गारंटियों को लागू करने और अर्थव्यवस्था को सही रास्ते पर लाने को चुनौती के रूप में लिया है। सरकार ऋण पुनर्गठन के माध्यम से वित्तीय स्थिति को सुधारने की पूरी कोशिश कर रही है और राजस्व सृजन में लीकेज को बंद कर दिया है। इसके अलावा, यह सभी केंद्रीय निधियों को प्राप्त करने की पूरी कोशिश कर रही है। कई बार नई दिल्ली जाने और प्रधानमंत्री सहित सभी केंद्रीय मंत्रियों से मिलने की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह घर से बाहर जाए बिना घर पर रहने वाले फार्म हाउस के मुख्यमंत्री हैं और वह एक मेहनती मुख्यमंत्री हैं। रेवंत रेड्डी ने बताया, मैं अपने स्वार्थ या निजी काम से दिल्ली नहीं जा रहा हूं। इसके अलावा, दिल्ली पाकिस्तान या बांग्लादेश में नहीं है। यह एक संघीय व्यवस्था है और राज्यों और केंद्र के बीच कई मुद्दे हैं।

पुलिस को जनसेवा के रूप में कार्य करना चाहिए : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 17 सितंबर को लोक शासन दिवस आयोजित करने के तेलंगाना राज्य सरकार के निर्णय के बाद, आज राचकोंडा आयुक्तालय के तहत अंबरपेट सशस्त्र पुलिस मुख्यालय में लोक शासन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कमिश्नर सुधीर बाबू ने कहा कि आजादी के बाद से तेलंगाना राज्य हर क्षेत्र में विकसित हुआ है, यहां रेलवे व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, संचार व्यवस्था, अत्याधुनिक अस्पताल और परिवहन व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य विभिन्न संप्रदायों, जातियों, धर्मों और संस्कृतियों के साथ सद्भावना जारी रख रहा है और विविधता में एकता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि शांति एवं सुरक्षा कायम रहने से ही विकास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण संभव होगा। सुझाव दिया गया है कि पुलिस को नागरिक सेवाओं में पुनः तैनात किया जाना चाहिए, लोगों को पुलिस प्रणाली पर विश्वास होना चाहिए और लोगों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में एसबी डीसीपी करुणाकर, एडिशन डीसीपी श्याम सुंदर, वेंकट रेड्डी और एसीपी इमैनुएल, महेश्वर, शैलेश, नरेंद्र, सुरेश और आरआई आरएसआई और कर्मचारियों ने भाग लिया।

तेलंगाना प्रजा पालन दिनोत्सवम मना

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को हैदराबाद बस भवन में 'तेलंगाना प्रजा पालन दिनोत्सवम' मनाया गया। टीडीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक (संचालन) मुनिशेखर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और झंडे को सलामी दी। इस कार्यक्रम में मुख्य परिचालन अधिकारी डॉ. रविंदर, संयुक्त निदेशक अपूर्व राव, वित्त सलाहकार विजयपुष्पा, एचवीओडी और अन्य ने भाग लिया।

जीएचएमसी मुख्यालय में लोक प्रशासन दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने आयुक्त आम्रपाली काटा के साथ मंगलवार को लोक प्रशासन दिवस के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी दी। इस मौके पर मेयर और कमिश्नर ने पुलिस सलामी ली। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर ने कहा कि 17 सितंबर वह दिन था जब भारत की आजादी के बाद से हर साल आजादी का इंतजार कर रहे तेलंगाना के लोगों को शाही शासन से मुक्ति मिली थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य लोगों के स्वशासन और विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने तथा आर्थिक विकास में योगदान देने की योजनाएं बनाने और सरकारी योजनाओं को लोगों के करीब लाने के मामले में देश में एक आदर्श बन गया है। प्रदेश देश में आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन कार्यक्रम में 6 गारंटियों के कार्यान्वयन के लिए लोगों को आवेदन करने का अवसर दिया गया है और उन आवेदनों की जांच की गई है और पात्र परिवारों को सरकार का लाभ प्राप्त करने की पात्रता दी गई है। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को 500 रुपये में एलपीजी रसोई गैस के साथ ही 200 यूनिट तक मुफ्त उपलब्ध करायी गयी है तथा महिलाओं को राज्य भर में मुफ्त परिवहन बस की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। मेयर ने कहा कि रेवंत रेड्डी एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो महिलाओं और छात्रों के लिए बड़े भाई के रूप में खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन के अवसर पर जीएचएमसी का आयोजन 28 दिसंबर 2023 से 6 जनवरी 2024 तक किया गया और इस अवसर पर एक वार्ड में 4 काउंटर लगाए गए, जिसमें दिव्यांग महिलाओं के लिए विशेष काउंटर लगाए गए और आवेदन किए गए लोगों को लाभान्वित करने वाली योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्राप्त किया गया।

उन्होंने कहा कि 150 वार्डों में 600 काउंटर स्थापित किए गए हैं, 10,000 कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का उपयोग किया गया है और काउंटर पर प्राप्त प्रत्येक आवेदन को सर्कल के अनुसार कंप्यूटरीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन में 26,48,521 परिवारों से 24,74,325 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से लोक प्रशासन के तहत 19,01,256 आवेदन प्राप्त हुए हैं, संशोधन के लिए 30 मंडलों के वार्ड कार्यालयों में सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं प्राप्त लोक प्रशासन आवेदनों में और जो पात्र हैं उन्हें लाभान्वित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। महापौर ने कहा कि जनता के शासन के लिए जनता द्वारा चुनी गई सरकार हर जिले में सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर प्रत्येक सोमवार को जनसुनवाई कर अधिकारियों की जिम्मेदारी के साथ समस्या के समाधान के लिए कदम उठा रही है। जनता की सरकार के लिए जनता का सहयोग सदैव रहना चाहिए। कार्यक्रम में कुक्कटपल्ली, एलबीनगर जोनल कमिश्नर अपूर्व चौहान, हेमंत केशव पाटिल, अतिरिक्त आयुक्त यादगिरी राव, नलिनी पद्मावती, पंकजा, सरोजा, सीसीपी श्रीनिवास, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, सतर्कता अतिरिक्त एसपी श्रीनिवास, एसीपी सुदर्शन, सीएम और एचओ डॉ. पद्मजा, संयुक्त आयुक्त उमा प्रकाश, जयंत, महेश कुलकर्णी, मुख्य कीट विज्ञानी डॉ. रामबाबू, एसई रत्नाकर, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

रंगारेड्डी में लोक प्रशासन दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में तेलंगाना लोक प्रशासन दिवस का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के सलाहकार (सार्वजनिक मामले) वेम नरेंद्र रेड्डी ने राष्ट्रीय ध्वज फहरायात। तेलंगाना लोकतंत्र दिवस समारोह मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के एकीकृत जिला कार्यालय परिसर कोंगाराकलां में आयोजित किया गया। जिला प्रशासन ने इन समारोहों के लिए व्यापक इंतजाम किया था। इस मौके पर वेम नरेंद्र रेड्डी ने पुलिस से सलामी प्राप्त की।

उन्होंने जिले की प्रगति और 17 सितंबर के महत्व को समझाते हुए लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में धायक माल रेड्डी रंगारेड्डी, वीरलापल्ली शंकर, प्रकाश गौड़, जिला कलेक्टर शशांक, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, जिला राजस्व अधिकारी संगीता, कलेक्टर ए.ओ. सुनील, जन प्रतिनिधि, सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

रानी कुमुदिनी को राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी रानी कुमुदिनी को राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अब तक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पार्थसारथी एसईसी के उस पद पर बने हुए थे। सरकार ने रानी कुमुदिनी को नियुक्त किया क्योंकि उनका कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ था। 1988 बैच की आईएएस अधिकारी कुमुदिनी ने केंद्र और राज्य सरकारों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। केंद्रीय सेवाओं के बाद, उन्होंने तेलंगाना राज्य श्रम विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभाला। वह 2023 के चुनावों से पहले सेवानिवृत्त हो गईं। पार्थसारथी का एसईसी के रूप में कार्यकाल इस महीने की 8 तारीख को समाप्त हो गया था। इसके परिणामस्वरूप, कांग्रेस सरकार ने रानी कुमुदिनी को एसईसी नियुक्त किया। राज्यपाल के आदेश में कहा गया है कि वह तीन साल तक एसईसी के रूप में काम करेंगी। स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर नए एसईसी की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमजी गोपाल को राज्य सरकार ने राज्य सतर्कता आयुक्त के रूप में नियुक्त किया है। 1983 बैच के आईएएस अधिकारी गोपाल ने केंद्र और तेलंगाना राज्य में विभिन्न पदों पर काम किया था। अब, उन्हें तीन साल के लिए राज्य सतर्कता आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है।

तेलंगाना के विलय के समय भाजपा का जन्म नहीं हुआ था : महेश गौड़

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश गौड़ ने कहा कि 17 सितम्बर 1948 तक हमारे देश को आजादी नहीं मिली थी। दूरदर्शी नेहरू, गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने तेलंगाना का विलय देश में करने के लिए भेजा था। लोक प्रशासन दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा गिरी हुई राजनीति करती है। तेलंगाना के विलय के समय भाजपा का जन्म नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। वर्तमान में मौजूद भाजपा के सहयोगियों ने अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। वल्लभभाई पटेल और बीजेपी के बीच क्या रिश्ता है? सरदार वल्लभभाई पटेल को बीजेपी अपना नेता होने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को तेलंगाना विलय पर बात करने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस के कारण हैदराबाद राज्य का देश में विलय हुआ।

केसीआर ने दस साल तक तेलंगाना को रौंदा है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आईटी सेक्टर से परिचित कराया। केटीआर जो सोचता है कि वह शिक्षित है, उसकी कोई संस्कृति नहीं है। राजीव गांधी की मूर्ति पर बिना संस्कार वाली बात केटीआर बोल रहे हैं। उसको दस साल तक तेलुगु तल्ली की याद नहीं आयी। तेलुगु तल्ली का सम्मान करने के लिए सरकार सचिवालय के बीचोबीच उनकी प्रतिमा लगाएगी।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सचिवालय में तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

वादे पूरे होने तक राज्य सरकार को छोड़ने का सवाल ही नहीं : केटीआर

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज कहा कि कई लोगों के संघर्ष के कारण, वे तेलंगाना में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना के लोग जाति और धर्म से ऊपर होंगे। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी से कहा कि वे अपनी मर्जी से बोलने से बचें। केटीआर ने अपनी पार्टी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर तेलंगाना भवन में राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के युवा नौकरियों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दो लाख नौकरियां कब पैदा होंगी? रायथु भरोसा लाभ और पेंशन कब दी जाएगी? लड़कियां मासिक प्रोत्साहन के रूप में उन्हें दिए जाने वाले 2,500 रुपये का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने आलोचना की कि हैदराबाद में कानून और व्यवस्था की स्थिति बाधित हुई है। केटीआर ने मांग की, अखबार लिख रहे हैं कि एक महीने में 30 हत्याएं हुई हैं। गृह मंत्री की नियुक्ति की जानी चाहिए और कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि वे राज्य सचिवालय के सामने तेलंगाना तल्ली की मूर्ति लगाना चाहते थे, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने वहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की मूर्ति लगा दी। उन्होंने कहा, राजीव गांधी की प्रतिमा दिल्ली के कांग्रेस आलाकमान नेताओं की सराहना के लिए लगाई गई थी। पिछले दिनों सीएम ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को 'बलि का बकरा' और राहुल गांधी को 'मूर्ख' कहा था। अब उन्होंने अपनी पिछली गलतियों को छिपाने के लिए राजीव गांधी की प्रतिमा लगाई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Ayesha Chowdhary, D/O Pasha Imam Chowdhury, R/O Plot no. 73, Road no. 3, Shilpa Hills, Izzath Nagar, Rangareddy, Hyderabad, Telangana, have changed my name to Kaneez Ayesha Chowdhury (new name) for all future purposes.

I, Sheetal Dilip Shinde D/o Dilip Shinde H.No. 1-2-57 to 61F, 1st Floor 104, Domalguda, Hyderabad, have changed name as "SHEETAL SHINDE" D/o DILIP SHINDE PATIL.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

साइबराबाद सीपीओ में प्रजा पालना दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में सीपी अविनाश मोहंती ने प्रजा पालना दिवस के सम्मान में साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में साइबराबाद संयुक्त सीपी (यातायात) डी. जोएल डेविस, साइबराबाद अपराध डीसीपी के. नरसिम्हा, एसबी डीसीपी साई श्री, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू डीसीपी सृजन कर्णम, ईओडब्ल्यू डीसीपी के. प्रसाद, साइबर अपराध डीसीपी श्रीबालादेवी, एल एंड ओ डीसीपी माधापुर डीसीपी डॉ. जी. विनीत कुमार, मेडचल डीसीपी कोटि रेड्डी, बालनगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, डीसीपी राजेंद्रनगर चौ. श्रीनिवास, एडीसीपी (प्रशासन) रविचंदन रेड्डी, सीएसडब्ल्यू एडीसीपी श्रीनिवास राव, मुख्यालय एडीसीपी शमीर अन्य एडीसीपी, एसीपी, निरीक्षक, रिजर्व निरीक्षक, अनुभाग कर्मचारी और मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस उम्मीदवार रहे मोहम्मद सलाउद्दीन लोधी ने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात की। उन्होंने चारमीनार पुराने शहर के विकास पर चर्चा की। इस मौके पर मोहम्मद सामी, मोहम्मद सैफउद्दीन, विष्णु उपस्थित रहे।

आईजीपी एम. रमेश ने डीजीपी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिरीक्षक (पी एंड एल), एम. रमेश ने मंगलवार को राज्य डीजीपी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सव के अवसर पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

एआईजी रमण कुमार, नागराजू और अन्य की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए आईजीपी एम. रमेश ने कहा कि 17 सितंबर तेलंगाना राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने याद दिलाया कि ऑपरेशन पोलो के तहत हैदराबाद का भारत में विलय हुआ था और लोकतांत्रिक शासन की नींव रखी गई थी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को दर्शाते हुए राज्य सरकार ने 17 सितंबर को तेलंगाना प्रजा पालना दिनोत्सव के रूप में मनाने का फैसला किया है।

पूर्व तट रेलवे

बिक्री की ई-नीलामी

(1) निविदा सूचीपत्र सं.: WAT-Hybrid-TSV

(1) लॉट सं./श्रेणी: HyB-OnB-153774-24-1 (Hybrid NFR - On-board Hybrid)

विवरण: वाल्टियर मंडल के तहत दुव्वाडा-पुंडी, विशाखापट्टणम-रायगड़ा, रायगड़ा-कोरापुट, विशाखापट्टणम-किरन्दुल, नौपाड़ा-गुणुपुर अनुभागों के बीच सभी ट्रेनों (राजधानी, वंदे भारत, दुरंतो, शताब्दी अथवा निकट भविष्य में शुरू होने वाली अन्य कोई भी स्पेशल प्रीमियम ट्रेनों को छोड़कर) में विभिन्न विविध सामग्रियों (खाद्य एवं PDW छोड़कर) की बिक्री के लिए अनुबंध। इस्तेमाल की गई रेक लिंक ID एवं रेक नं. सिर्फ तकनीक अनुपालन हेतु है।

बिक्री की ई-नीलामी

(2) निविदा सूचीपत्र सं.: WAT-ADVT-OH-46

(1) लॉट सं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OH-189-24-1 (Advertising-Out of Home))

विवरण: डाबागार्डन/अम्बेदकर सर्कल विशाखापट्टणम के निकट विज्ञापन का अधिकार। नीलामी प्राधिकार विज्ञापन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र 800 SFT है।

दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क (सभी निविदाओं के लिए), ट्रिप/दिन: 1095 (सभी निविदाओं के लिए)। न्यूनतम वृद्धि: 0.2% (सभी निविदाओं के लिए)। लॉट की स्थिति: मसौदा सूचीपत्र में नया (सभी निविदाओं के लिए)।

नीलामी शुरू होने की तारीख: 30.09.2024 (दोनों निविदाओं के लिए)। **शुरू होने का समय:** 1200 बजे (क्रमांक 1 के लिए) तथा 1100 बजे (क्रमांक 2 के लिए)

नीलामी बंद होने की तारीख: 30.09.2024 (दोनों निविदाओं के लिए)। **बंद होने का समय:** 1230 बजे (क्रमांक 1 के लिए) तथा 1130 बजे (क्रमांक 2 के लिए)

द्रष्टव्य: प्रत्याशित बोलीदाताओं से www.ireps.gov.in पर जाने तथा इस ई-नीलामी के संबंध में सभी अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए आगामी ई-नीलामी लीजिंग टैब देखने की सलाह दी जाती है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक वाल्टियर

PR-536/P/24-25

योगी ने परखी वाराणसी की विकास परियोजनाएं

गुंबद गिरने के दोषियों पर कार्रवाई को कहा, बाढ़ पीड़ितों से मिलकर बच्चों को खिलाई चॉकलेट

वाराणसी, 17 सितंबर (एजेंसियां) वाराणसी में सीएम सीएम योगी सोमवार रात विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने ग्राउंड पर उतरे। योगी का काफिला सोमवार रात 9 बजे सर्किट हाउस से निकला तो पूरे जिले के वायरलेस सेट पर अलर्ट जारी हो गया। सड़कों पर ट्रैफिक रोक दिया तो पुलिसकर्मी मुस्तैद हो गए। कचहरी-आशापुर संदहा मार्ग का चौड़ीकरण देखने पहुंचे योगी ने बारीकी से हर काम को देखा। कार्यदायी संस्था को चौड़ीकरण का काम जल्द पूरा करने को कहा।

इसके बाद योगी और अधिकारी सारनाथ प्रो-पुअर और सारंगनाथ महादेव मंदिर पहुंचे। मंदिर के रेनोवेशन की प्रगति का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्थाओं और इंजीनियर्य को मानक के हिसाब से समय पर काम पूरा कराने की हिदायत दी। योगी के सवालों पर अधिकारी जवाब देने में हड़बड़ाने लगे। तब योगी ने मुस्कुराते हुए अगले प्रोजेक्ट पर बात शुरू कर दी। उन्होंने कहा- निर्माण कामों में गुणवत्ता के साथ ही सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखें।

राहत सामग्री बांटी, बच्चों को टॉफी और चॉकलेट दी

जेपी मेहता इंटर कॉलेज में बाढ़ पीड़ितों के राहत शिविर में योगी पहुंचे। राहत सामग्री दी, बच्चों को टॉफी और चॉकलेट दी। फिर सर्किट हाउस लौट आए। तब अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

वहीं, आज मंगलवार दोपहर तक सीएम कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे, इसके लिए पुलिस ने डायवर्जन जारी किया है। समीक्षा बैठक में योगी ने रोपवे परियोजना में देरी पर भी नाराजगी जताई। इस पर डीएम ने तीन स्टेशन का निर्माण काम दिसंबर तक और बचे स्टेशनों का काम मार्च-2025 तक पूरा करने की बात कही। योगी ने रामनगर स्थित शास्त्री घाट पर बारादरी का गुंबद गिरने से श्रमिक की मौत को गंभीरता से लिया। नाराजगी जताते हुए पर्यटन विभाग, कार्यदायी संस्था, कॉन्ट्रैक्टर और नोडल अधिकारी के खिलाफ जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया।

शास्त्री घाट पर बने सभी गुंबदों को दोबारा खोलकर उनका रेनोवेशन करने और पूरे काम क्षेत्र की बैरिकेडिंग कराने की बात कही। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के सभी कामों की जांच कराने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में डीएम एस. राजलिंगम ने योगी के सामने शहर में शिक्षा, स्वास्थ्य और लोक निर्माण आदि विभागों की परियोजनाओं की जानकारी प्रोजेक्टर पर दी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था की जानकारी दी।

बाढ़ का स्थायी समाधान करने को कहा

योगी ने कहा- बाढ़ का स्थायी समाधान करें। वरुणा रिवर फ्रंट को मॉडल के रूप में विकसित करें। इसमें सीवर और दूषित पानी न गिरे। बाढ़ के दौरान गंगा का पलट प्रवाह वरुणा नदी में न हो यानी गंगा का पानी वरुणा में न लौटे। वरुणा में हमेशा पानी रहे, इसलिए जगह-जगह चेकडैम बनाएं।

नदी के दोनों तरफ घने पौधे लगाएं। देसी पद्धति पर ड्रेनेज का मॉडल विकसित करें। सभी फ्लाईओवर के नीचे सुंदरीकरण का काम कराएं। भवनों के बेसमेंट में पार्किंग बनवाएं।

यूपी में ब्लास्ट में पांच की मौत

फिरोजाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां) फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद के नौशहरा स्थित एक मकान में रखे पटाखों में अचानक आग लगने से तेज धमाके के साथ विस्फोट हुआ। जिसमें महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आसपास के 12 मकान ढह गए। जबकि कई मकानों की खिड़की-दरवाजे टूट गए, देर रात तक मलबे में दबे लोगों को जेसीबी से तलाशा जा रहा था।

नेशनल हाईवे पर नौशहरा में चंद्रपाल के मकान को किराए पर लेकर भूरा खान ने पटाखों का गोदाम बनाया था। सोमवार देर रात साढ़े दस बजे पटाखों में किसी कारण आग लग गई। संभावना यह है कि पास में मजदूर खाना बना रहे थे जिससे उठी चिंगारी पटाखों तक पहुंच गई। पटाखों में आग लगने से तेज विस्फोट हुआ और आसपास के तीन मकानों की दीवारें गिर गईं। कई मकानों की दीवारों में दरार आ गई। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित एक मकान के अंदर लकड़ी के बेड बनाने वाले परिवार की मीरा देवी निवासी नौशहरा, संजना, दीपक और राकेश घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया जहां चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह एक अन्य की मौत हुई।

मरने वालों में मीरा देवी (52), अमन (20), गौतम (18) और 10 साल की एक लड़की है, जिसकी पहचान नहीं हो पाई है। जबकि अन्य घायलों का उपचार चल रहा है। घायल विष्णु और राकेश को फिरोजाबाद के जिला अस्पताल भेजा गया है। मौके पर डीएम रमेश रंजन, एसएसपी सौरभ दीक्षित, एसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया, पहुंच गए थे। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर राहत बचाव कार्य के लिए पहुंच गई थी।

घनी आबादी में गोदाम की कैसे मिली अनुमति?

मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि आखिर घनी आबादी के बीच पटाखे का गोदाम कैसे बना दिया। इसकी अनुमति भूरे खां ने ली थी या फिर अवैध रूप से गोदाम संचालित किया जा रहा था। इसकी जांच करने की जरूरत है। दिवाली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए शिकोहाबाद ही नहीं बल्कि फिरोजाबाद में भी अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया जा रहा है। हादसों को रोकने के लिए इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

आतिशी को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर मायावती का केजरीवाल पर तंज

बताया राजनीतिक पैंतरेबाजी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे को लेकर हमला बोला है। उन्होंने इसे केजरीवाल की राजनीतिक पैंतरेबाजी बताते हुए कहा कि दिल्लीवासियों ने जो अनगिनत असुविधाएं और समस्याएं झेलीं हैं उसका हिसाब कौन देगा? बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के सीएम पद से अब इस्तीफा देना वास्तव में जनहित/जनकल्याण से दूर इनकी चुनावी चाल व राजनीतिक पैंतरेबाजी, किन्तु उनके लम्बे समय तक जेल में रहने के कारण दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं व समस्याएं झेलीं हैं उसका क्या? उसका हिसाब कौन देगा?"

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, "सत्ता व विपक्ष के बीच राजनीतिक लड़ाई शत्रुता स्तर तक कटू नहीं हो तो बेहतर ताकि उससे देश व जनहित प्रभावित ना हो। बीएसपी की यूपी सरकार को भी ऐसे दिन देखने पड़े जब केंद्र की कांग्रेसी सरकार ने जेवर एयरपोर्ट व गंगा एक्सप्रेस-वे पर भी रोड़े अटकाए और जनहित व विकास को बाधित किया।" बता दें कि मुख्यमंत्री आवास पर विधायक दल की बैठक में आतिशी को दिल्ली का नया सीएम बनाने का ऐलान किया गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव होने तक दिल्ली के सीएम पद की जिम्मेदारी आतिशी ही संभालेंगी। सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से ये फैसला लिया है।

बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में छात्राओं का हंगामा

गर्ल्स हॉस्टल के टॉयलेट गेट बंद नहीं होते, खाने में कीड़े मिलते हैं

झांसी, 17 सितंबर (एजेंसियां) झांसी की बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में सोमवार आधी रात को गर्ल्स हॉस्टल की छात्राओं ने हंगामा कर दिया। कुलपति आवास का घेराव करने जा रही छात्राओं को हॉस्टल के मेन गेट पर रोक लिया, तब छात्राएं गेट पर ही धरने पर बैठ गईं और नारेबाजी करने लगीं।

छात्राओं का आरोप है- हॉस्टल की बाथरुम के गेट बंद नहीं होते। मेस में बनने वाला खाना बहुत घटिया क्वालिटी का होता है। उसके अंदर कीड़े, सुपारी, कील निकलती है। हर रोज की स्थिति यही है। देर रात 2 बजे तक प्रदर्शन जारी रहा। छात्राएं कुलपति को मौके पर बुलाने और वार्डन अर्चना पांडेय को हटाने की मांग पर अड़ी रहीं। यूनिवर्सिटी प्रबंधन उनको समझाने का प्रयास करता रहा।

क्यों शुरू हुआ हंगामा

झलकारीबाई गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली एक छात्रा की रविवार रात 11 बजे अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीनियर छात्राओं ने यूनिवर्सिटी की एम्बुलेंस बुलाने का प्रयास किया, लेकिन एंबुलेंस नहीं आई। इसके बाद वार्डन को फोन लगाया तो कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में बीमार छात्रा को ऑटो से अस्पताल ले गए और उसका इलाज कराया। छात्राओं ने बताया कि वार्डन को फोन कई बार फोन किया गया था। उन्होंने दवा खाकर आराम करने की बात कही। यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी अगर कोई बीमार हो जाता था, तब भी एम्बुलेंस नहीं मिली। इससे आक्रोशित छात्राओं ने रात को ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। सुबह तक कोई नहीं आया। रात को मैस के खाने में कीड़े निकल आए तो छात्राओं का गुस्सा भड़क गया। छात्राएं एकत्र होकर कुलपति आवास ओर जाने लगीं। लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने मुख्य गेट को बंद कर दिया गया।

बैक लगाने की धमकी पर भड़की छात्राएं

छात्राओं के प्रदर्शन की सूचना पर परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर, चीफ प्रॉक्टर प्रो. आरके सैनी मौके पर पहुंचे। छात्राओं की समस्या पूछी और समाधान करने का भरोसा दिया। लेकिन छात्राओं ने उनकी एक सुनी। छात्राओं का कहना था कि वो काफी दिन से परेशानी झेल रही हैं।

जाली नोट का सरगना जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार

मोतिहारी, 17 सितंबर (एजेंसियां) मोतिहारी के बंजारिया थाना क्षेत्र से भारतीय जाली नोट के साथ पांच सितंबर को पुलिस ने इंडो-नेपाल बार्डर से दो तस्कर को गिरफ्तार किया था। जिसके मुख्य सरगना सरफराज को जम्मू कश्मीर से जांच एजेंसियों ने पकड़ा था, उसे मोतिहारी पुलिस चार दिन के रिमांड पर ले कर मोतिहारी पहुंची है। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जाली नोट के तस्करी में जुटे तस्कर जिनकी गिरफ्तारी हो चुकी है। उनसे तो पूछताछ चल रही है, वही दूसरी तरफ उसके साथ कौन कौन जुड़े है इसकी भी जांच की जा रही है। ताकि इस गिरोह को पूरी तरह खत्म किया जा सके। इसके साथ ही रिमांड पर जम्मू कश्मीर के लाए गए जाली नोट तस्करी के किंग पिन को मोतिहारी सिविल कोर्ट के सत्र न्यायाधीश के यहां पेश किया गया है। उसे सेन्ट्रल जेल भेज दिया गया। मोतिहारी पुलिस सरफराज के माध्यम से नेपाल से जाली नोट कश्मीर क्यों ले जा रहे थे, इसकी जांच करेगी।

जांच में पाकिस्तानी कनेक्शन आया सामने

बता दें कि मोतिहारी पुलिस ने नेपाल से रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत में जाली नोट के साथ प्रवेश करते हुए तीन तस्कर को एक लाख 95 हजार रुपए के साथ गिरफ्तार किया था। सभी की पहचान भागलपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर नजरे समशाद, भोजपुर वासिर और पटना के जाकिर हुसैन के रूप में हुई थी। भागलपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर नजरे समशाद ने बताया था कि वो नेपाल से जाली नोट लेकर जम्मू कश्मीर के सरफराज को यहां लेकर जा रहा था।

रात 12 बजे नीतीश ने मोदी को किया बर्थ-डे विश

आरजेडी बोली-ऐसा तो प्रेमी जोड़ा भी नहीं करता, पूछा- पोस्ट लिखकर बैठे थे क्या

पटना, 17 सितंबर (एजेंसियां)। आज पीएम मोदी का 74वां जन्मदिन है। देश विदेश से उन्हें बधाईयां मिल रही हैं। नीतीश कुमार ने 17 सितंबर की रात 12 बजे X पर पोस्ट कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने लिखा 'आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना है।' नीतीश कुमार के बर्थडे विश करने की टाइमिंग को लेकर आरजेडी ने तंज किया है। आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने सीएम की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लिखा 'इतनी शीघ्रता से अलार्म लगाकर बर्थडे विश करने कि तत्परता तो एक प्रेमी युगल भी नहीं करता है। मतलब 11 बजकर 59 मिनट पर लिखकर रख लिए थे, बारह बजे का अलार्म बजा कि पोस्ट पर दिया गया। काश इतनी तत्परता बिहार में हो रहे हत्या बलात्कार पर भी दिखा पाते। बेरोजगारी दिवस पर अपने बेरोजगारी का मुआयना पेश किया है, वाह मुख्यमंत्री जी वाह।' वहीं बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा है कि पीएम मोदी देश के दूसरे स्वामी विवेकानंद हैं। मोदी ने देश को गढ़ने का काम किया है।

छुट्टी के दिन बुलाया, क्लर्क ने ऑफिस में किया सुसाइड

मुरादाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां) मुरादाबाद में बिजली विभाग के क्लर्क की लाश एसडीओ ऑफिस में फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मामला बिलारी बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी कार्यालय का है। मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है। जल्द क्लर्क की बेटी की शादी होनी थी। वो लोन को लेकर परेशान थे।

बिजली विभाग के वरिष्ठ सहायक लिपिक धनपाल यादव (45) की तैनाती बिलारी में उपखंड अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में थी। नवंबर में उनकी बेटी की शादी होनी है। धनपाल बेटी की शादी की तैयारियों में जुटे थे। हालांकि तीन दिन के अवकाश की वजह से वो घर पर थे। परिवार वालों का आरोप है कि अधिकारियों ने विभागीय काम के लिए उन्हें दफ्तर आने को कहा था। अधिकारियों का फोन आने के बाद धनपाल यादव ऑफिस पहुंचे थे। इसके बाद उनका शव एसडीओ ऑफिस में पंखे पर लटका मिला। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता ग्रामीण राकेश मोहन ने दैनिक भास्कर से कहा- मंगलवार सुबह करीब 9 बजे बिलारी कार्यालय में महिला सफाई कर्मी पहुंची तो गेट खुला था। अंदर गई तो लिपिक की लाश फंदे पर लटकी थी। महिला सफाईकर्मी ने तुरंत विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी।

ताजमहल में जलाभिषेक और पूजा की मांग

कोर्ट में योगी यूथ ब्रिगेड की जीत, दूसरे पक्ष को बड़ा झटका

आगरा, 17 सितंबर (एजेंसियां) ताजमहल के तेजोमहालय होने का दावा करते हुए सावन में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और पूजा की मांग पर अब अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। अदालत ने योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर की ओर से दायर वाद में सोमवार को अहम आदेश दिया। प्रतिवादी एएसआई के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. राजकुमार पटेल के अधिवक्ता की ओर से वाद को खारिज करने की अपील अस्वीकार कर दी। इस मामले में लघुवाद न्यायालय में न्यायाधीश मृत्युंजय श्रीवास्तव की अदालत में 13 सितंबर को सुनवाई हुई थी। प्रतिवादी एएसआई के अधिवक्ता ने न्यायालय में आपत्ति दाखिल की थी। कहा कि एएसआई के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. राजकुमार पटेल सरकारी अधिकारी हैं, जिन पर मुकदमा नहीं चल सकता। इसलिए वाद को खारिज किया जाए। यूनियन ऑफ इंडिया को प्रतिवादी बनाया जाए। वादी के अधिवक्ता ने कहा कि धारा 80 सीआरपीसी का नोटिस देकर सरकारी अधिकारी पर मुकदमा हो सकता है। वादी के अधिवक्ता ने यूनियन ऑफ इंडिया को प्रतिवादी बनाने पर सहमति जताई। अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रखा था। सोमवार को कोर्ट ने आदेश जारी किया। प्रतिवादी की ओर से वाद खारिज करने की अपील को स्वीकार नहीं किया। वहीं वादी के अधिवक्ता को यूनियन ऑफ इंडिया के जरिए सचिव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार को पक्षकार बनाने का आदेश दिया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के पिता का दिल्ली में देहांत

अमरोहा, 17 सितंबर (एजेंसियां) अमरोहा जिले के हसनपुर के मोहल्ला महल के रहने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार अग्रवाल के पिता विश्वेश्वर दयाल अग्रवाल का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। इन दिनों वह दिल्ली स्थित आवास पर ही रह रहे थे। उनका पार्थिव शरीर हसनपुर लाया जा रहा है। ब्रजघाट में अंतिम संस्कार किया जाएगा। हसनपुर के मोहल्ला महल निवासी 90 वर्षीय विश्वेश्वर दयाल अग्रवाल हसनपुर तहसील बार एसोसिएशन संस्थापक सदस्य रहे हैं। वह कई बार तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं।

पप्पू यादव के पिता का निधन, पटना एम्स में ली अंतिम सांस

पटना, 17 सितंबर (एजेंसियां) पूर्णिया लोकससभा सीट से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के पिता चंद्र नारायण यादव (83) का निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। कुछ दिन पहले तबीयत बिगड़ी थी तो उन्हें पूर्णिया के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स में भर्ती करवाया गया। करीब नौ दिन इलाज के बाद मंगलवार सुबह करीब छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। चंद्र नारायण यादव पिछले दो साल से बीमार चल रहे। उनका चलना फिरना भी बंद हो गया था। अपने पिता के निधन के बाद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। लिखा कि मेरी दुनिया उजड़ गई! मेरे सृजनकर्ता, आदर्श, मेरे विचारकेंद्र, मेरे प्रेरणा स्रोत, मेरे पथ प्रदर्शक, मेरी शक्ति के उत्स पिताजी नहीं रहे! पापा आपके बिना मैं कुछ नहीं! इधर, सांसद के भावुक पोस्ट के बाद पटना एम्स में उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी है। सोशल मीडिया पर पटना एम्स से तस्वीर साझा करते हुए पप्पू यादव ने लिखा कि पापा नहीं रहे...।

वीटीआर में तेंदुए की मौत से हड़कंप

बगहा, 17 सितंबर (एजेंसियां) वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल में तेंदुआ की मौत मामले की जांच शुरू हो गई है। वन संरक्षक डॉ नेशामणि के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम की देखरेख में तेंदुआ का पोस्टमार्टम कराया गया। एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचकर पगमार्क के साथ ही तमाम बिंदुओं पर जांच कर रहे हैं। वन संरक्षक के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना के कारणों का असली खुलासा हो पाएगा। वन संरक्षक डॉक्टर नेशा मनी के ने बताया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में एक तेंदुआ की मौत हो गई है। जंगल के बाहरी छोर पर गश्ती के दौरान मरा हुआ तेंदुआ पाया गया। तेंदुआ तीन दिन पहले का मरा हुआ बताया गया है। तेंदुवे का शव जिस जगह पर मृत मिला है, वह वन विभाग के रेंज कार्यालय से 100 कदम दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र टाइगर रिजर्व और गांव से सटा हुआ है। ऐसे में मृत तेंदुए का तीन दिन के बाद पता चलना वन विभाग के गश्ती पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है।

बिहार में गंगा, सोन समेत कई नदियां उफान पर

बाढ़ के खतरे से डरे लोग-जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना, 17 सितंबर (एजेंसियां) हाल के दिनों में नेपाल और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण गंगा, सोन, पुनपुन, दरधा घाघरा और कमला बलान समेत कई नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। गंगा, पुनपुन और दरधा नदी का जलस्तर में लाल निशान के पार हो चुका है। इस कारण इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ गया। पटना, बक्सर, भागलपुर समेत कई इलाकों के नदियों के जलस्तर बढ़ने से कटाव भी तेज हो गया है। गया के तीन गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। इतना ही नहीं भागलपुर और आरा में भवन नदी में समा गए। जल संसाधन विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है।

पटना के इन इलाकों में लोग परेशान

पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है।

महावीर घाट के निकट पाथ वे पर गंगा का पानी आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं गायघाट से लेकर कंगन घाट तक राहगीर परेशान हैं। इतना ही नहीं फतुहा के पास पुनपुन नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। दरधा नदी कोल्हाचक के पास खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इधर, इंद्रपुरी बराज से सोन नदी में 5, 45,800 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। प्रशासन से निचले इलाके में रहने वाले लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद समेत आसपास के जिलों में वज्रपात और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की मानें तो इन इलाकों में अगले एक से तीन घंटे के बीच हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। यहां हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन इलाकों में वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया है।

लखनऊ में विधायक आवास में युवक की लाश मिली

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां) लखनऊ में विधायक आवास परिसर में मंगलवार सुबह युवक की लाश मिली। शव पर जगह-जगह चोट के निशान हैं। ऐसे में हत्या किए जाने की आशंका है। शहर के वीवीआईपी इलाके में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। तुरंत पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए। घटना हुसैनगंज स्थित विधायक आवास (ओसीआर) बिल्डिंग परिसर की है। युवक की शिनाख्त नहीं हुई है। शव विधायक परिसर में आवास में जाने वाली सीढ़ी के पास मिला है। मृतक की उम्र 25 से 30 साल के बीच बताई जा रही है। बरमूडा और टी-शर्ट पहने हुए था। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 5.30 बजे विधायक आवास कैंपस में लाश मिलने की सूचना मिली। पुलिस तुरंत उसे अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दो चाचा पर भतीजी की हत्या का आरोप

गोपालगंज, 17 सितंबर (एजेंसियां) गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के छोटकी अमेया गांव में इंटर की छात्रा रिया की हुई मौत के मामले में एक नया मोड़ सामने आ गया जब रिया की मां ने अपने दो देवर पर ही रिया की हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। दरअसल, गोपालगंज जिले के कटेया थाना क्षेत्र के छोटकी अमेया गांव निवासी रिया का शव फंदे से लटका हुआ मिला था। पहले दिन आत्महत्या की आशंका जताई जा रही थी। अब उसकी मां ने थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि रिया के बड़े पापा और चाचा ने उसकी हत्या की है।

हरियाणा चुनाव में खाप पॉलिटिक्स

निर्दलीय उम्मीदवार से पूर्व सीएम चौटाला को हरवाया

इस बार 4 उम्मीदवार उतारे

रेवाड़ी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में खाप पॉलिटिक्स की चर्चा तेज है। इसका कारण खापों के 4 बड़े चेहरे चुनावी मैदान में होना है। खाप पॉलिटिक्स की चर्चा इसलिए भी अहम है कि राज्य में खापों का सामाजिक से लेकर राजनीतिक फैसलों में गहरा नाता रहा है। चाहे बात किसान आंदोलन की हो या फिर खिलाड़ियों के विरोध-प्रदर्शन की। इन दोनों ही घटनाक्रम में खापों ने अहम रोल निभाया था। ऐसे में इस बार खाप से जुड़े बड़े चेहरे चुनावी रण में उतरकर अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

अहलावत खाप से जुड़ीं सोनू अहलावत को आम आदमी पार्टी (आप) ने झज्जर की बेरी सीट से टिकट दी है। वहीं, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के खिलाफ उचाना कलां सीट पर 66 गांवों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद खाप ने आजाद पालवा को उतारा है। इसी तरह बेरी सीट पर ही अहलावत खाप से जुड़े अमित अहलावत भी निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। साथ ही 360 महरौली के प्रमुख गोवर्धन सिंह भी इसी सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

बेरी में कांग्रेस-बीजेपी दोनों के लिए खतरा

बेरी सीट पर कुल वोटर्स की संख्या 1,82,798 है। जाट बाहुल्य इस सीट पर कांग्रेस ने कद्दावर नेता और 6 बार के विधायक रघुबीर कादियान को फिर से चुनाव मैदान में उतारा हैं। वहीं बीजेपी ने संजय कबलाना के रूप में नया चेहरा दिया है। जेजेपी ने इस सीट पर सुनील दुजाना को टिकट दी हैं। तीनों ही नेता जाट हैं। वहीं खाप की तरफ से ताल्लुक रखने वाले अमित अहलावत, आप कैंडिडेट सोनू अहलावत और गोवर्धन सिंह भी जाट ही हैं। यहां बीजेपी और कांग्रेस में सीधा मुकाबला माना जा रहा है, लेकिन खाप उम्मीदवारों के आने से कांग्रेस के लिए कुछ मुश्किल हो सकती है।

2014 में कांग्रेस को दिया था समर्थन

हरियाणा की राजनीति में खाप और डेरे का फैक्टर हमेशा से हावी रहा है। 2014 से पहले डेरे और खाप के समर्थन को एक तरह से जीत की गारंटी माना जाता था, लेकिन 2014 में कई बड़े चेहरों की हार के बाद सवाल भी खड़े होने लगे। उस वक्त खापों ने कांग्रेस का समर्थन किया था, लेकिन राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं बन पाई। इतना ही नहीं उस वक्त गठवाला के चौधरी बलजीत सिंह और खाप से जुड़ीं संतोष दहिया चुनाव हार गईं थीं। हालांकि 2019 के चुनाव में खाप का राज्य में बड़ा असर देखने को मिला। चरखी-दादरी सीट से सांगवान खाप के प्रमुख सोमबीर सांगवान ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा और भाजपा उम्मीदवार दंगल गर्ल बबीता फोगाट को हरा दिया था। जून महीने में हुए लोकसभा चुनाव में भी खाप का असर देखने को मिला। 2019 में राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने वाली बीजेपी इस बार 5 सीटों पर आकर सिमट गई।

बीजेपी की पांच सीटों पर हुई हार के पीछे भी खाप फैक्टर को ही माना गया। क्योंकि खापों ने बीजेपी उम्मीदवारों को हराने का लोकसभा चुनाव में ऐलान किया था। हरियाणा में ज्यादातर खापें जाट समाज से जुड़े हुई हैं और जाटों की बीजेपी से पहले ही नाराजगी बनी हुई थी। जातीय गोलबंदी की तरह काम करने वाली खापों का सियासी रसूख हरियाणा में बड़ा रहा है। कई बार इनके फैसलों के आगे सरकारें तक झुकने को मजबूर हुईं।

भाजपा कश्मीर मसला हल करे तो उनके साथ भी काम करने को तैयार

> खास बातचीत में बोले इंजीनियर रशीद

श्रीनगर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले पांच साल तिहाड़ जेल में काटने वाले इंजीनियर रशीद कश्मीर की बारामुला सीट से सांसद हैं। वे तब बेहद मशहूर हुए, जब तिहाड़ में रहते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लोकसभा चुनाव में दो लाख वोटों से हरा दिया। उन्हें दो अक्तूबर तक के लिए जमानत मिली है। वह कश्मीर के हर ओर-छोर को अपनी सियासत और तकरीरों से पाटने निकले हैं।

दिन में 30-30 मीटिंग, रैलियां, जलसे कर रहे हैं। विरोधी पार्टियों और कश्मीरी नेताओं को जमकर कोस रहे हैं। एजेंट रशीद के नाम से बदनाम हो रहे हैं। उमर अब्दुल्ला उन्हें दिल्ली का वोटकटवा और महबूबा मुफ्ती भाजपा का प्रॉक्सी कह चुकी हैं। रशीद ने शायद पहली बार कुबूल किया, अगर भाजपा भी कहती है कि हम कश्मीर का मसला हल करेंगे, तो मैं उनके साथ भी काम करने को तैयार हूं। कमाल है। अबरार ने 20 दिन में किया, तो मैं उसका बाप हूं। मुझे तो कुछ करने की जरूरत ही नहीं है। मेरे लिए हमाम में सारे नंगे हैं। कांग्रेस ने कश्मीर पर जितना जुल्म किया, उतना बीजेपी ने भी अभी तक नहीं किया होगा। पहले सारा कुछ कांग्रेस ने छीन लिया। फिर थोड़ा जो बचा खुचा था, मोदी जी ने इतना किया कि जो लाश पड़ी थी, उसको दफन किया। वरना उसको तो पहले ही कत्ल किया हुआ था। चाहे प्राइम मिनिस्टर था, प्रेसिडेंट था, आईएएस-आईपीएस की एंट्री थी, या हमारा परमिट सिस्टम था और सबसे बड़ी बात कश्मीर मसले का प्रमुख सिद्धांत, उसे तो कांग्रेस ने ही दरबदर किया। अफजल गुरु को फांसी कांग्रेस ने दी। बचा खुचा मोदी जी ने किया।'

सीएम सुक्खू बोले-भाजपा ने गुमराह किया पीएम को

> केंद्र नहीं दे रहा 23,000 करोड़

शिमला, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार के पास राज्य की 23,000 करोड़ रुपये की धनराशि लंबित है, जिसे नहीं दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के भाजपा नेतृत्व ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुमराह किया है। प्रधानमंत्री के लिए सभी राज्य समान हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान कोषागार कभी भी ओवरड्राफ्ट नहीं हुआ है। इससे संबंधित तथ्य आरबीआई और केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से सत्यापित किए जा सकते हैं।

मीडिया को जारी बयान में मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि 23 हजार करोड़ रुपये में 9,300 करोड़ रुपये पिछले साल आई प्राकृतिक आपदा के बाद आवश्यकता आकलन से संबंधित हैं, जो अभी तक जारी नहीं हुए हैं। केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ही 8,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। प्रदेश को कुछ नहीं दिया। नई पेंशन योजना के 9,300 करोड़ रुपये केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। भाखड़ा बांध प्रबंधन बोर्ड के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हिमाचल प्रदेश के हक में दिए फैसले के बावजूद 4,500 करोड़ भी राज्य को अभी तक नहीं मिले हैं। यदि केंद्र लंबित राशि जारी कर दे तो हिमाचल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को शीघ्र हासिल करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने बोर्डों और निगमों में केवल 14 अध्यक्षों और उपाध्यक्षों की नियुक्ति की है, जबकि जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकार के दौरान इस प्रकार की 56 नियुक्तियां की गई थीं। सुक्खू ने कहा कि विभिन्न बोर्डों-निगमों के कर्मचारियों, पेंशनभागियों को महीने की पहली तारीख को वेतन और पेंशन की अदायगी की जा रही है। वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने नकदी प्रवाह असंतुलन को ठीक करने का निर्णय लिया है। सरकारी विभागों के कर्मियों को महीने की 5 तारीख को वेतन मिल रहा है। इससे ऋण के ब्याज में प्रति माह 3 करोड़ की बचत हो रही है। किसी भी कर्मचारी का वेतन भुगतान नहीं रुका है। सरकार ने 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल की है और पात्र महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 1031 उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि 5 अक्तूबर को हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटो पर होने वाले आम चुनाव के लिए 1559 उम्मीदवारों ने 1746 नामांकन पत्र भरे थे। इनमें से जांच के दौरान 1221 प्रत्याशियों की उम्मीदवारी सही पाई व 338 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिए गए। पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार 5 सितम्बर से 12 सितम्बर तक नामांकन पत्र भर सकते थे। 13 सितम्बर को नामांकन पत्रों की जांच की गई और 16 सितम्बर, 2024 तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापिस ले सकते थे।

'बीजेपी नेता के घर हमले के संदिग्धों की पहचान में सहयोग करें'

थाडौ समुदाय ने कुकी नेताओं को लिखा पत्र

इंफाल, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में पिछले महीने दो बार भाजपा प्रवक्ता टी माइकल लामजाथांग हाओकिप के घर पर हुए हमले को लेकर थाडौ स्टूडेंट्स एसोसिएशन (टीएसए-जीएचक्यू) ने कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) के प्रमुखों को पत्र लिखा है। पत्र में थाडौ समुदाय ने हमला करने वाले संदिग्धों की पहचान करने में सहयोग मांगा है।

टीएसए के प्रवक्ता विक्की थाडौ ने केएनओ अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को संबोधित पत्र में कहा है कि भाजपा प्रवक्ता हाओकिप के माता-पिता पेनियल गांव में अपने पैतृक घर में रहते हैं। उनका घर केएनओ के परिचालन क्षेत्र में आता है। जहां पर केएनओ के पांच घटक केएनए, केएनएफएमसी, केएनएफ-एस, केएनएफ-जेड और केएलए का प्रभुत्व है। थाडौ ने कहा, 'हम हमलों के लिए केएनओ और स्थानीय नागरिक संगठनों को नैतिक रूप से जिम्मेदार मानते हैं।'

कुकी संगठनों ने थाडौ समुदाय के आरोपों का खंडन किया

वहीं, कुकी नेशनल फ्रंट (सैमुअल) और केएनएफ (एस) ने टीएसए के आरोप का खंडन किया है। साथ ही लोगों से आग्रह किया है कि वे 'इस गलत सूचना और आरोप से दूर रहें।' केएनएफ (एस) ने जारी बयान में कहा, 'संगठन यह स्पष्ट करने के लिए बाध्य है कि परिचालन निलंबन समझौता (एसओओ) पर हस्ताक्षर करने के बाद से वह किसी भी हिंसक कृत्य में शामिल नहीं है। उसे भाजपा प्रवक्ता के घर पर हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसके अलावा, घटना का स्थान केएनएफ (एस) के परिचालन क्षेत्र के भीतर नहीं है। इसलिए, यह स्पष्ट आरोप कि घटना संगठन के संचालन क्षेत्र के भीतर हुई थी। यह केएनएफ (एस) की छवि और प्रतिष्ठा को धूमिल करने के अलावा और कुछ नहीं है।'

भाजपा नेता के घर पर आखिरी बार 31 अगस्त को हुआ हमला

बता दें कि भाजपा प्रवक्ता हाओकिप के घर में आखिरी बार 31 अगस्त को तोड़फोड़ की गई थी। मई 2023 में मैतेई-कुकी जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से उनके घर पर हुए तीसरे हमले में आग लगा दी गई थी। इससे पहले, 25 अगस्त को दो दर्जन से अधिक हथियारबंद लोगों ने हाओकिप के पैतृक घर पर हमला कर तोड़फोड़ की, जहां पर उनके माता-पिता और हिंसा से विस्थापित चार परिवार रहते हैं। इस दौरान हमलावरों ने हवा में गोलियां भी चलाई थीं।

मणिपुर में उग्रवादियों ने मंत्री के घर पर किया ग्रेनेड हमला

मणिपुर में चल रहे संघर्ष के बीच उग्रवादियों ने राज्य सरकार के मंत्री काशिम वाशुम के घर पर ग्रेनेड से हमला किया।

राज्यपाल ने मुख्य सूचना आयुक्त विजय यादव एवं तीन सूचना आयुक्तों को दिलाई शपथ

भोपाल, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने पूर्व आईपीएस अधिकारी विजय यादव को मंगलवार को मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ग्रहण कराई। साथ ही उमाशंकर पचौरी (शिक्षाविद), वंदना गांधी (समाजसेवी) और ओमकार नाथ (सेवानिवृत्त जज) ने भी शपथ ली। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बता दें प्रदेश में 10 सूचना आयुक्त के पद स्वीकृत है। इसमें से अभी सात पद रिक्त है। हालांकि यह पद कभी पूरे नहीं भरे गए। प्रदेश में मार्च 2024 से सूचना आयुक्त के पद रिक्त थे। अब इन पर तीन सूचना आयुक्तों को शपथ दिलाई गई है। इसके चलते सूचना के अधिकार के तहत जानकारी नहीं देने के बाद हजारा याचिका लंबित है। मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के रिक्त पदों को भरने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसके बाद 10 सितंबर को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित समिति ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के लिए आए आवेदनों पर चर्चा की और मुख्य सूचना आयुक्त और तीन सूचना आयुक्त का चयन किया।

वक्फ संशोधन बिल : लोगों की राय जानने के लिए देशभर का दौरा करेगी जेपीसी

19-20 सितंबर को होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति जेपीसी लोगों की राय जानने के लिए देश के सभी प्रमुख शहरों का दौरा करेगी। दौरे का सिलसिला समिति की 19 और 20 सितंबर को होने वाली पांचवीं और छठी बैठक के बाद शुरू होगा। समिति को अब तक ईमेल के जरिए 84 लाख और 70 बक्सों में लाखों लोगों के लिखित सुझाव हासिल हुए हैं। समिति जल्द ही हासिल किए गए सुझावों का अध्ययन शुरू करेगी।

समिति के सूत्रों ने बताया कि ईमेल और लिखित में सुझाव देने के लिए सोमवार आखिरी दिन था। समिति को ईमेल और लिखित के रूप में करीब एक करोड़ सुझाव मिले हैं। सबसे अधिक सुझाव उत्तर प्रदेश से मिले हैं। समिति ने लोगों का सुझाव हासिल करने के लिए देशव्यापी दौरा करने का निर्णय लिया है। इस क्रम में समिति ने लखनऊ, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, बंगलुरू, पटना, अहमदाबाद सहित कुछ अन्य अहम शहरों का चयन किया है। दौरे का सिलसिला छठी बैठक के बाद शुरू होगा। इन दौरों में समिति इस मामले से जुड़े सभी प्रमुख हितधारकों से संपर्क कर उनकी राय जानेगी।

19 व 20 को होने वाली बैठक बेहद अहम

समिति की 19 और 20 सितंबर को होने वाली 5वीं और 6ठी बैठक बेहद अहम है। 5वीं बैठक में समिति ने पसमांदा मुस्लिम महाज, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रमुख लोगों के साथ ही पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो फैजान मुस्तफा को आमंत्रित किया है। 6ठी बैठक में इंडिया सज्जदानशीन काउंसिल अजमेर के प्रमुख चिश्तियों, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रमुख लोगों और भारत फर्स्ट संगठन के लोगों को बुलाया गया है। इन दोनों बैठकों में समिति विधेयक के संदर्भ में सभी पक्षों की चिंताओं और सुझावों पर बात करेगी।

ममता बनर्जी इस्तीफा दें, इससे कम हमें कुछ मंजूर नहीं : सुकांत मजूमदार

कोलकाता, 17 सितंबर (एजेंसियां)। आरजी कर अस्पताल रेप मर्डर मामले में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच सीएम ममता बनर्जी ने जूनियर डॉक्टरों की मांगों को मान लिया है। सीएम ने पांच में से तीन मांगें मान लेने का ऐलान किया। इस बीच केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने सीएम के तरीके पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा मांगा है। डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि, पहले वह कह रही थी कि वह सीपी को नहीं हटाएगी। बंगाल के लोग मांग कर रहे थे कि कार्रवाई की जाए। बंगाल के चप्पे -चप्पे में आंदोलन चल रहा था बंगाल की जनता मांग कर रही थी की एक्शन लिया जाए। बंगाल की जनता इस मुख्यमंत्री के ऊपर पूरा विश्वास खो चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा जानती है कि यह सरकार की विफलता है और अगर इसके लिए किसी को जिम्मेदारी जाती है, तो वह न तो कोई पुलिस अधिकारी है और न ही कोई और, मुख्य आरोपी ममता बनर्जी हैं। सबूत को मिटाने में पुलिस-प्रशासन का पूरा हाथ लगता है। और विनीत गोयल और डीसी नॉर्थ को आप हटा देंगे और लोग बच जाएंगे। ऐसा नहीं चलेगा? इनको सजा मिलनी है। अगर इन्होंने सबूतों के साथ छेड़छाड़ की है तो सजा मिलनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की मांग है कि सीएम ममता बनर्जी को इस्तीफा देना चाहिए। इससे कम हमें कुछ मंजूर नहीं है। आरजी कर अस्पताल रेप मर्डर मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा एक्शन लेते हुए कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल और डिप्टी कमिश्नर (नॉर्थ) समेत चार अफसरों को हटाने का ऐलान किया है।

कृषि नीति का ड्राफ्ट जारी एमएसपी को कानूनी गारंटी

छोटे किसान-मजदूरों को पेंशन की सिफारिश

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने अपनी बहुप्रतीक्षित कृषि नीति का ड्राफ्ट सोमवार देर रात जारी कर दिया। कृषि विभाग ने इस ड्राफ्ट को प्रदेश के विभिन्न किसान संगठनों के साथ साझा किया गया है और उनके सुझाव भी मांगे हैं। किसानों के सुझावों को शामिल करने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। नीति के ड्राफ्ट में राज्य में होने वाले सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और पांच एकड़ के कम जमीन वाले किसानों-मजदूरों के लिए पेंशन की सिफारिश की गई है। पेंशन के लिए 60 साल की आयु के बाद पेंशन प्लान तैयार करने की बात कही गई है। छोटे किसानों के लिए कर्ज माफी की योजना तैयार करने की बात भी ड्राफ्ट में शामिल की गई है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को और बेहतर करने की बात भी की गई है। इसमें कहा गया है कि पंजाब सरकार को इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाना चाहिए। इसी तरह जैविक खेती व विविधीकरण को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि किसानों ने इस महीने की शुरुआत में कृषि नीति लागू करने समेत कई मांगों को लेकर चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उनके साथ बैठक कर 30 सितंबर तक कृषि नीति का ड्राफ्ट जारी करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद ही किसानों ने मोर्चा हटाया था।

महिलाओं को जमीन का मालिकाना हक देने का विकल्प

नीति के ड्राफ्ट में कहा गया है कि महिलाओं को जमीन का मालिकाना हक देने के विकल्प भी तलाशना चाहिए। गांव की सामान्य भूमि को लीज पर देते समय छोटी कृषि गतिविधियों में जुड़ीं महिलाओं को इसमें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वहीं, पानी में बिजली की बचत करने वाले किसानों को विशेष छूट देने के लिए पानी बचाओ पैसा कमाओ स्कीम लाने की भी सिफारिश की गई है।

वैश्य समाज में सरकार के प्रति नाराजगी विकास कार्यों में देरी पर उठाए सवाल

हिसार, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हिसार के अग्रोहा धाम में वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की एक अहम बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक का उद्देश्य आगामी भव्य भजन समारोह, छप्पन भोग और भंडारे के कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देना था। इस दौरान विभिन्न कार्यों के लिए ड्यूटियों का भी निर्धारण किया गया। बैठक में बजरंग गर्ग ने सरकार द्वारा किए गए वादों को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अग्रोहा टीलों की खुदाई का शुभारंभ किए हुए 6 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि वैश्य समाज में इस देरी को लेकर भारी असंतोष है, क्योंकि सरकार ने अग्रोहा के विकास में अभी तक एक भी ईंट नहीं लगाई है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार ने अग्रोहा को तहसील बनाने और इसे रेलवे लाइन से जोड़ने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक इन घोषणाओं पर अमल नहीं किया गया है। इसके बावजूद, समाज के सहयोग से 20 करोड़ रुपये की लागत से महाराजा अग्रसेन के नाम पर दो संग्रहालय बनाए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीलों की खुदाई के दौरान मिलने वाले सामान को इन संग्रहालयों में रखा जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को महाराजा अग्रसेन की जीवनी और उनके सिद्धांतों की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि अगर सरकार इस कार्य में सहयोग करती है, तो यह देशभर से आने वाले लोगों के लिए प्रेरणादायक होगा, और वे महाराजा अग्रसेन के आदेशों पर चलकर समाज की सेवा में योगदान दे सकेंगे। बैठक में कई प्रमुख प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे, जिनमें नरेश अग्रवाल (यूपी), अंकित गर्ग (महाराष्ट्र), निर्मल अग्रवाल (कोलकाता), रमेश गुप्ता (दिल्ली), प्रेम बंसल (पंजाब), सतवीर गर्ग (राजस्थान), ऋषिराज गर्ग, अनंत अग्रवाल, पवन गर्ग और निरंजन गोयल शामिल थे।

बहबलकलां इंसाफ मोर्चा के नेता सुखराज सिंह दिल्ली तलब

एनआईए ने नोटिस भेजकर बुलाया, 19 को होगी पूछताछ-वजह साफ नहीं

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बहबलकलां इंसाफ मोर्चा के नेता सुखराज सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी एनआईए ने तलब किया है। उन्हें 19 सितंबर को दिल्ली में बुलाया गया है।

सुखराज सिंह ने मीडिया से बातचीत में नोटिस मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वह पूछताछ में शामिल होंगे। हालांकि उन्हें किस लिए बुलाया गया है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह इस मामले को पहले की तरह उठाते रहेंगे। कुछ दिन पहले एनआईए ने उनके करीबियों पर रेड की थी।

गिद्दड़बाहा से चुनाव लड़ने की तैयारी

बहबलकलां में 14 अक्टूबर 2015 को फरीदकोट जिले के बरगाड़ी में बेअदबी की घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में 2 सिख प्रदर्शनकारियों, सरवन गांव के गुरजीत सिंह और फरीदकोट जिले के नियामीवाला गांव के कृष्ण भगवान सिंह की मौत हो गई थी। कृष्ण भगवान सिंह का ही बेटा सुखराज सिंह है। उन्होंने भी गिद्दड़बाहा से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा था कि हम पिछले 9 सालों से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। मेरे पिता की हत्या शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान की गई थी, लेकिन 3 सरकारों ने न्याय नहीं दिलाया।

हम प्रदर्शन के जरिए नेताओं से सवाल पूछते रहे हैं, लेकिन जो भी सरकार में आता है, वह भागने की कोशिश करता है। अब मैं दूसरे नेताओं पर निर्भर रहने के बजाय सीधे विधानसभा में उनसे सवाल पूछना चाहता हूं। हम विधानसभा में उनके बीच आकर उनका मुकाबला करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 18 सितंबर- 2024

दिल्ली में अब आतिशी पारी

देश की राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के नाम की घोषणा होते ही राजनीति शुरू हो गई है लेकिन आतिशी ने पद संभालने से पहले ही प्रेस से बात कर बता दिया है कि वे आतिशी पारी खेलने वाली हैं। मंगलवार पार्टी मुखिया अरविंद केजरीवाल के आवास पर विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम पर मुहर लगी। केजरीवाल के अचानक इस्तीफे की घोषणा के बाद से ही आतिशा सा नाम संभावित दावेदारों में सबसे आगे था। वर्तमान समय में वह कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। दिल्ली के अगले सीएम के लिए कई और नामों पर चर्चा हो रही थी और कयास लगाए जा रहे थे लेकिन बाजी आतिशी के हाथ लगी। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि आखिर ऐसा क्या था जो आतिशी के पक्ष में गया। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और फिर पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की अलग-अलग मामलों में गिरफ्तारी के बाद आतिशी ने मार्च 2023 में मंत्री पद की शपथ ली। कालकाजी विधानसभा से जीतकर दिल्ली विधानसभा पहुंची आतिशी के सामने बड़ी चुनौती थी। जब केजरीवाल सरकार पर हमले तेज हो रहे थे तब आतिशी ने डट कर मोर्चा संभाला। कई सारे मंत्रालयों की जिम्मेदारी के साथ पार्टी का पक्ष भी दमदार तरीके से मीडिया के सामने रखती थीं। जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल गए तब कोई बड़ा नेता बाहर नहीं था, ऐसे में आतिशी ने मोर्चा संभाले में कोई कसर बाकी नहीं रखी थी। सरकार और पार्टी दोनों लेवल पर आगे बढ़कर नेतृत्व करती हुई नजर आईं। पार्टी के धुरंधर नेता सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल जब जेल में थे उस वक्त आतिशी पार्टी के एक प्रमुख चेहरे के तौर पर सामने नजर आती थीं। मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद उन्होंने बतौर शिक्षा मंत्री बेहतर काम किया। आप का जोर एजुकेशन पर रहता है और पार्टी इसका प्रचार भी जोर शोर से करती है। आतिशी ने वैसे ही काम किया जिससे लोगों को सिसोदिया के वर्किंग स्टाइल की झलक उनमें दिखी। जिस वक्त पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी उस वक्त आतिशी ने कोई गलती नहीं की और विश्वासपात्र बनकर पार्टी का पक्ष रखती नजर आईं। राजनीति में कब क्या हो जाए कुछ भी कहा नहीं जा सकता। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद यह कहा जा रहा था कि वह किसी विश्वासपात्र विधायक को ही इस कुर्सी पर बिठाएंगे। बिहार और झारखंड का उदाहरण दिया जा रहा था। इस दौरान चंपई सोरेन और जीतन राम मांझी के नाम का भी खूब जिक्र किया गया। हो भी क्यों नहीं क्योंकि कुर्सी का खेल ही ऐसा है। इन दोनों नेताओं को जब सीएम की कुर्सी छोड़नी पड़ी तब बागी हो गए। जब यह सवाल उठाए जा रहे थे तब इन सवालों के बीच अरविंद केजरीवाल ने आतिशी के नाम पर भरोसा जताया है। बता दें कि हालिया चुनावों में उन दलों को बढ़त हासिल हुई जिन पर महिला वोटर्स ने भरोसा जताया। महिला वोटरों की भूमिका बढ़ी है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित के बाद अब आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। केजरीवाल के इस फैसले से दिल्ली सहित पूरे देश में महिला वोटर्स के बीच भी एक शुभ संदेश जाना तय है।

बढ़ती महंगाई का विसर्जन कब होगा ?

अशोक भाटिया

इस समय देश में त्योहारों का सीजन चल रहा है । आज मंगलवार को विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी का विसर्जन तो हो गया अब जनता पूछ रही है कि बढ़ती महंगाई का विसर्जन कब होगा ? सरकार को सोचना चाहिए कि देश में त्योहार केवल अमीर लोग ही नहीं मनाते बल्कि गरीब से गरीब से लेकर हर व्यक्ति,हर परिवार और हर वर्ग मनाता है और हमारे देश में त्योहारों में विभिन्न प्रकार के व्यंजन और पूजा पाठ का भोग भी लगता है। ऐसे में बढ़ती महंगाई त्योहारों की रंगत फीकी कर देती है । त्योहारों की शुरुवात में ही खाद्य तेलों में तेज़ी आ गई है और सभी खाद्य तेल दस प्रतिशत की वृद्धि में आ गये है यानी जो तेल एक लीटर में 105 रुपये में थे वो अब सीधे 120 रुपये में हो गये है . गौरतलब है कि गत दिनों आर्थिक विकास के आंकड़ों ने आजादी के अमृतकाल को एक नई सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की थी । बताया जाता है कि अब भारत विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इंग्लैंड छठवें स्थान पर है। यकीनन, यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। अब हमसे आगे जर्मनी, जापान, चीन और अमेरिका ही रह गए हैं। यह बात भी सत्य है कि आर्थिक आंकड़े मात्र तुलनात्मक आधार का एक पक्ष प्रस्तुत करते हैं, उनसे संपूर्ण तस्वीर स्पष्ट नहीं होती है। इसे समझना होगा। इंग्लैंड भारत की आबादी के पांच प्रतिशत के बराबर है, यानी भारत की कुल आबादी इंग्लैंड से बीस गुना अधिक है। फिर भी यह भारत के पिछले 77 सालों के अथक प्रयासों का एक ऐतिहासिक क्षण है, जब हम अपने आप को विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार पाते हैं। आर्थिक आंकड़ों ने दूसरी खुशी तब प्रदान की जब चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के जीडीपी के आंकड़े सामने आए। यह दर इस दौरान 13.5 प्रतिशत रही हालांकि इस आंकड़े ने एक बहस को भी जन्म दिया। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के अनुमान के मुताबिक यह दर 16.2 प्रतिशत के आसपास होनी चाहिए थी। इसलिए कहा गया कि अब भी शायद भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी के बाद सुधार के वास्तविक मिजाज में नहीं आई है।

याद रहे कि पिछले दो वित्तवर्षों की पहली तिमाही में बहुत विकट स्थिति थी। 2020-21 की पहली तिमाही में तेईस प्रतिशत की नकारात्मक दर थी तो उसी में वर्ष जनवरी में शुरू हुई महामारी की तीसरी लहर का असर उस समय के जीडीपी के आंकड़ों पर देखा गया था। इस पक्ष में यह बात भी गौरतलब है कि यह आर्थिक आंकड़ा भी समाज के विकास की संपूर्ण तस्वीर नहीं प्रस्तुत कर रहा है क्योंकि बेरोजगारी तथा महंगाई के लगातार बढ़ते आंकड़े इस संदर्भ में एक नकारात्मक रुख बनाए हुए हैं। आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक समृद्धि की आधारशिला का मुख्य पक्ष चालू वित्तवर्ष बनेगा। शुरुआती दिनों में इस वर्ष के लिए कई वैश्विक एजेंसियों ने भारत की आर्थिक दर नौ प्रतिशत के आसपास अनुमानित की थी। बाद में रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते कच्चे तेल के बढ़े मूल्यों के कारण यह सात से आठ प्रतिशत के आसपास अनुमानित की गई। भारत के लिए चालू वित्तवर्ष इसलिए भी बहुत महत्त्वपूर्ण है कि इस दौरान लगातार देखा जा रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने यहां बढ़ती महंगाई की परेशानी से गुजर रहा है, जिसके कारण वहां आम आदमी इन दिनों अपनी क्रय क्षमता को नियंत्रण करने में लगा हुआ है। इन दिनों चीन के हालात भी बहुत अच्छे नहीं दिख रहे हैं। बहुत हद तक वहां आर्थिक मंदी की सुगबुगाहट है। चीन की अर्थव्यवस्था का आधार मुख्यतः निर्माण और विनिर्माण का क्षेत्र है। पिछले कुछ समय से देखा जा रहा था कि कोरोना महामारी का असर चीन के आर्थिक विकास पर अब भी दिख रहा है।

भारत इस समय आर्थिक विकास का मुख्य आधार तभी बन पाएगा जब आगामी तीन तिमाहियां अपनी बड़ी विकास दर लगातार बनाए रखें, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था औसतन आठ प्रतिशत के आसपास की विकास दर साल के अंत में प्राप्त कर सके। इन दिनों त्योहारों की धमक है। हर वर्ष अगस्त माह से इसकी शुरुआत होती है, जो दिसंबर के अंत तक रहती है। यानी वित्तवर्ष की दो तिमाहियां इस समय से संबंधित होती हैं और ये तिमाहियां अच्छा मुनाफा दर्ज कर सकती हैं, अगर इस दौरान प्रति व्यक्ति क्रय क्षमता और उपभोग क्षमता उच्चतम स्तर पर हो। यह त्योहारी सीजन हर वर्ष लगभग सभी कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि दर्ज कराता है, जिसमें मुख्यतः आटो, एफएमसीजी, इलेक्ट्रानिक्स, गारमेंट्स, मिठाइयां और सोना-चांदी की खरीदारी मुख्य है। पिछले दिनों सीएमआइई द्वारा किए गए उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता के सर्वे में पता चला कि जुलाई में भारतीय निवेशकों तथा उपभोक्ताओं ने अपनी क्रय क्षमता पर बहुत अधिक विश्वास जताया है तथा आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले चार महीनों में इस दौरान तकरीबन 6.7 प्रतिशत के आसपास की वृद्धि दर दर्ज की गई है, जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास वृद्धि के हिसाब से कोरोना महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में कायापलट कर देने वाले सूचक के रूप में देखा जा सकता।

पिछले पांच महीनों में यह वृद्धि दर मात्र फरवरी के महीने में आकर्षक थी, जब यह पांच प्रतिशत दर्ज हुई थी। उसके बाद तो यह 3.7 प्रतिशत मार्च में, 3 प्रतिशत अप्रैल में, 0.8 प्रतिशत मई में तथा मात्र एक प्रतिशत जून माह में दर्ज हुई। इस संदर्भ में रोचक तथ्य यह है कि जुलाई की इस वृद्धि दर का मुख्य सहारा ग्रामीण क्षेत्र से आया है, जो कि इस दौरान 7.3 प्रतिशत रहा, जबकि शहरी क्षेत्र में यह 4.8 प्रतिशत ही था।

इसका कारण स्पष्ट है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी की दर अधिक है तथा कोविड पश्चात की आर्थिक सबलता लोगों में अभी नहीं आई है, क्योंकि वार्षिक वेतन वृद्धि इस दौरान पांच से छह प्रतिशत के आसपास ही आंकी गई है। ग्रामीण क्षेत्र का अधिक सक्षम होना इस दौरान इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि सितंबर माह तक मानसून मध्य और दक्षिण भारत में अपनी गति को अच्छे ढंग से बनाए हुए है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कृषि क्षेत्र पर दिख रहा है। सरकार ने कृषि क्षेत्र हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मानसून पर आधारित खरीफ फसलों के लिए चार से आठ प्रतिशत तक बढ़ाया है। मनरेगा के आंकड़े भी ग्रामीण आर्थिक विकास स्थिति को अलग ढंग से स्पष्ट कर रहे हैं। चालू वित्तीय वर्ष के जुलाई माह में करीब 2.04 करोड़ ग्रामीण मनरेगा पर निर्भर थे जबकि उसके पिछले माह के दौरान यह आंकड़ा तकरीबन 3.16 करोड़ था। मानसून तथा अन्य रोजगार के अवसरों की उपलब्धता के कारण जुलाई माह तथा इसे आगे वाले समय में ग्रामीण व्यक्तियों की निर्भरता मनरेगा पर कम हुई है तथा उनके पास आर्थिक जीवन चक्र के लिए दूसरे संसाधन उपलब्ध हुए हैं जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक प्रगति का अच्छा आधार बना है। आर्थिक विकास दर में लगातार वृद्धि बनाए रखना भारत जैसे विकासशील देश के लिए बहत जरूरी है।

हम इसमें इतना आगे तक निकल आए हैं कि अब अपनी चाल में तेजी बनाए रखना एकमात्र विकल्प है। अन्यथा इसके कई विपरीत प्रभाव हैं, जिनके अंतर्गत विदेशी निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में बिकवाली भी है। अब आवश्यकता है कि महंगाई की दर को सरकार नियंत्रित करे, अन्यथा हो सकता है कि त्योहारों के मौसम में इसका विपरीत असर आम व्यक्ति की क्रय क्षमता पर देखने को मिले तथा जिसके परिणाम स्वरूप जीडीपी के आंकड़ों में भी कमी दर्ज हो। वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक पिछले तीन माह से कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य में उतनी अधिक तेजी नहीं देखी जा रही है जो कि रूस और यूक्रेन की समस्या शुरू होने के बाद फरवरी-मार्च के महीनों में थी। मगर भारतीय घरेलू बाजार में आज भी पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस के मूल्य उच्च स्तर पर हैं, जिसका विपरीत असर हर तरह की महंगाई पर देखने को मिल रहा है, जिसमें खाद्य पदार्थों से लेकर रसोई में उपयोग होने वाले समान तथा परिवहन की लागत मुख्य तौर से सम्मिलित हैं। अगर सरकार घरेलू स्तर पर महंगाई को विसर्जित करने की कोशिश करती है तो यह संभव है कि आने वाले त्योहारी दिनों में भारतीय उपभोक्ता की क्रय क्षमता अपने उच्चतम स्तर पर दर्ज होगी तथा आर्थिक विकास को एक नया बल मिलेगा।

ज़िंदगी में ऐसा मौक़ा नहीं आया कि डर गया हूँ

श्रवण गर्ग

मक़बूल फ़िदा हुसैन या एम एफ़ हुसैन साहब का आज जन्मदिन है। साल 1990-91 से लेकर 2003-2006 के बीच इंदौर, मुंबई और अहमदाबाद में उनके साथ बिताने के लिये मिले वक्त की एक फ़ेहरिस्त है। फ़ेहरिस्त इंदौर में अंग्रेज़ी दैनिक 'फ्री प्रेस जर्नल' के संपादन के दौरान उनके द्वारा घर और दफ़्तर को दी गई मुलाक़ातों, कई बार की चर्चाओं, फ़िल्म 'गजगामिनी' के रशेज़ मुंबई में उनके साथ देखने,' इंदौर में 'दै. भास्कर' में कार्यकाल के दौरान दफ़्तर के सामने की खुली जगह पर 'हुसैन की दीवार' बनाने के प्रस्ताव के सिलसिले में उनके द्वारा काग़ज़ पर खींची गईं लकीरों और अहमदाबाद में 'दिव्य भास्कर' के संपादन के समय हुई बातचीतों तक फैली हुई है। हुसैन साहब द्वारा इंदौर में बिताए गए प्रारम्भिक सालों का ठिकाना भी घर के नज़दीक और हमारे ही मोहल्ले उषागंज में था। उनके सबसे अज़ीज़ दोस्त मिट्ठूलाल अग्रवाल हमारे घर के नज़दीक ही रहते थे।मिट्ठूलाल जी का बेटा मेरा मित्र था।

मुझे आज भी याद है मैं हुसैन साहब को किस तरह मिट्ठूलालजी के घर लेकर गया था और वे परिवार के लोगों से अत्यंत आत्मीयता से मिले थे। एक निहायत ही शरीफ़ इंसान को उसकी शानदार पेंटिंग्स के लिए धर्म और संस्कृति के नाम पर किस तरह से प्रताड़ित कर देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, हुसैन साहब की ज़िंदगी के आख़िरी कुछ साल इसके गवाह हैं। इस कृत्य के लिए किसी ने कोई शर्मिंदगी महसूस नहीं की। वे एक शानदार पेंटर, हिंदू धर्म और दर्शन के ज्ञाता और एक नेकदिल धर्म-निरपेक्ष इंसान थे। अपनी हाल की एक टिप्पणी में मैंने

फ़ोटोग्राफ़र तनवीर फ़ारूक़ी द्वारा लिये गए चित्र में हुसैन साहब की बाईं ओर कलागुरु स्व. विष्णु चिंचालकर और बीच में खड़े हुए प्रसिद्ध पत्रकार स्व.शाहिद मिर्ज़ा

कहा था कि कोई पच्चीस साल पहले इंदौर में उनके साथ हुई लंबी बातचीत अभी अप्रकाशित है किसी दिन शेयर करूँगा। उनके जन्मदिन से बेहतर दिन और वर्तमान से ज़्यादा ख़राब सांप्रदायिक माहौल उसे शेयर करने के लिए नहीं हो सकता था। बातचीत को प्रश्नोत्तर के बजाय आलेख के रूप में दे रहा हूँ जिससे उस अद्भुत कलाकार के सोच की पूरी झलक मिल सके। उल्लेख किया जाना ज़रूरी है कि हुसैन साहब से चर्चा के दौरान नामी शायर स्व. राहत इंदौरी साहब के भाई स्व.आदिल क़ुरैशी(जो तब मेरे साथ 'दैनिक भास्कर' में सहयोगी थे) नोट्स लेने में मदद कर रहे थे। बातचीत लंबी है इसलिए आज उसका पहला भाग दे रहा हूँ। कल दूसरा भाग शेयर करूँगा :''मैं नास्तिक या मुनकिर यानि ईश्वर के अस्तित्व को नकारने वाला नहीं हूँ। हर वह चीज जिसमें सच्चाई हो, ख़ूबसूरती हो मैं उसे मानता हूँ। धर्म के बारे में विश्वास पर मुझसे जब सवाल किया जाता है मैं ई एम फोस्टर की बात दोहराता हूँ।उन्होंने कहा था : 'मैं भगवान पर विश्वास नहीं करता मगर हे भगवान मेरे इस अविश्वास को शक्ति देना।' ज़िंदगी जीने के लिए बहुत ज़्यादा व्यवस्थित तौर-तरीक़ों से मैं दूर रहता हूँ। मगर मैं बाग़ी नहीं हूँ। मेरे ख़यालात से जो लोग सहमत नहीं हैं मैं उनसे लड़ना नहीं चाहता बल्कि उनके साथ रहना चाहता हूँ। अच्छे और बुरे सभी तरह के लोग शुरू से ही दुनिया में रहे हैं। समुद्र मंथन में सिर्फ़ देवताओं से काम नहीं चल सकता था। उसमें दानवों की भी ज़रूरत थी। इंसान से इंसान का जो ताल्लुक़ होता है उससे भी ज़्यादा गहरा ताल्लुक़ इंसान का ज़मीन से होता है ! फ़ैज़ के लफ़्ज़ों में कहें तो 'जिलावतन' होने पर वतन से दूरी का अहसास हुआ। मुल्क में मेरे ख़िलाफ़ जब नाराज़गी का माहौल था तब मुझे भी डर लगने लगा था कि मैं कभी भारत लौट पाऊँगा कि नहीं ! उस वक्त मैं लंदन में था। कुछ लोगों ने कहा था जब तक मैं माफ़ी नहीं माँग लूँ, मुझे भारत की ज़मीन पर पैर नहीं रखने दिया जाएगा ! अपनी सफ़ाई में मैंने कहा था मैंने जो कुछ किया है अपने विवेक से किया है, प्रेमपूर्वक किया हैं ! अगर इस प्रक्रिया में किसी को ठेस पहुँची हो तो मुझे अफ़सोस है।ज़िंदगी में ऐसा कोई मौक़ा नहीं आया जब मैं डर गया हूँ। दक्षिण भारत के एक मौनव्रत धारण किए साधु मुझे दस साल से देख रहे थे।

उन्होंने मुझे अपने आश्रम में रहने के लिए प्रस्ताव दिया। मैं उनकी इज्जत करता था मगर ऐसा कभी सोचा नहीं था कि उनके आश्रम में रहने जाऊँ। क्योंकि मैं जब पेंटिंग करता हूँ तो भी बहुत एकाग्रता की ज़रूरत होती है। यह ध्यान की तरह ही है। हज़ारों लोग भी उस वक्त आसपास हों तो लगता नहीं कि कोई आसपास है।अगर आप बीस कैनवास भी रख दें तो मुझे सोचना नहीं पड़ेगा कि क्या बनाऊँ ! मुझे लगता है कि अभी तक जो कुछ भी मैंने दिया है ,जो कुछ भी बाहर निकला है वह सिर्फ़ एक प्रतिशत है। अभी 99 प्रतिशत बाहर आना बाक़ी है !''

http://shravangarg1717.blogspot.com

राजनीतिक फायदों के लिए बढ़ती हिरासतें

प्रियंका सौरभ

भारतीय न्यायपालिका को विशेष रूप से राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में स्वतंत्रता बनाए रखने का काम सौंपा गया है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हाल के फैसले, जैसे कि अरविंद केजरीवाल उत्पाद शुल्क नीति मामला और बिलकिस बानो मामला, इन तनावों को उजागर करते हैं। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां एजेंसियां राजनीतिक विरोधियों को ही नहीं, बल्कि पत्रकारों, छात्रों और अकादमिक जगत से जुड़े उन लोगों को भी निशाना बनाती हैं, जो सरकार एवं उसकी नीतियों की आलोचना करते हैं। यह सिलसिला खासतौर से चुनावों के आसपास शुरू होता है। यह और विकट चिंता का विषय है कि असहमति की ऐसी आवाजों को दबाकर उन्हें कानूनों के तहत जमानत नहीं दी जाती। इन कानूनों में खुद को निर्दोष सिद्ध करने का दारोमदार आरोपित पर होता है। अफसोस की बात है कि ऐसा दायित्व कभी पूरा नहीं किया जा सकता और विडंबना यही है कि इस मामले में उदार रवैया अपनाने के बजाय अदालतों ने इन कठिन प्रविधानों को कायम रखा है। न्यायिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ देखें तो राजनीतिक रूप से आरोपित मामलों में, न्यायपालिका को अक्सर कार्यपालिका के सूक्ष्म या प्रकट दबाव का सामना करना पड़ता है। जब फैसले सरकारी हितों के खिलाफ जाते हैं तो यह विवादास्पद न्यायिक नियुक्तियों, तबादलों या राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में प्रकट हो सकता है। जांच एजेंसियां अक्सर दोषसिद्धि सुनिश्चित किए बिना व्यक्तियों को दंडित करने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को हथियार बनाती हैं। पूछताछ के दौरान ₹असहयोग₹ के लिए हिरासत को लंबे समय तक बढ़ाने की प्रथा को अक्सर कैद में रखने के बहाने के रूप में प्रयोग किया जाता है, भले ही ठोस सबूतों की कमी हो। यह प्रथा संविधान के अनुच्छेद 20(3) में निहित आत्म-दोषारोपण के खिलाफ अधिकार को कमजोर करती है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में निचली अदालतों द्वारा स्वचालित रूप से जमानत से इनकार करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, भले ही कानूनी आधार इस तरह के इनकार को उचित ठहराते हों। न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति बी.आर. दोनों गवई ने इस मुद्दे पर प्रकाश डाला है, यह देखते हुए कि ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय अक्सर व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने में विफल रहते हैं, खासकर हाई-प्रोफाइल मामलों में। न्यायमूर्ति भुइयां की केजरीवाल की गिरफ्तारी की आलोचना लंबे समय तक हिरासत में रखने के आधार के रूप में ₹स्पष्ट जवाब₹ या ₹सहयोग की कमी₹ जैसे अस्पष्ट औचित्य को स्वीकार करने से इनकार को दर्शाती है। उनके फैसले में स्वतंत्रता से इनकार करने के लिए प्रक्रियात्मक देरी का इस्तेमाल करने के लिए सीबीआई को फटकार लगाई गई और इस बात पर जोर दिया गया कि इस तरह की कार्रवाइयां संवैधानिक सुरक्षा की भावना का उल्लंघन करती हैं। यह न्यायमूर्ति सूर्यकांत के दृष्टिकोण के विपरीत है, जिन्होंने गहन जांच के बिना सीबीआई के तर्क को स्वीकार कर लिया। भुइयां की विस्तृत जांच व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बनाए रखने में सतर्कता की आवश्यकता को रेखांकित करती है। बिलकिस बानो मामले में जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए जाने के बावजूद दोषियों की रिहाई, इसी तरह न्यायिक परिणामों पर राजनीतिक प्रभाव के बारे में चिंता पैदा करती है। यह मामला इस बात का उदाहरण देता है कि सजा के बाद की राहत को माफी कानूनों के माध्यम से कैसे हेरफेर किया जा सकता है, अक्सर राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय की कीमत पर। संकट का एक कारण अदालतों से जुड़ा है। जिन मामलों में पुलिस कस्टडी की अवधि समाप्त हो गई हो या आरोपपत्र दाखिल हो गया हो, अक्सर उनमें भी जमानत नहीं दी जाती। कहीं न कहीं न्यायिक तंत्र स्थापित मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रहा। समान अवसर का अभाव कानूनी प्रक्रियाओं को खतरे में डालता है, जबकि यह स्थिति निष्पक्ष एवं निष्कलंक होनी चाहिए। यह भी जनता की नजरों से छिपा नहीं रहता कि कुछ खास न्यायिक अधिकारियों की प्रमुख पदों पर तैनाती की जाती है, जिससे संदेह की सुई और गहरा जाती है। कुल मिलाकर, न्यायिक तंत्र विशेषकर जमानत के मामले में कारगर ढंग से काम नहीं कर रहा। स्वतंत्रता के मूल्य को संविधान और यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमन्य मान्यता के अनुरूप महत्व नहीं दिया जा रहा।

पोटली का पराठा ब्यूरोक्रेसी को बड़ा संदेश !

ऋतुपर्ण दवे

क भी - क भी बहुत मामूली सी बातें न केवल हर कहीं चर्चा का विषय बन जाती हैं बल्कि इतनी भावुक और प्रभावी कर जाती हैं कि पूछिए मत। लेकिन जब मामला विनम्रता, सहजता और गरीब की पोटली में बंधे पराठे खुलवा कर एक टुकड़ा खाने का हो तो दिल को छू ही जाएगी। उसमें भी यदि जिला कलेक्टर और फरियादी का हो तो हर कहीं उदाहरण और चर्चा का विषय बनेगा ही। ऐसा ही एक वाकया उत्तर प्रदेश के औरैया जिले का है जो पूरे देश में सुर्खियां बटोर रहा है। जहां अपने रुतबे और ठसक के लिए आईएएस-आईपीएस पहचाने जाते हैं वहीं औरैया कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी की इससे विपरीत भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। हो भी क्यों न उनके दफ्तर में डरा-सहमा सा एक ग्रामीण मजदूर अपनी फरियाद लेकर बहुत दूर से आया। दफ्तर में घुसते ही वहां का माहौल उसे असहज कर, घबरा रहा था। लेकिन तुरंत कलेक्टर इन्द्रमणि त्रिपाठी ने उसकी मनोदशा भांपी, पूछा कि घर वापस पहुंचने में देर हो जाएगी तो रास्ते में भूख का क्या इंतजाम है? भोले-भाले मजदूर ने हाथ में रखे झोले से पोटली निकाल डरते-डरते दिखाते हुए कहा कि उसकी पत्नी ने कुछ परांठे बांध दिए हैं। इतना सुनते हुए त्रिपाठी ने कहा कि मैं तुम्हारा काम तभी करूंगा जब तुम मुझे अपना परांठा खिलाओगे! यह सुनते ही मैले-कुचैले कपड़े पहना फरियादी असमंजस में पड़ गया और बहुत हिम्मत कर बोला मैं तो छोटा आदमी हूं, आप कहां मेरे पराठे खाएंगे? कलेक्टर त्रिपाठी ने तपाक से कहा कि छोटा-बड़ा कुछ नहीं, पराठा खिलाओगे तभी काम करूंगा। फरियादी ने बड़ी ही झिझक से शर्माते हुए घर से लाई पोटली में बंधे हुए पराठों को कलेक्टर के सामने खोला और दे दिया। उसमें से एक टुकड़ा लेकर कलेक्टर ने खाना शुरू कर दिया। यह देख उनके साथ बैठे सभी मातहत भी अवाक और हक्का-बक्का रह गए। बाद में फरियादी के घर पर जिला प्रशासन की टीम पहुंची। वहां पता चला कि उसके बड़े भाई लकवाग्रस्त हैं। उनके इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। इसलिए वह अपने हिस्से की जमीन बेचकर भाई का इलाज कराना चाहता है। जमीन बेचने की बात पर तीन भाइयों में विवाद है। प्रशासनिक अमले ने तीनों को साथ बिठाकर बात कराई। भाई के इलाज के लिए सरकारी मदद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी और सभी के आपसी गिले-शिकवे दूर हो गए। फरियादी समस्या के समाधान से ज्यादा इसलिए बेहद खुश और भावुक था कि इतने बड़े अधिकारी ने इतना आत्मीय व्यव्हार कर उसके परांठे खाए। यकीनन यह घटना कल्पना से परे है। ऐसे नजारे देश में गिने-चुने ही हुए होंगे। जिला, संभाग, तहसील तथा हर सरकारी दफ्तर के अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। लगभग हर कहीं एक तय दिन पर जन सुनवाई, जनता दर्शन जैसे विभिन्न नामों से सरकार की ओर से दरबार लगते हैं। दूर दराज से ज्यादातर ग्रामीण व ऐसे लोग जिनकी कोई राजनीतिक पकड़ या जुगाड़ नहीं होती, सीधे अधिकारियों के पास पहुंचते हैं। लेकिन एक बड़ी हकीकत यह भी कि कितने मामले निराकृत होते हैं या लोगों को संतुष्ट करते हैं, सब जानते हैं। कई जगह तो ठीक से फरियाद तक नहीं सुने जाने की सच्चाई भी सामने आती है। अधिकतर अधिकारी निराकरण के नाम पर महज खाना पूर्ति करते हैं। सीएम हेल्पलाइन जैसी सुविधा भी कुछ राज्यों में है। फोन पर आम जनों से शिकायत लेकर पंजीकरण होता है। जिसे संबंधित जिले, फिर विभाग को भेजा जाता है। अमूमन शिकायतों को ब्यूरोक्रेसी में बेवजह का बवाल तक समझने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

सच कौन बोलता है ?

डॉ टी महादेव राव

दोपहर की नींद में थे घर के बुजुर्ग और घर की महिलाएं मानसिक रोग और नकारात्मक बुद्धि बढ़ाते टी वी सीरियलों में व्यस्त थे। सरकार को टैक्स देने और महंगाई की मार झेलने घर के मर्द काम धाम और रोजगार में लगे बाहर गए हुए थे। अचानक एक स्कूटी घर के सामने रुकी जैसे सन्नाटे के बाद शोर छा जाता है। उस पर से सफेद कपड़ों में नेता लगते पुरुष और परेशान सी स्त्री शायद उनकी धर्मपत्नी थी, उतरे। घर का दरवाजा खटखटाया जैसे लॉटरी बेचने वाला कहता है लक्ष्मी जी आपके द्वार खटखटाएगी। काफी देर बाद झुंझलाते हुई एक महिला ने दरवाजा खोला सीरियल भी देखने नहीं देते। वहां सुधीर स्वाति से तलाक लेके सुनीता से शादी कर रहा है, इस टेंशन में दरवाजा खटखटाया। रुक कर बोली क्या बात है? बड़ी बेपरवाही से पूछा उस महिला ने। आप हमें पहचानते होंगे। पंद्रह दिन पहले हम कार से आए थे। ये मेरे पति हैं जो चुनाव लड़ रहे थे। आपके घर में आठ वोट हैं और आपने प्रति वोट दो हजार के हिसाब से सोलह हजार लिए। तो ?आपने इन्हें वोट नहीं दिया। इसलिए आप वह पैसा वापस करिए। हमारे घर में से सारे वोट हमने इन्हें ही दिए थे। आपसे किसने कहा हमने इन्हें वोट नहीं दिए? यह देखिए मेरे बाएं हाथ की तर्जनी पर काली स्याही का निशान! इससे यह तो पता चलता है कि आपने मतदान किया। लेकिन इनको वोट किया कहां पता चलता है? हमें बूथ में सेलफोन के जाने नहीं दिया, वरना हम आपको सबूत दिखाते। आपकी कसम हमने इन्हें ही वोट दिया है! मैं पक्के तौर पर कह सकती हूं कि आपने मेरे पति को वोट नहीं दिया। ऐसे कैसे कह सकते हैं? हमने इन्हें ही वोट दिया है। बस। झुंझलाती हुई पत्नी बोली साफ बात है। इनकी जमानत जब्त हो गई। इन्हें केवल दो ही वोट मिले हैं। इनका और मेरा। मतलब आप में से किसी ने इन्हें वोट नहीं दिया। हैं न? पैसे वापस कीजिए। महिला का दिमाग सन्नाया। अभी सोलह हजार कहां से लाए? सारे तो खर्च कर दिए। जो होगा देखा जाएगा सोचा उसने। हिम्मत से उसने पूछा। आप कौन हैं। मैने तो कभी आपको नहीं देखा।और धड़ाम से दरवाजा बंद कर दिया। अपना मुंह लेकर नेता जी और उनकी पत्नी फिर स्कूटी पर सवार हो मुंह लटका के चल दिए। मतदाता भी अब नेताओं की तरह बहुत चालाक हो गए हैं। अचानक देखो बात बदल दिया कि नहीं जानते। दोनों के मुंह से एकसाथ निकले ये शब्द। वहां टीवी सीरियल में सुधीर अपनी तीसरी पत्नी से भी तलाक लेकर चौथी शादी के लिए आतुर तलाकशुदा सुनीता के घर जा रहा था।

पितृपक्ष में भूलकर भी न खरीदें ये सामान

पितरों को समर्पित पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर भाद्रपद पूर्णिमा से हो रही है। पितृपक्ष में पितरों की पूजा कर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान आदि कर्म किए जाते हैं। मान्यता है कि इससे पितृ प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि पितृपक्ष के दिनों में पितर धरती पर आते हैं, इसलिए उनका तर्पण अवश्य करना चाहिए। लेकिन, कुछ ऐसे भी कार्य हैं जो पितृपक्ष के दिनों में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। फिर भी अगर आप करते हैं तो इससे पितर नाराज हो सकते हैं। खासकर खरीदारी के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत है।

पितृपक्ष पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तिथि तक चलने वाला है। इन दिनों में अपने-अपने पितरों के नाम से तर्पण, श्राद्ध या पिंडदान अवश्य करना चाहिए। इससे पितर तृप्त होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। अगर आपके पितर प्रसन्न हो गए तो घर में किसी प्रकार के कष्ट या

आर्थिक संकट नहीं आएंगे। लेकिन, अगर पितर नाराज हुए तो लेने के देने पड़ सकते हैं। ऐसे में उन बातों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, जो पितरों को नहीं पसंद है।

कोई आभूषण न खरीदें

साथ ही पितृपक्ष के दिनों में सोना-चांदी, लोहा आदि चीजों की भूलकर भी खरीदारी नहीं करनी चाहिए। इससे पितर नाराज हो सकते हैं।

घर के छत की ढलाई न करें

अगर आप मकान बनवा रहे हैं तो पितृपक्ष के दिनों में भूलकर भी मकान की छत की ढलाई न कराएं। नहीं तो अशुभ फल की प्राप्ति होगी।

कोई भी मांगलिक कार्य न करें

खरीदारी के साथ ही पितृपक्ष के दिनों में किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए। जैसे गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ, सगाई आदि। इससे पितर नाराज हो सकते हैं और आपके वंश पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

पितृपक्ष में कौन कर सकता है श्राद्ध, क्या हैं नियम

पितृपक्ष 20 सितंबर से शुरू हो चुके हैं। इनका समापन 6 अक्टूबर को अमावस्या के दिन होगा। इस वर्ष 26 सितम्बर को पितृ पक्ष की कोई तिथि नहीं है। हमारे जो परिजन अपनी देह का त्याग कर इस दुनिया विदा हो जाते हैं, उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष के इन दिनों में श्राद्ध-तर्पण कर्म किये जायेंगे। लेकिन इस दौरान पितरों की श्राद्ध तिथि के दिन शास्त्रों में कुछ नियमों का पालन करना भी जरूरी माना गया है। जिनके तहत ये बताया गया है कि पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध कौन कर सकता है। जिससे श्राद्ध का उद्देश्य पूरा हो सके। आइये जानते हैं इनके बारे में।

कौन कर सकता है श्राद्ध

शास्त्रों के अनुसार श्राद्ध करने का पहला अधिकार बड़े पुत्र का है।

बेटा शादी के बाद पत्नी संग मिलकर श्राद्ध तर्पण कर सकता है।

बड़ा बेटा जीवित न होने की स्थिति में छोटा पुत्र श्राद्ध कर सकता है।

बेटा न होने की स्थिति में बेटे का बेटा यानी पोता श्राद्ध कर्म कर सकता है।

जिसके बेटा न हो तो उसके भाई-भतीजे श्राद्ध कर्म कर सकते हैं।

अगर किसी व्यक्ति के केवल बेटी ही हो, तो ऐसे में बेटी का बेटा यानी नवासा श्राद्ध कर्म करने का अधिकार रखता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

पितरों की श्राद्ध तिथि के दिन ब्राह्मणों को यथाशक्ति भोजन करवाएं।

अगर आप जनेऊ धारण करते हैं, तो पिंडदान के समय इसको बाएं की जगह दाएं कंधे पर रखें।

हमेशा पिंडदान चढ़ते सूर्य के समय में करें, बहुत सुबह या अंधेरे में ये कर्म नहीं किया जाता है।

पिंडदान कांसे, तांबे या चांदी के बर्तन में या फिर प्लेट या पत्तल में करें।

ध्यान रखें कि श्राद्ध कर्म करते समय आपका मुख दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए।

श्राद्ध कर्म में पंचबली भोग लगाना ज़रूरी है, इसके तहत देव, गाय, कुकुर, कौआ चींटी को भोग ज़रूर खिलाएं।

इस बात का भी ध्यान रखें कि श्राद्ध के दौरान घर में किसी तरह का कलेश न हो।

पितृपक्ष के दिनों में किसी भी तरह का शुभ कार्य न करें।

इन दिनों में जेवर, कपड़े, वाहन, दुकान और मकान जैसी कोई भी चीज न खरीदें

पितृपक्ष में नहीं करना चाहिए चना मसूर दाल सहित इन चीज़ों का सेवन

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व होता है। पितृपक्ष के दौरान परिवार के जिन पूर्वजों का देहांत हो चुका है, उनका पिंडदान, श्राद्ध व तर्पण किया जाता है। इससे पितृ संतुष्ट होते हैं, उनकी आत्मा को शांति मिलती है और वे आशीर्वाद देते हैं। मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितृ किसी न किसी रूप में धरतीलोक पर आते हैं और अपने परिजनों को आशीर्वाद देते हैं। पितृपक्ष के समय हम जाने-अनजाने में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे पितृ नाराज होकर वापस लौट जाते हैं, इसलिए पितृपक्ष के दौरान कुछ नियमों का पालन ज़रूर करना चाहिए।

लहसुन-प्याज

पितृपक्ष में लहसुन और प्याज के सेवन से बचना चाहिए। हिंदू धर्म में लहसुन-प्याज को तामसिक भोजन के समान माना गया है, इसलिए पितृपक्ष के दौरान भोजन में लहसुन प्याज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, इस दौरान मांसाहार भोजन और मदिरा आदि के सेवन से भी दूर रहना चाहिए।

मसूर की दाल

पितृपक्ष में श्राद्ध के दौरान किसी भी तरह के कच्चे अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए और ना ही किसी को खिलाना चाहिए। इस दौरान अनाज में दालें, चावल और आटा जैसी कोई भी चीज को कच्चा नही खाएं। लेकिन आप खाना बनाने में इन चीजों का प्रयोग कर सकते हैं। मसूर की दाल को किसी भी रूप में श्राद्ध के दौरान प्रयोग करना वर्जित होता है।

न खाएं ये सब्जियां

पितृपक्ष में आलू, मूली, अरबी और कंद वाली सब्जियों को नहीं खाना चाहिए। इन सब्जियों को श्राद्ध में भी नहीं पकाएं और ना ही ब्राह्मणों को इन सब्जियों से बना भोजन खिलाएं। क्योंकि पितरों को ये सब्जियां नहीं चढ़ाई जाती।

पितृपक्ष में न खाएं चना

पितृपक्ष में चना के सेवन से भी परहेज करें। क्योंकि श्राद्ध में चना वर्जित होता है, इसलिए श्राद्ध में चना, चने की दाल और चने से बना सत्तू भी खाना और खिलाना वर्जित होता है।

वास्तु एवं फेंगसुई के कुछ मुख्य उपाय

- शिक्षा और ज्ञान के लिए उत्तर-पूर्व में ग्लोब रखिए और बच्चों के कमरे में महापुरूषों के चित्र लगाएं।
- दक्षिण-पश्चिम में पानी रहित पर्वतों का चित्र बनाएं। - दक्षिण-पश्चिम में प्रेमी परिंदे लगाएं।
- धन समृद्धि के लिए चीनी सिक्के जेब में रखें। धन के पेटी के ऊपर तीन भाग्यशाली सिक्के लगाएं।
- घोडे. की नाल भारत में अत्यधिक भाग्यशाली और सौभाग्यवर्द्धक मानी जाती है।

अपने घर की सुरक्षा और सौभाग्य की वृद्धि के लिए इसे अपने घर के मुख्य द्वार के ऊपर दरवाजे के चैखट के बीच में लगाया जाता है। इसे भूलवश भी पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर वाले दरवाजे पर इस्तेमाल न करें। इसे पश्चिम,उत्तर-पश्चिम और उत्तर की ओर वाले द्वार पर लगायें जो कि काफी लाभकारी होता है। घोडे.की नाल हमेशा अंग्रेजी के अक्षर की भांति लगायें।

- भवन के कमरे में रहने वाले बीम के दोष को कम करने के लिए बीम के दोनों ओर दो बांसुरी लाल रिबन में बांधकर 45 डिग्री के कोण में लगायें।
- यदि तीन दरवाजे घर, या किसी वास्तु में एक कतार में हों, तो बीच के दरवाजे पर स्फटिक गोला टांग दें, दोष दूर हो जाएगा।
- सुनहरी मछलियों वाला लघु मछली घर अपने घर में रखना सौभाग्य में वृद्ध करने का एक कारगार उपाय है। इसका उपयोग पूर्व या उत्तर में कर सकते हैं।
- मधुर संबंधां के लिए प्रसन्नचित्त मुद्रा में संयुक्त परिवार का फोटो लगाएं।
- घर में नमक मिले पानी से पोंछा लगाएं। यह जल घर में स्थित नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक सिद्ध होता है।
- शौचालय में समुद्री नमक का कटोरा रखिए। यह गलत स्थान पर बने शौचालय का दोष भी दूर करेगा।
- मुख्य द्वार के बाहर दोनों तरफ आरोग्य का प्रतीक पवित्र तुलसी का पौधा रखना चाहिए क्योंकि प्रवेश द्वार ही घर का वह भाग है जहां से अच्छी बुरी ऊर्जा प्रवेश करती है। प्रवेश द्वार के दोनों ओर पौधे रखने से आगन्तुक आकर्षित होते हैं। साथ ही वहां रहने वालों के धन वैभव में वृद्धि होती है।
- संपत्ति तथा सफलता के लिए रत्नों का पौधा अपनी बैठक कक्ष के उत्तर-पूर्व में रखें। प्रसिद्धि एवं स्थायित्व के लिए घर के दक्षिण क्षेत्र में लाल रंग का उपयोग करें एवं उसे लाल रंग की वस्तुओं से सजायं।
- भगवान श्री कृष्ण का चित्र वास्तुदोष को दूर कर खुशहाली लाता है। श्री कृष्ण के साथ राधा जी के बगीचे में बांसुरी बजाते हुए चित्र जिनमं पीछे मोर भी दिखाई दे रहा हो, पति पत्नी के अच्छे संबंधां को दर्शाता है। साथ ही कृष्ण भगवान के मुकुट पर लगा मोर पंख खुशहाली का प्रतीक है।
- मुख्य द्वार पर कोई अवरोध जैसे खंभा, पेड़, आदि हो तो दोष निवारण हेतु पाकुआ दर्पण लगायें। - विवादों या मुकदमों से संबंधित कागजात कभी भी आग्नेय दिशा में न रखें। ये कागजात ईशान या उत्तर वायव्य में रखे।
- दीवार घड़ी उत्तर या पूर्व में लगायें।
- घरां में यदि चोरी होने की समस्या हो तो मंगल यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। यदि घर में दंगे फसाद और उपद्रव हो रहे हां तो भयकीलक यंत्र की स्थापना करें।

पितृ मोक्षधाम का महातीर्थ ब्रह्मकपाल

ऋषियों ने हमारे संपूर्ण जीवन चक्र को सोलह संस्कारों में बांधा है। जहां गर्भाधान प्रथम संस्कार है तो पितृमेघ या अंत्येष्टि अंतिम। भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक सोलह दिनों को पितृ पक्ष कहा जाता है। इस बार यह शुभ तिथियां 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक है। शास्त्रों में मनुष्यों पर उत्पन्न होते ही तीन ऋण बताए गए हैं- देव ऋण, ऋषिऋण और पितृऋण। श्राद्ध के द्वारा पितृ ऋण से निवृत्ति प्राप्त होती है। इसलिए पितृ पक्ष के दौरान भक्ति पूर्वक तर्पण (पितरों को जल देना) करना चाहिए।

इस तरह करें पितरों को प्रसन्न

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में उनकी मृत्यु तिथि को (मृत्यु किसी भी मास या पक्ष में हुई हो) जल, तिल, चावल, जौ और कुश पिंड बनाकर या केवल सांकल्पिक विधि से उनका श्राद्ध करना, गौ ग्रास निकालना और उनके निमित्त ब्राह्मणों को भोजन करा देने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी प्रसन्नता ही पितृ ऋण से मुक्त करा देती है। पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अनुष्ठान है श्राद्ध।

पांच प्रकार के होते हैं श्राद्ध

श्राद्ध पांच प्रकार के होते हैं, जिनमें पितृपक्ष के श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाते हैं। इन में अपराह्न व्यापिनी तिथि की प्रधानता है। जिनकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो, उनका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। श्राद्ध हमेशा मृत्यु होने वाले दिन करना चाहिए। अग्नि में जलकर, विष खाकर, दुर्घटना में या पानी में डूबकर, शस्त्र आदि से जिनकी मृत्यु हुई हो उनका श्राद्ध चर्तुदशी को करना चाहिए। आश्विन कृष्ण पक्ष में सनातन संस्कृति को मानने वाले सभी लोगों को प्रतिदिन अपने पूर्वजों का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए, इससे पितर संतृप्त हो कर हमें आशीर्वाद देते हैं। आश्विन मास का कृष्ण पक्ष पितरों के लिए पर्व का समय है। इसमें ये पिंडदान और तिलांजलि की आशा लेकर पृथ्वी लोक पर आते हैं। इसलिए श्राद्ध का परित्याग न करें, पितरों को संतुष्ट जरूर करें।

श्राद्ध के प्रतीक

कुश, तिल, यव गाय, कौवा और कुत्ते को श्राद्ध के तत्व के प्रतीक के रूप में माना जाता है। कुशा के अग्रभाग में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु और मूल भाग में भगवान शंकर का निवास माना गया है। कौवा यम का प्रतीक है, जो दिशाओं का फलित बताता है। गाय तो वैतरणी से पार लगाने वाली है ही। दैनिक जीवन में भी भोजन की पहली मढ़की गाय को देते हैं। श्राद्ध का एक अंश कुत्ते को देने से यमराज प्रसन्न होते हैं।

श्राद्ध में ब्राह्मण

पूजा-अनुष्ठान, उद्यापन, कथा, विवाह आदि में चाहे ब्राह्मणों की परीक्षा न करें, लेकिन पितृ कार्य में अवश्य करें। समस्त लक्षणों से युक्त, हाथ का सच्चा, व्याकरण का विद्वान, शील एवं सद्गुणों से युक्त, तीन पीढ़ियों से विख्यात ब्राह्मणों के द्वारा संयत रहकर श्राद्ध सम्पन्न करें।

श्राद्धकर्ता के लिए वर्जित

श्राद्धकर्ता को पितृपक्ष में क्षौर कर्म यानी बाल या नाखून नहीं कटवाने चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन, पान खाना, किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन, तेल मालिश और परान्न भोजी ये सात बातें श्राद्धकर्ता के लिए वर्जित हैं। श्राद्ध के अंत में क्षमा प्रार्थना करें।

श्राद्ध पक्ष की सभी तिथियां

- 17 सितंबर पूर्णिमा श्राद्ध
- 18 सितंबर प्रतिपदा श्राद्ध
- 19 सितंबर द्वितीया श्राद्ध
- 20 सितंबर तृतीया श्राद्ध
- 21 सितंबर चतुर्थी श्राद्ध
- 22 सितंबर पंचमी श्राद्ध
- 23 सितंबर षष्ठी और सप्तमी श्राद्ध
- 24 सितंबर अष्टमी श्राद्ध
- 25 सितंबर नवमी श्राद्ध
- 26 सितंबर दशमी श्राद्ध
- 27 सितंबर एकादशी श्राद्ध
- 29 सितंबर द्वादशी श्राद्ध
- 30 सितंबर त्रयोदशी श्राद्ध
- 1 अक्टूबर चतुर्दशी श्राद्ध
- 2 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या (समापन)

आज साल का दूसरा चंद्र ग्रहण, क्या भारत में दिखाई देगा यह ग्रहण

जब-जब ग्रहण लगता है तो इसको लेकर लोगों के मन में उत्सुकता बढ़ जाती है। अब साल का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। यह चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को लगेगा। आपको बता दें इसके पहले साल का पहला चंद्र ग्रहण 24 मार्च को लगा था। साल का यह दूसरा ग्रहण चंद्रमा और राहु की युति में मीन राशि में लगेगा। इसके साथ ही इस बार पितृपक्ष में चंद्र ग्रहण का साया लगेगा। क्योंकि 17 सितंबर से पितृपक्ष भी शुरू हो रहा है। 18 सितंबर को जो चंद्र ग्रहण लगेगा उसका अद्भुत नजारा आसमान में देखने को मिलेगा। साल का यह चंद्र ग्रहण क्या भारत में दिखाई देगा ?

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण तारीख और समय

साल का यह दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण एक उपछाया चंद्र ग्रहण होगा। उपछाया चंद्र ग्रहण में चांद हल्का सा धुंधला सा नजर आएगा। भारतीय समय के अनुसार इस चंद्र ग्रहण की शुरुआत 18 सितंबर को सुबह 6

बजकर 12 मिनट से होगी और ग्रहण का समापन सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर होगा। इस चंद्र ग्रहण की कुल अवधि लगभग 4 घंटे 4 मिनट होगी। आपको बता दें कि उपछाया चंद्र की शुरुआत सुबह 06 बजकर 12 मिनट से हो जाएगी। फिर आंशिक ग्रहण सुबह 7 बजकर 44 मिनट से होगी और ग्रहण उच्च स्तर पर सुबह 8 बजकर 14 मिनट पर होगा। वहीं आंशिक ग्रहण की समाप्ति सुबह 08 बजकर 44 मिनट पर हो जाएगी और अंत में उपछाया ग्रहण की समाप्ति सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर होगी।

चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा या नहीं ?

साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर, बुधवार को लगेगा, लेकिन इस चंद्र ग्रहण को भारत में नहीं देखा जा सकेगा। दुनिया के बाकी हिस्सों में जब यह चंद्र ग्रहण लगेगा तब भारत में सुबह रहेगी। इस वजह से भारत में चंद्र ग्रहण नहीं दिखाई देगा और जिसके चलते इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। यह चंद्र ग्रहण यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा।

चंद्र ग्रहण क्या होता है

18 सितंबर को लगने वाला चंद्र ग्रहण उपछाया चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना होती है, जिसमें जब पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य के बीच आ जाती है तो चंद्रमा पर पृथ्वी की परछाई पड़ती है। इसी को चंद्र ग्रहण कहते हैं।

पितृपक्ष के दौरान इन 4 जगहों पर जरूर जलाएं दीपक, नाराज पितर भी हो जाएंगे खुश

इस दौरान पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं और श्राद्ध कर्म से प्रसन्न होकर अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं। माना जाता है पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को खुश करने से जीवन में आने वाली हर परेशानी से राहत मिलती है और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। इस दौरान केवल दान-पुण्य करके ही नहीं बल्कि कुछ विशेष स्थान पर दीपक जलाकर भी पितरों का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि किन-किन जगहों पर दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

घर के मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाना चाहिए क्योंकि घर के मुख्य द्वार से ही पितृ घर में प्रवेश करते हैं। यह काम आप पितृपक्ष के हर दिन कर सकते हैं। ऐसा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन की नकारात्मकता भी दूर होती है।

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि पीपल के पेड़ के नीचे पितृ देवों का निवास स्थान है। पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से पितरों की कृपा आप पर बरसती है। साथ ही पितर खुश होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पितरों की तस्वीर के सामने जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान पितरों की तस्वीर की सफाई करके उसी स्थान के नीचे दीपक जलाएं। माना जाता है कि ऐसा करने करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

दक्षिण दिशा में लगाएं पितरों के लिए दीपक

दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और पूर्वजों की आत्मा भी तृप्त होती है। साथ ही व्यक्ति को जीवन में उत्तम परिणाम मिलते हैं।

लव लाइफ को लेकर चर्चा में शरवरी वाघ

बॉलीवुड में डेटिंग और अफेयर आदि सामान्य बातें हैं। यहां पर हीरो-हीरोइनों के लिए यह लंच-डिनर जैसा है। रिश्ते बनते और टूटते रहते हैं मगर कुछ लोग काफी संवेदनशील होते हैं। ऐसी ही एक शख्स हैं अभिनेत्री शरवरी वाघ। उसे प्यार में धोखा मंजूर नहीं है। हाल ही में एक इंटरव्यू में इस बात की चर्चा की। हालांकि, शरवरी ने प्यार की जगह रिलेशनशिप शब्द का इस्तेमाल किया, पर क्या फर्क पड़ता है, दोनों का मतलब एक ही है। उसने कहा कि रिलेशनशिप में वह धोखा बर्दाश्त नहीं कर सकती। उसके अनुसार, मुझे लगता है कि धोखा देना किसी रिश्ते में एक बड़ा खतरा होगा क्योंकि यह मेरे लिए अनादर से जुड़ा है। अगर मैं किसी को डेट करती हूं तो मैं धोखा देने को नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है।

फिल्मों के अलावा वह अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती है। बीते कुछ समय से उसके सनी कौशल को डेट करने की अफवाहें काफी जोर पकड़ रही हैं।

जब उसकी डेटिंग लाइफ के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि उसके पास चर्चा करने के लिए कोई प्रेम कहानी नहीं है। उसने आगे कहा कि उसने जीवन में दो पुरुषों को डेट किया है, जिन्हें उसने मजेदार लड़के बताया।

शरवरी ने यह भी कहा कि उसे रिलेशनशिप में होने के कारण वे आकर्षक लगे। उसके लिए लव लाइफ में हंसी-मजाक एक महत्वपूर्ण कारक है। सनी कौशल के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों के बावजूद उसने खुद को सिंगल बताया है।

बेहतरीन रहा यह वर्ष

शरवरी ने इस साल कमाल किया है। वह अब तक 'मुंजा', 'महाराज' और 'वेदा' जैसी काफी पसंद की गई फिल्मों में नजर आई है। इनमें से हॉरर कॉमेडी 'मुंजा' की सफलता ने तो उसे इस वक्त की नवोदित और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों की पंक्ति में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं, इस समय वह आलिया भट्ट के साथ यशराज बैनर के स्पाई यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'अल्फा' के लिए तैयारी कर रही है।

दो बार 'टूटा' तमन्ना भाटिया का दिल

तमन्ना भाटिया भी काफी छुपी रुस्तम है। अब देखिए न, कहां तो लोग एक अफेयर को तरसते हैं पर मैडम ने दो-दो कर लिए लेकिन उसका यह राज किसी अफेयर के सामने आने से नहीं, बल्कि उसके ब्रेकअप से खुला है।

दरअसल, हाल ही में तमना ने एक पॉडकास्ट में बताया है कि उसका दो बार ब्रेकअप हो चुका है और उसे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उसने कहा कि किशोरावस्था में वह एक लड़के से प्यार करती थी लेकिन वह रिश्ता 'टॉक्सिक' होने के कारण उसे ब्रेकअप करना पड़ा। इसके बाद फिर उसे स्टार बनने के बाद प्यार हुआ। उसका दूसरा ब्रेकअप तक हुआ जब उसे एहसास हुआ कि वह व्यक्ति लंबे समय में उसके जीवन में अच्छा प्रभाव नहीं डाल पाएगा। उसने कहा, ऐसा साथी नहीं चाहिए था जो मेरे सपने पूरे न कर सके।

गौरतलब है कि तमन्ना इन दिनों एक्टर विजय वर्मा के साथ रिलेशनशिप में है। दोनों की पहली मुलाकात वैब सीरीज' लस्ट स्टोरीज' की शूटिंग के दौरान हुई। थी जिसमें दोनों के काफी बोल्ड सीन थे। बताया जाता है कि तभी से वे दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

रिश्ते में झूठ की जगह नहीं जब भी दो लोगों के बीच रिलेशनशिप पनपता है तब उनके बीच विश्वास और भरोसा होना बहुत जरूरी है। अगर भरोसा नहीं है, तब वह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चलता है। बॉलीवुड में इस तरह बनते- बिगाड़ते रिश्तों की खबरें आए दिन सुनाई पड़ती हैं।

तमन्ना ने ऐसे रिश्तों के बारे में एक खास राज खोला है। उसने रिलेशनशिप के 'रैड फ्लैग' (चेतावनी बिंदू) को लेकर बातचीत की है। उसने कहा, रिलेशनशिप में एकतरफा कोशिशें नहीं होनी चाहिएं, रिलेशनशिप में झूठ की जगह नहीं होनी चाहिए। मजेदार बात है कि जो लोग छोटी-छोटी बातों के लिए झूठ बोलते हैं, वे बाद में हर चीज के लिए झूठ चोलेंगे।

राजामौली के बारे में किया खुलासा

फिल्मी पर्दे पर 3 घंटे की फिल्म के लिए कई महीने की शूटिंग की जाती है। इसमें रिहर्सल का प्रमुख योगदान है। अब 'बाहुबली' अभिनेत्री तमन्ना ने निर्देशक राजामौली के बारे में एक राज की बात बताई है। उसके अनुसार राजामौली कलाकारों के सैट पर पहुंचने से पहले खुद सारे एक्शन व डांस सीन की रिहर्सल करते हैं। तमन्ना ने कहा, राजामौली ने मुझे 'बाहुबली' के दौरान तीर-धनुष चलाना सिखाया था। राजामौली ने स्पैशल इफैक्ट्स का इस्तेमाल तब किया, जब लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं थी।

तमन्ना ने साथ ही साऊथ और बॉलीवुड की फिल्मों के बीच अंतर के बारे में कहा कि साऊथ की फिल्मों में 'जमीन से जुडी कहानियां दिखाई जाती है, जिसके चलते उन्हें वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल है।

रिस्की लगा आईटम नम्बर

फिल्म 'स्त्री 2' ने कमाल किया है और इसमें तमन्ना के आईटम नम्बर 'आज की रात' को भी काफी पसंद किया गया जिसमें यह बेहद सुंदर और ग्लैमरस लगी है। तमन्ना ने बताया कि रजनीकांत अभिनीत फिल्म 'जेलर' के 'कवाला' गाने की सफलता के बाद 'आज की रात' गाना उसे 'बहुत रिस्की' लगा था। उसने कहा, मैंने सोचा कि क्या मैं जो कर चुकी हू उससे बेहतर कर पाऊंगी? निर्देशक अमर कौशिक ने गाने को 'खास' बताया जिसके बाद वह राजी हुई और जो रिजल्ट आया उसके कहने ही क्या।

तीनों खान को अपना गुरू मानते हैं सोहम शाह, कहा- 'मैं शाहरुख खान को देखकर इंडस्ट्री में आया हूं'

फिल्म इंडस्ट्री का रुख करने वाले तमाम सितारे किंग खान को प्रेरणा मानकर आते हैं। इस लिस्ट में 'तुम्बाड़' फिल्म फेम एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह का नाम भी शामिल है। सोहम शाह ने हाल ही में इसका जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ शाहरुख खान ही नहीं, बल्कि तीनों खान यानी शाहरुख-सलमान और आमिर को वे अपना गुरू मानते हैं।

करियर को लेकर साझा कीं दिलचस्प बातें

फिल्म 'तुम्बाड़' को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया गया है और यह धूम मचा रही है। इस फिल्म में सोहम शाह नजर आए हैं और वे इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं। इस फिल्म के सीक्वल का एलान भी निर्माताओं ने कर दिया है।

सोहम शाह फिल्म्स के इंस्टाग्राम हैंडल से टीजर जारी कर सीक्वल का एलान किया गया। इस बीच सोहम शाह ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के साथ फिल्म और अपने करियर को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की हैं।

सोहम शाह राजस्थान के छोटे से शहर श्रीगंगानगर से आते हैं। इंडस्ट्री में आने वाले तमाम लोगों की तरह वे भी शाहरुख खान की तरह बनना चाहते थे। हालांकि, अब सपना बदल गया है। उनका कहना है कि वे आज भी शाहरुख खान के फैन हैं, लेकिन अब उनकी यात्रा अपनी खुद की है। सोहम शाह ने कहा कि अब वे शाहरुख खान और उनक समकालीन स्टार्स सलमान खान और आमिर खान को अपना गुरू ज्यादा मानते हैं। सोहम शाह ने कहा कि उन्होंने हिंदी सिनेमा की खान तिकड़ी से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान से उन्होंने चार्म यानी आकर्षण सीखा है। वहीं, सलमान खान से उन्होंने स्टाइल सीखा है तो काम में एथिक की सीख उन्हें आमिर खान से मिली है।

शाहरुख खान को लेकर की ये टिप्पणी

सोहम शाह मुंबई आने से पहले अपने होम टाउन श्रीगंगानगर में रियल एस्टेट का बिजनेस चलाया करते थे। अब इंडस्ट्री में अवसर उनका खुली बाहों से स्वागत कर रहे हैं। 'तुम्बाड़' के अलावा सोहम को 'महारानी' और 'दहाड़' में अपनी भूमिकाओं के जरिए भी ओटीटी दर्शकों के बीच बखूबी जाना जाता है।

सोहम ने कहा, 'मैं शाहरुख खान को देखकर इंडस्ट्री में आया... मैं शाहरुख खान का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, लेकिन मेरी जिंदगी का सफर अलग है। इस बात का खूब एहसास है कि शाहरुख खान केवल एक ही हो सकता है'।

मिडल क्लास बताने के लिए स्टार्स की ट्रोलिंग पर कृति सेनन ने चुप्पी तोडी

मायानगरी में जहां कई सितारों को अपने फिल्मी परिवार का सहारा था और उन्हें डेब्यू फिल्म पाने के लिए जूते नहीं घिसने पड़े, वहीं कितने ही ऐसे सितारे हुए हैं, जिन्होंने अपने दम पर सफलता और लोकप्रियता की बुलंदियों को छुआ है। आज वे भले ही करोड़पति हैं, लेकिन कभी मुश्किल से गुजारा कर पाते थे। इनमें से कई सितारे हैं जो खुद को आज भी जमीन से जुड़ा महसूस करते हैं और खुद को मिडल क्लास बुलाना ही पसंद करते हैं लेकिन ऐसा करके वे कई बार आलोचना का शिकार भी हो जाते हैं। खुद को मिडल क्लास बुलाने पर कई सितारे सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल हुए हैं। हाल ही में, कृति सेनन ने इस तरह की ट्रोलिंग को लेकर बात की। कृति ने मिडल क्लास बताने के लिए स्टार्स की ट्रोलिंग पर चुप्पी तोड़ते हुए अपना उदाहरण देते हुए बताया कि आज भी उसका अकाऊंट पिता के अकाऊंट के साथ ही जुड़ा है।

उसने कहा कि वह मिडल क्लास लड़की है लेकिन उसके माता-पिता ने उसके लिए कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। कृति से पूछा गया कि कई सितारे खुद को मिडल क्लास बताने पर ट्रोल हो जाते हैं, तो उसका कहना था, वाकई! मैं भी मिडल क्लास से ही तालुक रखती हूं। जो भी हो लेकिन मैं ऐसी इंसान नहीं रही, जो बहुत अमीर और धनी रही हो लेकिन मैं ऐसी भी नहीं रही, जिसे लगा हो कि मुझे पैसे के लिए यह सब करना चाहिए।

कृति ने यह भी खुलासा किया कि उसके पिता ही उसके सारे पैसों का हिसाब-किताब रखते हैं। उसका अपने पिता के साथ ज्वाइंट अकाउंट है। उसने कहा, मेरा और मेरे पिता का ज्वाइंट अकाऊंट है। मुझे नहीं पता कि कितना पैसा आ रहा है, कितना जा रहा है। अब में थोड़ा और इस तरह रहने लगी हूं कि 'ठीक है, मुझे बताओ कि अगर मैं घर खरीदना चाहती हूं तो कितना खर्च आएगा।' फिर अचानक मेरे मन में सवाल आता है, ओह, इतना खर्च? कृति ने कहा कि वह शायद इसी वजह से वित्तीय हिसाब-किताब से दूर रहती है। आऊटसाइडर होने पर छलका दर्द कृति ने हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर लिए हैं। उसने 2014 में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उसने खुलासा किया है कि फिल्मी बैकग्राऊंड से न होने और बाहरी होने के कारण उसे पहले निराश होना पड़ता था।

कृति से जब पूछा गया कि क्या फिल्मी परिवार से न होने के कारण, इंडस्ट्री में एक दशक के बाद भी, उसके करियर पर असर पड़ता है, तो उसने कहा, कभी-कभी। मेरे पास कोई ऐसा नहीं होता, जिसे मैं फोन कर सकूं। मेरे पास पहले ऐसे पल और निराशा थोड़ी ज्यादा थी, लेकिन आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे एक दशक लग गया। आज, मुझे पहले की तुलना में अपनी प्रतिभा पर कहीं अधिक भरोसा और आत्मविश्वास है। कृति ने कहा, चाहे वह बॉक्स ऑफिस का मामला हो या एक अभिनेत्री के रूप में, मुझे लगता है कि मैं हमेशा से एक अच्छी अभिनेत्री के रूप में पहचानी जाने की भूखी रही हूं, न कि केवल स्टारडम पाने की। इसलिए, चाहे कोई खास प्रदर्शन हो, अवार्ड हो या राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, मैं खुद से यह कह सकती हूं कि 'ठीक है, मुझे अब खुद को साबित करने की जरूरत नहीं है, मुझे बस खुद को आगे बढ़ाना है और वही करना है जो मुझे उत्साहित करता है। एक वक्त वह ऐसे दौर में थी कि उसे पता ही नहीं था कि क्या करना है।

कृति सेनन अगली फिल्म

कृति के फिल्मी करियर की बात करें तो उसको पिछली बार करीना कपूर खान और तब्बू के साथ फिल्म 'कू' में मुख्य भूमिका में देखा गया था जिसे काफी पसंद किया गया। इन दिनों वह अपनी अगली फिल्म 'दो पत्ती' की रिलीज का इंतजार कर रही है।

पॉप आइकन माइकल जैक्सन की बायोपिक बनाना चाहते हैं संदीप रेड्डी वांगा

संदीप रेड्डी वांगा ने 'अर्जुन रेड्डी', 'कबीर सिंह' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों का निर्माण कर अपार सफलता हासिल की है। इसी बीच निर्माता प्रभास के साथ अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, अब वांगा ने एक बायोपिक बनाने की दिली इच्छा जाहिर की है। निर्देशक, अंतर्राष्ट्रीय पॉप आइकन माइकल जैक्सन की बायोपिक बनाना चाहते हैं। इस खुलासे ने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।

संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में कहा, 'मैं किसी दिन एक बायोपिक करना चाहता हूं।' वांगा ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'मैं माइकल जैक्सन की बायोपिक का निर्देशन करना चाहूंगा।' लेकिन सवाल ये है कि उनका किरदार कौन निभाएगा, अभिनेता कौन होगा?

संदीप रेड्डी वांगा ने आगे कहा, 'उन्होंने बचपन से लेकर अपनी स्कूली शिक्षा और कैसे उन्होंने अपनी त्वचा का रंग बदला सब कुछ बहुत दिलचस्प रहा है। यह एक शानदार यात्रा और एक बेहतरीन कहानी है। लेकिन सही अभिनेता कौन होगा, यह सवाल है। वह एक सपना होगा और हर कोई टिकट खरीदेगा। जो कोई भी इसे निर्देशित करेगा, मैं टिकट खरीदूंगा और इसे देखूंगा क्योंकि मैं जानना चाहता हूं।'

'स्पिरिट' की बात करें तो, संदीप रेड्डी वांगा ने खुद खुलासा किया था कि यह फिल्म इस साल के अंत में रिलीज होगा। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, फिल्म में प्रभास एक गुस्सैल युवा पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म संदीप के स्टाइल में होगी, जिसमें हिंसा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। फिल्म को टी-सीरीज बैनर के तहत 'कबीर सिंह' और 'एनिमल' निर्माता भूषण कुमार के जरिए बैंकरोल किया जाएगा।

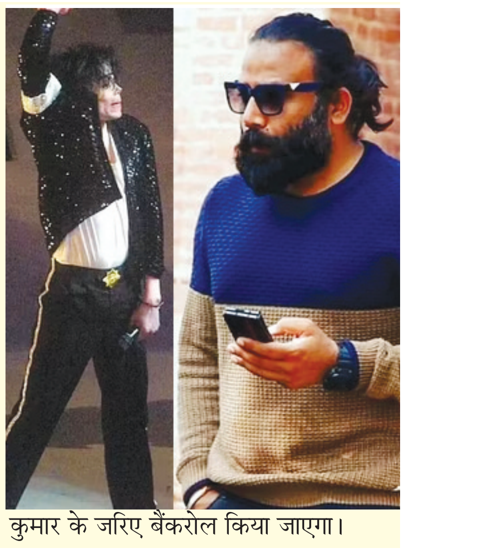

क्या 'सरोगेसी' से मां बनेगी टीना दत्ता?

छोटे पर्दे के लोकप्रिय धारावाहिक 'उतरन' से दर्शकों के दिल में जगह बना चुकी टीना दत्ता काफी समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का हिस्सा रही है। टीना रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' में भी प्रतियोगी के तौर पर नजर आई थी। हाल ही में उसने एक इंटरव्यू में बताया कि उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह जल्दी से जल्दी मां बन जाए। टीना के अनुसार उनका कहना है कि वह शादी कर ले और अगर वह शादी नहीं करना चाहती है तो सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा कर ले।

वहीं टीना ने एग्स फ्रीज करवाने के चलन को लेकर भी अपनी बात रखी। उसने कहा, मैं एग फ्रीजिंग के कंसैप्ट को लेकर ओपन हूं। मेरी एक बैस्ट फ्रैंड ने मुझे यह काम करने के लिए कहा है। मुझे लगता है कि जब लड़कियां 20 साल की होती हैं, उन्हें तभी अपने एग फ्रीज करवा लेने चाहिएं क्योंकि उस समय आपके एग सबसे ज्यादा फर्टाइल होते हैं। मुझे लगता है कि 35 साल की उम्र तक एग फ्रीज करने का सबसे अच्छा समय होता है। सभी लड़कियों को अपने एग फ्रीज करवा लेने चाहिएं। मैंने भी करवा रखे हैं। उसने आगे कहा, महिलाएं जिस तरह से इस फैसले को स्वीकार कर रही हैं, यह सामाजिक बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से दिखाता है। मेरे पेरैंट्स काफी सपोर्टिव हैं। वे मेरे फैसलों में मेरा साथ देते हैं। वे मेरी शादी के पक्ष में भी हैं। उनका कहना है कि अगर शादी हुई तो ठीक है और अगर नहीं हुई तो वे सरोगेसी के जरिए बच्चा चाहते हैं।

अब तक का करियर

उसके करियर की बात करें तो टीना को ड्रामा सीरीज 'उतरन' में 'इच्छा' के किरदार से काफी ज्यादा लोकप्रियता मिली थी। उसे पिछली बार वैब शो 'नक्सलबाड़ी' में देखा गया था जिसमें राजीव खंडेलवाल भी मुख्य भूमिका में था। इसके अलावा उसने 'कर्मफल दाता शनि', 'कोई आने को है' और 'डायन' जैसे कई शोज में काम किया है। वह रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7', 'कॉमेडी सर्कस' और 'खतरों के खिलाड़ी' में भी अपना दमखम दिखा चुकी है। पर्सनल लाइफ को लेकर रहती है सुर्खियों में टीना जब 'बिग बॉस' में गई थी तो उसकी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर खूब खबरें वायरल हुई थीं। शो में टीना का नाम शालिन भनोट के साथ जोड़ा गया लेकिन शो में ही दोनों ने इस रिश्ते को खत्म कर दिया था। शो की शुरूआत में जहां इनकी नजदीकियां देखी गई थीं, वहीं शो का अंत आते-आते इतनी ज्यादा दूरियां हो गई थीं कि दोनों एक-दूसरे का मुंह तक देखना पसंद नहीं करते थे। बाहर आकर दोनों के रास्ते अलग-अलग हो गए थे।

सास-ससुर के साथ क्यों नहीं रहना चाहती हैं आजकल की लड़कियां, ये हैं प्रमुख कारण

आज के समय में पारिवारिक संरचना में काफी बदलाव आ रहे हैं। पहले जहां संयुक्त परिवार में रहना आम बात थी, वहीं अब नई पीढ़ी, खासकर लड़कियां, सास-ससुर के साथ रहने से कतराने लगी हैं। भले ही अब समाज में संयुक्त परिवार कम ही देखने को मिलते हैं, लेकिन भारतीय परिवारों में अब भी माता-पिता और उनके बच्चे साथ ही रहते हैं। हालांकि अधिकतर मामलों में आजकल की लड़कियां अपने ससुराल वालों व सास-ससुर के साथ रहना नहीं चाहती हैं। इसके पीछे कई सामाजिक, मानसिक और व्यावहारिक कारण होते हैं।

स्वतंत्रता की कमी

आजकल की लड़कियों के अपने विचार, फैसले और जीवनशैली है, जिसमें उन्हें किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं चाहिए। लड़कियां शादी के बाद अपने घर को खुद की पसंद के मुताबिक, सजाना संवारना चाहती हैं। इसके अलावा उन्हें सुबह नाश्ते क्या खाना है, या लंच व डिनर में क्या पकाना है, यह भी लड़कियां अपने सहजता और पति की पसंद को ध्यान में रखकर करना चाहती हैं लेकिन अक्सर भारतीय परिवार में घर से जुड़े फैसले सास ससुर पर निर्भर करते हैं।

सास चाहती हैं कि बहु उनकी पसंद के अनुरूप घर का रखरखाव करे। आधुनिक लड़कियां खुद के परिधान से लेकर जीवनशैली तक से जुड़े फैसले खुद करती हैं लेकिन सास ससुर के साथ रहने के दौरान उन्हें उनके अनुरूप अपने रहन-सहन और जीवनशैली को ढालना होता है।

पीढ़ीगत अंतर

लड़की जन्म से अपने माता पिता के साथ रही होती है, इसलिए अपने परिवार के रीति रिवाजों और परंपराओं से बचपन से ही अवगत होती है। उसे वहां एडजस्ट करने में समस्या नहीं आती लेकिन जब वह ससुराल आती है तो विचारधारा और परंपराओं को लेकर पीढ़ीगत अंतर को महसूस करती है।सास समय-समय बहू को बताती हैं कि उनके घर में क्या नियम हैं, उनके परिवार में कैसे रहा जाता है, क्या किया जाता है और उनके दौर में क्या-क्या होता था। लड़की के लिए यह सारी जानकारी नई होती हैं और उनमें से कुछ बातें उसकी विचारधारा से मेल नहीं खाती। ऐसे में दोनों के बीच तालमेल बिठाना मुश्किल हो जाता है, जिससे तनाव उत्पन्न हो सकता है।

पति के साथ वक्त न बिता पाना

लड़कियां चाहती हैं कि वह अपने जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक वक्त बिताएं। उनके बीच एक निजी स्थान हो, जहां वे अपने रिश्ते को समय और महत्व दे सकें। सास-ससुर के साथ रहने पर इस व्यक्तिगत स्पेस में कमी महसूस होती है। अपने माता पिता का घर छोड़कर आई लड़की को सबसे पहले जीवनसाथी के साथ तालमेल बिठाना होता है लेकिन जब सास ससुर भी साथ होते हैं तो उस पर एक साथ सभी के साथ एडजस्ट करने की चुनौती आ जाती है। इससे लड़कियां तनाव महसूस करने लगती हैं।

पति-पत्नी के रिश्ते में हस्तक्षेप

दो अनजान लोग जब शादी के बंधन में बंधते हैं तो उनके बीच प्रेम भी होता है और टकराव भी। दोनों जब साथ रहना शुरू करते हैं तो वह अपने रिश्ते से जुड़े फैसले खुद लेना चाहते हैं लेकिन जब सास-ससुर साथ रहते हैं तो पति-पत्नी के बीच की प्राइवेसी खत्म होने लगती है।

सास-ससुर अपने बेटे-बहू के रिश्ते में हस्तक्षेप करते हैं जो उनके रिश्तों में दूरी पैदा कर देता है। दोनों के बीच टकराव की स्थिति में वह खुद मिलकर मामला सुलझाना चाहते हैं लेकिन संयुक्त परिवार में अक्सर ये निर्णय सामूहिक रूप से या घर के बड़े लेते हैं, जिससे लड़कियों को अपनी भूमिका और अधिकार सीमित महसूस होते हैं। इसके अलावा सास-ससुर के हस्तक्षेप के कारण बेटा-बहू दिखावटी समझौता कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें खुद से एक दूसरे को मनाने-समझाने का मौका ही नहीं मिलता।

करियर और परिवार में चयन

आजकल की लड़कियां करियर को लेकर काफी गंभीर होती हैं। लड़कियां नौकरीपेशा होती हैं। पति और पत्नी दोनों मिलकर नौकरी करते हैं और दोनों मिलकर घर संभालते हैं। लेकिन जब सास ससुर बहू बेटे के साथ रहते हैं तो लड़कियों पर इस बात का दबाव बना रहता है कि वह नौकरी और करियर के कारण घर नहीं संभाल रहीं।

उनपर आरोप लगता है कि वह परिवार से पहले खुद को प्राथमिकता देती हैं। सास ससुर बहू से उम्मीद करते हैं कि वह नौकरी और घर-परिवार दोनों संभालें। बेटे की थकान और परेशानी को वह समझते हैं पर बहू की नहीं। ऐसी स्थिति में भी लड़की शादी के बाद अपने ससुराल वालों के साथ रहना नहीं चाहती।

दूसरों के सामने बच्चों की शरारत कर देती है शर्मिंदा? अपनाएं ये टिप्स

बच्चों को किसी रिश्तेदार के घर लेकर जाना माता-पिता के लिए सबसे मुश्किल काम होता है, क्योंकि वहां वे न सिर्फ खाने को लेकर नखरे दिखाते हैं, बल्कि शरारत भी करते हैं। इस वजह से कई बार अभिभावकों को शर्मिंदा भी होना पड़ता है। इस स्थिति में मन में बस यही ख्याल आता है कि 'बेकार ही आ गए। इससे अच्छा तो घर पर ही रहते।' लेकिन आप थोड़ी-सी समझदारी दिखाकर और बच्चों में अच्छी आदतें डालकर उन्हें रिश्तेदारों के घर शरारतें करने से रोक सकती हैं।

शांति से समझाएं

अच्छी परवरिश का सबसे पहला नियम है, प्यार और शांति। आप जितना अधिक शांत भाव से अपने बच्चों की परवरिश करेंगी, बच्चे भी उतने ही सभ्य और आज्ञाकारी बनेंगे। जिन बच्चों के माता-पिता बात-बात पर गुस्से में आ जाते हैं या कुछ ज्यादा ही ओवर रिएक्ट करते हैं, उनके बच्चे उनसे दूर हो जाते हैं और बातें छुपाने लगते हैं। आपके साथ ऐसा न हो, इसलिए अपने बच्चों को प्यार और शांति से सही-गलत का अंदर समझाएं।

उनको समझें

अगर आप बच्चों की उम्र के हिसाब से खुद को उनकी जगह रखेंगी तो इस बात को समझ पाएंगी कि आखिर वे शरारत क्यों करते हैं। जब भी बच्चे रिश्तेदारों के सामने शरारत करें तो उन पर गुस्सा करने के बजाय उनकी भावनाओं को समझें। आप

समझें कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। हो सकता है, वे अपनी कोई बात मनवाना चाहते हों! इस स्थिति में आपको उन्हें बताना होगा कि 'यह हमारा घर नहीं है।

तुम्हें घर पर वह चीज मिल जाएगी।' ऐसी बातें समझाने और कहने से बच्चे आपकी भावनाओं को समझ पाते हैं।

एक सूची बनाएं

हर बच्चे का शरारत करने का ढंग अलग होता है। कुछ बच्चे शोर मचाते हुए शरारतें करते हैं तो कुछ चुपचाप रहकर बड़ी शरारत कर जाते हैं। इसलिए आप बच्चे के इमोशन को ट्रिगर करने वाली चीजों की सूची बनाएं। उसकी शरारत के पीछे के कारणों को जानें और समझें कि वह ऐसा क्यों करता है। जब आप इन चीजों को पहचान लेंगी तो बच्चे की शरारती हरकतों को शांत करना आपके लिए बहुत आसान हो जाएगा।

सबके सामने गुस्सा नहीं

शरारत करने पर बच्चों को सबके सामने डांटने या कमरे में बंद कर देने जैसी सख्त सजा कभी न दें। यह उनके मन को चोट पहुंचाता है और उनमें आक्रोश पैदा कर सकता है। इसलिए आप उन्हें शरारत से होने वाले नुकसान के बारे में समझाएं। बच्चे को हमेशा प्यार से बताएं कि थोड़ी-बहुत हंसी-मजाक करना तो ठीक है, लेकिन ज्यादा शरारत करना संबंधियों के आगे माता-पिता की छवि को खराब करता है।

समझाना तो पड़ेगा उन्हें

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना बताती हैं, बच्चे जब परिचितों या रिश्तेदारों के सामने अपने माता-पिता के स्वभाव में विनम्रता पाते हैं तो इसका लाभ उठाने की कोशिश करते हैं और मनमानी करने लगते हैं। आज के माहौल में बच्चे के साथ बच्चा बनकर खेलना जरूरी है, लेकिन उसे अपनी सीमाओं का भी पता होना चाहिए। मोह में आकर उसकी सारी मांगों को पूरा करना उसके व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए बच्चे को यह अहसास होते रहना चाहिए कि उसकी जरूरतें पूरी की जा रही हैं, आगे भी थोड़ी-बहुत इच्छाएं पूरी की जा सकती हैं, लेकिन हर काम उसके मन के मुताबिक होना संभव नहीं है। इसलिए माता-पिता का फर्ज है कि वे बच्चे को समझाएं और उसे समाज में एक साधारण व्यक्ति बनकर जीने के लिए तैयार करें।

फ्रीज में रखते हैं ये चीजें, तो जान लीजिए ये जरूरी बातें

आप अपने फ्रिज में क्या-क्या रखते हैं, फ्रीज को खोलकर कभी गौर से देखिये. गर्मियों में और जाड़े में भी फ्रीज में क्या आप गूंथा हुआ आटा, उबली दाल, कटी सब्जियां, फल और मछली, दूध-बटर और पनीर वगैरह-वगैरह..लेकिन क्या आपको पता है फ्रिज के अंदर खाना रखने की भी एक लिमिटेशन होती है, आप इसमें कुछ भी कुछ ही दिनों के लिए सेफ रख सकते हैं. हम फ्रिज में सामान इसलिए रखते हैं क्योंकि इसके अंदर के कम तापमान की वजह से इसमें बैक्टीरिया पनप नहीं पाते हैं। इसी वजह से फ्रिज में रखा खाना एक निश्चित समय तक सुरक्षित बना रहता है

फ्रिज की जिस रैक पर पका हुआ सामान रख रहे हैं उस पर कच्चा सामान न रखें. दोनों को अलग-अलग रैक पर रखें. इससे कच्चे खाने का बैक्टीरिया पके हुए खाने में जाकर उसे खराब नहीं करेगा.पके खाने को स्टील के टिफिन में रखना सबसे सेफ है.

* फ्रिज में फ्रीजर के नीचे वाला सेल्फ बाकियों की तुलना में ज्यादा ठंडा होता है. रेफ्रिजरेटिंग चेंबर का एवरेज टेंपरेचर +3 डिग्री से +6 डिग्री तक होता है.इसलिए सामान के हिसाब से टेंपरेचर रखना चाहिए.

* आटा गूंथकर फ्रिज में रखना गलत है. जब हम आटे में पानी मिलाते हैं तब उसके अंदर केमिकल बदलाव होता है. इसलिए आटे को गूंथते ही फौरन रोटी बना लेनी चाहिए.

जब हम गूंथे आटे को फ्रिज में रखते हैं, तब उसमें मौजूद रे आटे में चली जाती है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाती है. फ्रिज में रखा आटा काला हो जाता है और उसकी रोटी भी कड़क बनती है, जिसे पचाना आसान नहीं होता.

* दूध में बैक्टीरिया जल्दी पनपता है. इसलिए ज्यादा दिन तक इसे फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. डिब्बा बंद दूध (टेट्रा पैक) पर एक्सपायरी डेट होती है, उसे चेक करते रहें. अगर टेट्रा पैक को खोल दिया है तो उसका तुरंत इस्तेमाल करें.

* मक्खन को 15 दिन से ज्यादा फ्रिज में नहीं रखें. इसे फ्रिज में रखने के लिए प्लास्टिक में अच्छी तरह से पैक करें. खाने के 15 मिनट पहले इसे फ्रिज से निकालें.

* मेयोनीज में सिरका, तेल, चीनी और बहुत-सी चीजें मिली होती हैं. इसका इस्तेमाल कर फौरन फ्रिज में रखें. अगर आठ घंटे तक फ्रिज से बाहर है तो इसे दोबारा अंदर रखना सेफ नहीं है.

* ब्रेड कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह सूख जाता है और इसके स्वाद को खराब कर देता है .इसे चार दिन के अंदर खत्म कर देना चाहिए.

* टेट्रा पैक वाला जूस एक्सपायरी डेट को चेक करके ही पिएं. अगर पैकेट खोल दिया है तो उसे 6 दिन के अंदर खत्म करें.

* फ्रिज के टेंपरेचर से आलू में मौजूद स्टार्च ब्रेक हो जाता है. इससे आलू मीठा हो जाता है.

* फूड स्टैंडर्ड एजेंसी के अनुसार, आलू एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसे गलती से भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, ऐसे आलू को पकाने पर एक्रायलामाइट नाम का हानिकारक केमिकल रिलीज होता है. यह हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है.

* टमाटर की बाहरी स्किन फ्रिज में रखने से खराब हो जाती है. इससे इसके स्वाद पर असर पड़ता है. अगर टमाटर ज्यादा पक गया है तो इसे फ्रिज में दो दिन के लिए रख सकते हैं. टमाटर को स्टोर करने के लिए उसे कागज के बैग में रखें.

* प्याज न तो फ्रिज में रखना चाहिए न ही प्लास्टिक बैग में. फ्रिज में रखने से प्याज मुलायम और बेकार हो जाती है. इसे धूप से बचाकर सामान्य टेंपरेचर वाली जगह पर रखना चाहिए.

* पके हुए चावल फ्रिज में रखने के दो दिन के अंदर खा लेने चाहिए. खाने से पहले इसे कुछ देर के लिए नॉर्मल टेंपरेचर पर रखना चाहिए. उसके बाद गर्म कर खाना चाहिए.

* रोटी बनाने के बाद 8 घंटे के अंदर खानी चाहिए. रोटी को फ्रिज में रखकर खाने से बचना चाहिए. अगर ज्यादा बन गई हैं, बच गई हैं, तो इसे फ्रिज में रख सकते हैं, लेकिन इसे भी 8 घंटे के अंदर खा लें.

* दाल की पौष्टिकता बनाए रखने के लिए इसे ताजा बनाकर खाना चाहिए. अगर दाल बच जाती है तो फ्रिज में रखें, लेकिन इसे दूसरे दिन ही खा लें.

* कटे हुए फल को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है. कटे फल बहुत देर तक रखकर नहीं खाना चाहिए. फल जब भी खाना हो उसे उसी वक्त काटें.

दाल-चावल नहीं, इस बार पोहे से तैयार करें स्वादिष्ट इडली

दक्षिण भारत के खाने का स्वाद पूरे देश में फैला हुआ है। जब भी हेल्दी खाने का जिक्र होता है तो उसमें दक्षिण भारत के खाने को लोग प्राथमिकता देते हैं। खासतौर पर इडली और डोसा तो ज्यादातर लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। बड़े-बड़े सिलेब्रिटी भी नाश्ते में डोसा या इडली खाना पसंद करते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, उतना ही ये खाने में स्वादिष्ट लगती है।

अगर इसे पारंपरिक तरह से बनाया जाए तो इसके लिए आपको उड़द की दाल और चावल की जरूरत पड़ेगी, लेकिन अगर आप इंस्टेंट इडली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप पोहा इस्तेमाल करके इडली तैयार कर सकते हैं। पोहे की इडली बनाना भी काफी आसान है, बल्कि ये दाल-चावल की इडली से सरल पड़ेगी। ऐसे में आज के लेख में हम आपको घर पर स्वादिष्ट पोहे की इडली बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं। ताकि आप आप भी इसका स्वाद ले सकें।

पोहे से इडली बनाने का सामान

पोहा - 1 कप
सूजी - 1 कप
दही - 1 कप
नमक - स्वादानुसार
ईनो - 1 छोटा चम्मच
तेल (सांचे में लगाने के लिए)

विधि

पोहे से इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को अच्छे से धो लें और लगभग 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इसे पानी से निकालकर पोहे को पीसकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। पोहे का पेस्ट तैयार करने के बाद एक बड़े बर्तन में इसे लेकर इसमें सूजी और दही को मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर एक गाढ़ा बैटर तैयार करें। अगर ये ज्यादा गाढ़ा हो गया है तो इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स करें।

इस बैटर को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें, ताकि सूजी अच्छे से फूल जाए। 20 मिनट के बाद बैटर में नमक मिलाएं। अब इडली स्टीमर को तैयार करें। स्टीमर में पानी भरके इसे गैस पर चढ़ा दें, ताकि पानी खौल जाए। इसके साथ ही इडली के सांचे में हल्का-हल्का तेल लगाएं।

जब आप इडली स्टीमर तैयार कर लें और पानी उबलने लगे, तब बैटर में ईनो डालें और तुरंत अच्छे से मिलाएं। ईनो डालने के बाद बैटर फूलने लगेगा। अब इडली के हर सांचे में बैटर डालें, लेकिन ध्यान रखें कि सांचे को पूरी तरह से न भरें।

पति-पत्नी के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है झगड़ा

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

व्याकुलता और बेचैनी की समस्या से जूझ रहे हैं तो अपनाएं ये टिप्स

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीख सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेचैनी कैसे परेशानी का सबब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहां जानिए...

लोगों के प्रति मन में गलत धारणा बनाते हैं

ज्यादातर बेचैन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं और न ही उनके हुनर की कद्र करते हैं। उनके मन में खुद को लेकर कोई न कोई शंका हमेशा बनी ही रहती है। जरूरी है कि हमेशा अपने विचारों पर पहरा रखें। देखें कि कब आपके विचार बिना किसी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं।

फीडबैक से हमेशा बचने की कोशिश करते हैं

बेचैन लोग फीडबैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी असफलता का सूचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फीडबैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखें कि आप किस तरह फीडबैक लेना पसंद करते हैं। ओपन फीडबैक लेने का सबसे आसान तरीका खोजें। अगर फीडबैक आपको असहज या उदास करे तो कहें- अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूंगा।

सबकी नजर में मुश्किल व्यक्ति बन जाते हैं

बेचैन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उन्हें असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैए से शर्मिंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टालमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की धारणा भी बन जाती है। अच्छा ये होगा कि आप जिस चीज से असहज हो जाते हैं उसके बारे में सबको पहले ही ईमानदारी से बता दें।

नए विचारों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फेल्युअर से जुड़ी है, तो लोग आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने लगेंगे। इसके बजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर खत्म करें। प्रतिक्रिया देने की जल्दी कभी न करें। बहुत सोच-समझकर जवाब दें।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में क्रिप्टोकरेंसी की एंट्री

डोनाल्ड ट्रंप ने 50 दिन पहले नया क्रिप्टो प्लेटफॉर्म लॉन्च कर चौंकाया

डोनाल्ड ट्रंप ने लॉन्च किया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

, नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। हर बार की तरह इस बार भी विश्व के सबसे शक्तिशाली देश माने जाने वाले युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति की कुर्सी पर कौन बैठेगा-इस लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। इसी महत्वपूर्ण चुनाव से 50 दिन पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक नए डिजिटल करेंसी इनीशिएटिव की शुरुआत कर दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने नया क्रिप्टो प्लेटफॉर्म, 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' लॉन्च किया है और ये एक चौंकाने वाला फैसले के रूप में देखा जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले कई मौकों पर अपनी स्पीच में ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं दिखते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लाइव स्ट्रीम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर कहा कि क्रिप्टोकरेंसी उन चंद बातों में से है जिन्हें हमें मानना पड़ेगा। भले ही हम इसे पसंद करें या ना करें, मुझे ऐसा करना पड़ेगा। जाहिर तौर पर इस कथन को हल्के में नहीं लिया जा सकता क्योंकि लाइव स्ट्रीम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप मौजूद थे। उनके साथ मौजूद क्रिप्टोकरेंसी आंत्रप्रेन्योर चेस हेरो और जाचरी फोकमैन ने बढ़ते डिजिटल करेंसी मार्केट में शामिल होने की जरूरतों के बारे में काफी बात की। उन सभी ने इस बात पर जोर दिया कि यह डिजिटल करेंसी प्लेटफॉर्म 'फाइनेंस' को फिर से महान बना देगा। बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी डिजिटल करेंसी का एक रूप है जिसका इस्तेमाल ग्लोबल बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा किए बिना इंटरनेट पर व्यापार के लिए किया जाता है। हालांकि एक्सचेंज अक्सर बिटकॉइन और दूसरी क्रिप्टोकरेंसीज से विड्रॉल के चार्ज लेते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 50 दिन पहले रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप इस दांव से क्या नए फाइनेंस वर्ल्ड की सोच पर काम कर रहे हैं? या क्रिप्टोकरेंसी को लेकर जैसा बज़ बना रहता है, उसका फायदा लेना चाहते हैं।

2,200% बढ़ गई इनकम

25 स्थान की छलांग... नंबर 1 की कुर्सी के करीब हैं अजीम प्रेमजी

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस देश में सबसे ज्यादा कैश रिच प्राइवेट सेक्टर प्रमोटर बनी हुई है। दूर-दूर तक कोई इसके मुकाबले में नहीं है। 2023-24 में कंपनी ने डिविडेंड और शेयर बायबैक से 36,500 करोड़ रुपये की कमाई की जो पिछले साल के मुकाबले 7.5 परसेंट अधिक है। पिछले साल यानी फाइनेंशियल ईयर 2023 में कंपनी की कमाई 27,800 करोड़ रुपये रही थी। टाटा संस की कमाई में सबसे ज्यादा योगदान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का रहा जो देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है। टीसीएस मार्केट कैप के मामले में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे नंबर पर है। टाटा संस की टीसीएस में 71.74 फीसदी हिस्सेदारी है। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक कमाई के मामले में विप्रो के प्रमोटर अजीम प्रेमजी दूसरे नंबर है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में उन्होंने डिविडेंड और शेयर बायबैक से करीब 9,100 करोड़ रुपये कमाए जो पिछले साल के मुकाबले करीब 22 गुना ज्यादा है। पिछले साल उनकी कमाई 400 करोड़ रुपये रही थी। 2022-23 में वह इस लिस्ट में 27वें नंबर थे लेकिन 2023-24 में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज की प्रमोटर शिव नाडर फैमिली इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है।

अगस्त में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 29.65 अरब डॉलर पर पहुंचा

निर्यात में 9.3% की कमी

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक मांग में कमी और भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अगस्त में भारतीय वस्तुओं का निर्यात 9.3 प्रतिशत घटकर 34.7 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इस महीने देश में आने वाले शिपमेंट यानी आयात में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 64.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस तरह अगस्त में देश का व्यापार घाटा 29.65 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि चीन में भारी मंदी, पेट्रोलियम की कीमतों में गिरावट, यूरोप में मंदी और परिवहन व लॉजिस्टिक्स से जुड़ी चुनौतियों ने वस्तु निर्यात को प्रभावित किया। वित्तीय वर्ष के पहले तीन महीनों (अप्रैल-जून) के दौरान भारत से निर्यात में सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा 109.9 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के वैश्विक व्यापार परिदृश्य और सांख्यिकी ने अप्रैल में कहा था कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से यूरोप में ऊर्जा की ऊंची कीमतों और मुद्रास्फीति के प्रभाव के कारण 2023 में संकुचन के बाद 2024 और 2025 में विश्व वस्तु व्यापार की मात्रा में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया, ₹हम उम्मीद करते हैं कि 2023 में 1.2 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2024 में वैश्विक व्यापार 2.6 प्रतिशत और 2025 में 3.3 प्रतिशत बढ़ेगा। बहुपक्षीय व्यापार निकाय ने चेतावनी दी थी कि क्षेत्रीय संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में इजाफा कर व्यापार में वृद्धि को सीमित कर सकते हैं।

एपल के शेयर धड़ाम

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। एपल के शेयरों को लेकर ऐसी खबर आई है जो इसके निवेशकों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन सकती है. एपल के शेयरों मे सोमवार को 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और इस कंपनी की मार्केट वैल्यू कुल 116 अरब डॉलर घट गई है. दरअसल, आईफ़ोन 16 लॉन्च होने के बाद कुछ एनालिस्ट्स ने कहा था कि आईफ़ोन 16 सीरीज के प्रो मॉडल्स की डिमांड अनुमान से कम रह सकती है. इसका बड़ा कारण कंपनी की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े फीचर्स लाने में देरी है. एनालिस्ट के बयान बाद से ही एपल के शेयर में गिरावट जारी है और कंपनी को बीते 24 घंटे में करोड़ों का नुकसान हो गया है.टीएफ सिक्योरिटीज के एनालिस्ट, मिंग-ची कू ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया है कि आईफ़ोन 16 औरआईफोन 16 प्लस के लिए पिछली सीरीज के समान मॉडल्स की तुलना में डिमांड वर्ष-दर-वर्ष आधार पर बढ़ी है.

अनिल अंबानी तो हो चुके शेयर मार्केट से बैन लेकिन उनकी कंपनी का शेयर क्यों चढ़ रहा- वजह दिलचस्प है

अनिल अंबानी की कंपनी के शेयरों में उछाल क्यों

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया और देश के सबसे रईस शख्स मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी भी चर्चा में बने रहते हैं. आज उनकी कंपनी से जुड़ी एक खबर के दम पर शेयर तेजी से दौड़ रहे हैं। ये शेयर है रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर । हालांकि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के बोर्ड से अनिल अंबानी ने इस्तीफा दे दिया था और 25 अगस्त (रविवार) को उनके प्रवक्ता ने इस फैसले की जानकारी दी थी फिर भी उनसे जुड़ी कंपनी के शेयरों में जिस खबर के दम पर उड़ान देखी जा रही है, वो जानें। अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में इसलिए तेजी आ रही है क्योंकि इस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी की फंडरेजिंग की खबरें आई हैं. कंपनी पूंजी जुटाने के लिए नए शेयर जारी करने और कन्वर्टिबल डिबेंचर इक्विटी जारी करने सहित अलग-अलग विकल्प तलाश रही है. पूंजी जुटाने की योजना के बीच अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में उछाल के पीछे यही बड़ा कारण सामने आ रहा है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने 16 सितंबर को ऐलान किया था कि पूंजी जुटाने के रास्ते तलाशने के लिए कंपनी के बोर्ड की 19 सितंबर, 2024 को बैठक होने वाली है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रूक्चर ने दी एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक्सचेंज को फाइलिंग में जानकारी दे दी है जिसके मुताबिक संभावित पूंजी जुटाने के विकल्पों पर चर्चा के लिए आने वाली बोर्ड बैठक में चर्चा की जाएगी।

क्या है रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का ताजा अपडेट

दोपहर 1 बजे रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर में 229.07 रुपये प्रति शेयर का भाव देखा जा रहा है और ये 6.03 फीसदी की उछाल पर है. रुपये में देखें तो इसमें 13.02 रुपये की बढ़त देखी जा चुकी है। हालिया रेगुलेटरी चुनौतियों के बावजूद रिलायंस इंफ्रा में ये तेजी उत्साहजनक दिख रही है। जब अनिल अंबानी के खिलाफ सेबी के एक्शन की खबर आई थी तो पिछले महीने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 9 अगस्त को 10.99 फीसदी नीचे जाकर 209.99 रुपये पर बंद हुए थे। तब के निचले स्तर से आज का ऊपरी स्तर देखें तो शेयर करीब 20 रुपये उछाल दिखा चुका है।

हाल ही में अनिल अंबानी पर सेबी का रुख हुआ सख्त- कर दिया शेयर बाजार से बैन

हाल ही में सेबी ने अनिल अंबानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कैपिटल मार्केट में अनिल अंबानी की भागीदारी पर पांच साल का बैन भी सेबी ने लगाया है. कथित रूप से पैसे के गलत ट्रांसफर की जांच के बाद अनिल अंबानी सेबी के लपेटे में आ गए और शेयर मार्केट से पांच साल के लिए बैन हो गए. अनिल अंबानी के ऊपर 25 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगा और किसी भी लिस्टेड कंपनी में प्रबंधकीय पद लेने से भी रोक दिए गए।

फेड रिजर्व की बैठक से पहले भारतीय शेयर बाजार हुआ सतर्क

मामूली तेजी के साथ सेंसेक्स-निफ्टी बंद, ओला 10 फीसदी चढ़ा

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। ब्याज दरों को लेकर आज से शुरू हो रहे दो दिवसीय फेड रिजर्व की बैठक से पहले भारतीय शेयर बाजार में बेहद सीमित दायरे में ट्रेड देखा गया है। हालांकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एनर्जी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 90 अंकों की उछाल के साथ 83,080 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 35 अंकों की उछाल के साथ 25,418 अंकों पर बंद हुआ है।

निवेशकों को मामूली नुकसान

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में गिरावट के चलते मार्केट कैप मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड शेयरो का मार्केट कैप 470.21 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 470.47 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था। यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 26000 करोड़ रुपये की कमी देखने को मिली है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 स्टॉक्स तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में भी 25 स्टॉक्स तेजी के साथ और 25 गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई पर 4058 शेयरों की ट्रेडिग हुई जिसमें 1712 स्टॉक्स तेजी के साथ और 2237 गिरकर बंद हुए और 109 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस 1.59 फीसदी, एनटीपीसी 1.27 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.14 फीसदी, टाइटन 0.86 फीसदी, एल एंड टी 0.83 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.75 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.33 फीसदी, एचयूएल 0.33 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.29 फीसदी, सन फार्मा 0.11 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले स्टॉक्स में टाटा मोटर्स 1.33 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.93 फीसदी, आईटीसी 0.91 फीसदी, टाटा स्टील 0.91 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.65 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, बैंकिंग, ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, एनर्जी, इंफ्रा और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर में तेजी देखने को मिली है जबकि फार्मा, मेटल्स, मीडिया और हेल्थकेयर स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. निफ्टी के मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कन्या	मे
चंद्र-	मीन	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध-	सिंह	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कन्या	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
कन्या..	06-05	बजे
तुला...	08-11	बजे
वृश्चिक	10-21	बजे
धनु-	12-34	बजे
मकर...	14-37	बजे
कुंभ--	16-32	बजे
मीन-	18-09	बजे
मेष---	18-45	बजे
वृष---	21-30	बजे
मिथुन	23-30	बजे
कर्क--	01-44	बजे
सिंह---	03-58	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त. - 18-12
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 08-04 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - भाद्रपद शुक्ल , बुधवार 18 September
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 11-00 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - गण्ड 23-28 तक उप वृद्धि
करण- बव 08-04 तक उप बालव
विशेष:- पूर्णिमा पुण्य, एकम का श्राद्ध
व्रत -त्योहार - चंद्र ग्रहण विदेशों में है।

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:10 से 13:41 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:08 - 07:37	शुभ	उत्पात	18:12 - 19:43	अशुभ
अमृत	07:37 - 09:08	शुभ	शुभ.	19:43 - 21:12	शुभ
काल	09:08 - 10:39	अशुभ	अमृत	21:12 - 22:41	शुभ
शुभ..	10:39 - 12:10	शुभ	चंचल	22:41 - 00:10	शुभ
रोग	12:10 - 13:41	अशुभ	रोग	00:10 - 01:39	अशुभ
उत्पात	13:41 - 15:12	अशुभ	काल.	01:39 - 03:08	अशुभ
चंचल	15:12 - 16:43	शुभ	लाभ.	03:08 - 04:37	शुभ
लाभ	16:43 - 18:12	शुभ	उत्पात	04:37 - 06:08	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योंकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं ।आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी। आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है |आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी । ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी । इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा । ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

थोक बाजार में भी घटी कीमतें, जुलाई में इतनी नीचे आई महंगाई

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में अब महंगाई का असर नरम पड़ता दिख रहा है. भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो दरों में बढ़ोतरी करने और उसे एक साल से भी ज्यादा समय तक बनाए रखने की वजह से अब महंगाई दर नीचे आई है। कुछ दिन पहले रिटेल महंगाई दर के आंकड़े सामने आए थे, जो अगस्त में 4 प्रतिशत से नीचे रही है। वहीं अब थोक बाजार के आंकड़े भी सरकार ने जारी कर दिए हैं। होलसेल प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई दर में अगस्त में लगातार दूसरे महीने गिरावट दर्ज की गई है। सब्जियों, खाने-पीने की चीजों के दाम कम होने और ईंधन के सस्ते होने से थोक महंगाई दर लगातार दूसरे महीने गिरी है। अगस्त में यह 1.31 प्रतिशत रही है. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को इसके लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं।

घट रही देश में महंगाई की मार

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर जुलाई में भी कम हुई थी. जुलाई में यह 2.04 प्रतिशत थी. जबकि पिछले साल अगस्त में यह (-) 0.46 प्रतिशत रही थी. इसी तरह कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई दर अगस्त में 3.65 प्रतिशत रही है। जबकि जुलाई 2024 में ये 3.60 प्रतिशत थी। अगस्त 2023 से तुलना करें तो रिटेल महंगाई का स्तर करीब 50 प्रतिशत तक नीचे आया है, क्योंकि महंगाई तब 6.83 प्रतिशत थी।

किस सेगमेंट में कितनी रही थोक महंगाई ?

उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अगस्त 2024 में खाने-पीने की चीजों, फूड प्रोसेसिंग प्रोडक्ट्स, अन्य मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट, कपड़ा मैन्यूफैक्चरिंग, मशीनरी एवं टूल्स इत्यादि की मैन्यूफैक्चरिंग कॉस्ट में कमी आई है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई अगस्त में 3.11 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में यह 3.45 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में अगस्त में 10.01 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि जुलाई में यह 8.93 प्रतिशत थी। आलू और प्याज की कीमतें अगस्त में भी ऊंची बनी रही। इनकी कीमतों में महंगाई क्रमशः 77.96 प्रतिशत और 65.75 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही। वहीं ईंधन और बिजली कैटेगरी में महंगाई दर जुलाई में 1.72 प्रतिशत के मुकाबले अगस्त में 0.67 प्रतिशत रही।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से रिटेल इंफ्लेशन को ध्यान में रखता है। आरबीआई ने अगस्त की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर को लगातार नौवीं बार 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा था।

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 'भास्कर' मंच शुरू

दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रजिस्ट्री बनाना लक्ष्य

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को 'भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री' (भास्कर) मंच की शुरुआत की गई। यह स्टार्टअप, निवेशकों, सलाहकारों, सेवा प्रदाताओं और सरकारी निकायों समेत सभी प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग एवं विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भास्कर मंच की शुरुआत करते हुए कहा, यह सलाह पाने और फंडिंग जैसी विभिन्न जरूरतों को पूरा करने की जद्दोजहद में लगे स्टार्टअप के लिए संपर्क का एकल केंद्र बनेगा। वर्तमान में देशभर में 1.46 लाख से अधिक सरकारी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इस तरह, भारत दुनिया का सबसे गतिशील स्टार्टअप गढ़ बनकर उभरा है।

दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रजिस्ट्री बनाना है लक्ष्य

भास्कर मंच का प्राथमिक लक्ष्य स्टार्टअप तंत्र से जुड़े हितधारकों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रजिस्ट्री तैयार करना है। इस लक्ष्य को पाने के लिए यह मंच नेटवर्किंग और सहयोग मुहैया कराएगा। संसाधनों तक केंद्रीकृत पहुंच देगा। व्यक्तिगत पहचान बनाएगा। खोज क्षमता बढ़ाएगा और भारत के वैश्विक ब्रांड का समर्थन करेगा।

गैर-लाभकारी कंपनी बनाकर सभी निकायों को साथ लाने की तैयारी

गोयल ने कहा, कंपनी कानून की धारा-8 के तहत एक गैर-लाभकारी इकाई बनाने का निर्णय लिया गया है। इसमें स्टार्टअप इंडिया से जुड़ी सभी पहलों और निकायों को साथ लाया जाएगा। यह कंपनी 'इन्वेस्ट इंडिया' की तरह उद्योग नेतृत्व वाली हो सकती है, जो अपने मामलों का प्रबंधन कर सकती है। मंत्री ने कहा, हम इसे उत्प्रेरक के रूप में समर्थन देंगे। इसका स्वतंत्र बोर्ड और संगठनात्मक ढांचा होगा। इसकी निगरानी होगी। राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद भी इसका हिस्सा हो सकती है। गोयल ने उद्यमियों और स्टार्टअप को समर्पित एक टाउनशिप बनाने का भी सुझाव दिया।

खराब मौसम के कारण चाय का उत्पादन घटा

बढ़ सकती हैं कीमतें, उद्योग ने सरकार से की ये मांग

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय चाय संघ के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में देश में चाय उत्पादन में काफी गिरावट आई है। असम में चाय के उत्पादन में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जुलाई तक पश्चिम बंगाल में चाय का उत्पादन 21 प्रतिशत कम हुआ है। एसोसिएशन ने इस गिरावट के लिए मई तक अपर्याप्त वर्षा और अत्यधिक गर्मी को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद जून और जुलाई में अत्यधिक वर्षा हुई, जिससे चालू सीजन के दौरान फसल उत्पादन में बाधा आई। एसोसिएशन ने कहा, उत्तर भारतीय चाय उद्योग का उत्पादन आंकड़ा मई तक लगातार अपर्याप्त वर्षा व अत्यधिक गर्मी और जून-जुलाई में अत्यधिक वर्षा के कारण एक अनिश्चित स्थिति में रहा। एसोसिएशन के अनुसार, पश्चिम बंगाल और असम दोनों में चाय की झाड़ियों को कमजोर करने वाले गंभीर कीट और रोग संक्रमण से स्थिति और भी खराब हो गई है। एसोसिएशन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इससे आने वाले महीनों में फसल को और नुकसान हो सकता है। एसोसिएशन से जुड़े चाय बागानों से मिली रिपोर्ट्स से पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में अगस्त तक चाय उत्पादन में लगभग 10 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। असम के बागान पिछले वर्ष की तुलना में अगस्त 2024 तक लगभग 3 प्रतिशत पीछे रह सकते हैं। परिचालन का समय से पहले बंद होना और 2024 में 160-170 मिलियन किलोग्राम चाय का अनुमानित नुकसान भी चिंता का कारण है। एसोसिएशन ने कहा कि उत्तर भारतीय चाय की कीमतों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि उत्पादन में कमी की भरपाई करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

भुवनेश्वर में रांची के छात्र की मौत

परिजन बोले- हत्या हुई, हेमंत सोरेन ने की ओडिशा सीएम से जांच की मांग

रांची, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के इंजीनियरिंग के छात्र की ओड़िशा के आईटीआर इंजीनियरिंग कॉलेज में सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। कॉलेज और पुलिस प्रशासन ने इसे दुर्घटना बताया है। हालांकि छात्र के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित परिवार से रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने डोरंडा रविदास मुहल्ला स्थित परिजनों से मुलाकात की है, जहां उन्हें मृतक छात्र अभिषेक रवि के पिता अनुपचंद राम ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि अभिषेक की मौत आईटीआर इंजीनियरिंग कॉलेज में सीढ़ी से गिरने हुई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे की रैगिंग कर उसकी हत्या की गई है। कॉलेज प्रबंधन और पुलिस प्रशासन मिलीभगत से हत्या को दुर्घटना का रूप देने की कोशिश में लगी हुई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इस संबंध में भुनेश्वर में संपर्क कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। साथ ही जरूरत पड़ने पर पीड़ित परिवार के साथ भुनेश्वर तक जाने की बात कही है। पीड़ित परिवार से मिलने से पहले राज्यसभा सांसद अजय मारू, रविदास महासभा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार रवि, उपाध्यक्ष दशरथ राम, उपाध्यक्ष संतोष रवि, महासचिव दीपक राम, महासचिव प्रदीप रवि चौधरी, गजेन्द्र राम, राजेश राम, नागेश्वर राम समेत रविदास महासभा के पदाधिकारी और सदस्य गए थे। वहीं नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने अभिषेक के परिजनों के आरोपों पर कहा है कि अगर रैगिंग और हत्या से यह जुड़ा मामला है, तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने ओड़िशा के राज्यपाल रघुवर दास और सीएम निष्पक्ष जांच कराएं। ताकि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो सके। इस पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अभिषेक रवि की मौत मामले में ओड़िशा के सीएम मोहन चारण मांझी से मांग की है कि इस मौत मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए। उन्होंने आग्रह किया है कि इसकी जांच करा कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने मृतक छात्र के परिजनों के प्रति दुख व्यक्त किया है।

ईद-मिलादुन्नबी पर लगाया गया फिलिस्तीनी झंडा

हिंदू संगठन ने थाने का घेराव कर किया हंगामा कहा-ऐसे लोगों को कोड़े मारते हुए ले जाएं

बिलासपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में ईद मिलादुन्नबी पर फिलिस्तीनी झंडे का बैनर लगाया गया। विदेशी झंडा लगाने के विरोध में हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध जताया। आज मंगलवार को थाने का घेराव किया और नारेबाजी कर हंगामा किया। धर्म के नाम पर उन्माद फैलाने वालों पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। मामला तारबाहर इलाके का है। दरअसल, सोमवार को शहर में ईद मिलादुन्नबी के त्योहार पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस निकाला। साथ ही जगह-जगह बैनर-पोस्टर और झंडे भी लगाए गए थे।

इसी दौरान तारबाहर के खुदीराम बोस चौक के पास समुदाय विशेष के कुछ अज्ञात लोगों ने फिलिस्तीनी झंडे का बैनर लगा दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही हिन्दू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने पुलिस से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। समिति के लोगों से पूछताछ कर संदेहियों की जानकारी जुटाने लगी है। पुलिस ने फिलिस्तीनी झंडे के बैनर को जब्त कर लिया है। झंडा लगाने वाले वाले अज्ञात लोगों की तलाश में जुट गई।

हिंदू संगठन के यतेंद्र नाथ मिश्रा का कहना है कि, भारत में रहकर फिलिस्तीन का झंडा लगाना कहां की नैतिकता को दिखता है। यह कृत्य क्षमा योग्य नहीं है। ऐसे लोगों को कोड़े मारते हुए नग्न कर ले जाना चाहिए। यह काम प्रशासन का है, लेकिन हिंदू यह खुद करने लगे, तो प्रशासन कुछ कर भी नहीं पाएगी।

उन्होंने कहा कि, यह बहुत ही सुनियोजित तरीके से किया गया है। यह हिंदू के लिए बहुत ही शर्मनाक है। प्रशासन को जल्द से जल्द आपराधिक तत्वों को गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए। इसमें स्लीपर सेल के लोग भी हो सकते हैं, जो आपसी असमंजस्य को बिगाड़ना चाहते हैं।

युवक को बदमाशों ने कटर से मारा

चेहरे-सीने और हाथ-पेट में चोट, गणेश-पंडाल के पास शराब पीने से मना करने पर वारदात

भिलाई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गणेश पंडाल के पास शराब पीने से मना करने पर बदमाशों ने एक युवक को जमकर पीटा और कटर से काट दिया। युवक जब लहूलुहान होकर गिरा तो आरोपी फरार हो गए। घायल की हालत गंभीर बनी है। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामला भिलाई के राम नगर क्षेत्र का है। दरअसल, देर रात परदेशी चौक बघवा मंदिर के पास यूसुफ खान और संजू यादव अपने दोस्तों के साथ शराब पी रहे थे। वहीं पर गणेश पंडाल होने से हर्ष ताम्रकार नाम के युवक ने ऐसा करने से मना किया। विरोध के बाद वो लोग वहां से देख लेने की धमकी देकर चले गए।

बताया जा रहा है कि थोड़ी देर बाद बदमाश साथियों के साथ फिर पहुंचे। सैलून गणेश पूजा पंडाल के पास खड़े हर्ष ताम्रकार से झगड़ा करने लगे। हर्ष ने जब यूसुफ और संजू को कहा कि वह लोग मोहल्ले के ही हैं। गाली गलौज करोगे तो ठीक नहीं होगा। इस पर संजू उसे पीटने लगा। वहीं एक बदमाश अपनी जेब से ब्लेडनुमा कटर निकाला और कर दिया। देर रात 12 बजे हुई इस घटना में आरोपियों ने हर्ष के चेहरे, सीने, हाथ और पेट के पास हमला किया। वहीं मारपीट देख आसपास के लोग दौड़े। लोगों को आता देख आरोपी मौके से भाग निकले। सूचना मिलने पर वैशाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल पहुंचाया। उसे बीएम शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि अस्पताल नहीं भेजते तो युवक की मौत हो जाती। वारदात के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को भागते हुए जगदलपुर से गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

'रवीना टंडन' की 'स्पेशल-8' गैंग ने आशिक मिजाज लखपतियों का किया शिकार

ऐसे पकड़े गए हर किरदार

बालौदाबाजार, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालौदाबाजार जिले में पुलिस ने एक सेक्सटॉर्शन गैंग का खुलासा किया है। इस गैंग के निशाने पर हाई प्रोफाइल लोग होते थे। लोगों को ट्रैप करने के लिए चेहरा रवीना टंडन बनती थी और वसूली का काम उससे जुड़े लोग करते थे। इसमें वकील से लेकर पत्रकार तक शामिल हैं। अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि इस गिरोह ने 41 लाख रुपए से अधिक की वसूली की है। रवीना टंडन, दुर्गा टंडन, वकील, पत्रकार और पूर्व विधायक प्रतिनिधि समेत कुल आठ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला उजागर होने के बाद पांच पीड़ित ने अब तक शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

यह मामला तब सामने आया है, जब बालौदाबाजार के एएसपी अभिषेक सिंह के पास कारोबारियों ने ब्लैकमेल की शिकायत की थी। इसके बाद पुलिस ने पड़ताल शुरू की। साथ ही लोगों से अपील की कि अगर आप पीड़ित हैं तो शिकायत करें। आपका नाम गुप्त रखा जाए। इस दौरान हनीट्रैप गैंग में पैसे बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसकी खबर पुलिस तक पहुंच गई। पुलिस ने जब मामले की पड़ताल शुरू की तो धीरे-धीरे लोग अपनी शिकायत लेकर आने लगे। वे ये लोग थे जो इस गैंग के शिकार हुए थे। गैंग के लोगों ने इनसे लाखों रुपए की वसूली की थी। इनके ट्रैप में फंसे लोग हाईप्रोफाइल थे, जैसे रिटायर्ड बैंक अधिकारी, कारोबारी और सरकारी कर्मचारी। ये लोग वैसे ही लोगों को अपना टारगेट बनाते थे, जिनके पास अधिक रुपए होते थे। रवीना टंडन और उसके गिरोह के लोगों का यह काम कई महीनों से चल रहा था। सामाजिक डर की वजह से कई लोग पैसे देकर पीछा छुड़ा लेते थे। जांच के दौरान यह जानकारी आई कि करीब तीन साल से ये लोग ऐसा काम कर रहे थे। पुलिस ने इस केस में सबसे पहले वकील महान मिश्रा को ही गिरफ्तार किया था। अप्रैल महीने से जारी कार्रवाई अभी भी चल रही है। अभी तक कुल 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस गिरोह में पत्रकार से लेकर कॉलगर्ल तक शामिल थी। पुलिस की जांच में यह पता चला है कि लक्ष्मीकांत केशरवानी ही मास्टरमाइंड था। इसे पुष्पमाला के साथ गिरफ्तार किया गया है। वह टिफिन सेंटर चलाने का काम करता था। लक्ष्मीकांत ही शहर में वैसे लोगों की रेकी करता था जो अकेले रहते थे। ऐसे लोगों की जानकारी वह दुर्गा टंडन और उसके पति को देता था। इनके बारे में बताया जा रहा है कि ये लोग शहर में कॉल गर्ल की सप्लाई करते थे। गिरोह के लोगों के निशाने पर आशिक मिजाज लोग होते थे। जैसे जिनकी पत्नी न हो, सिंगल्स हो और एकाकीपन दूर करना चाहते हो। लक्ष्मीकांत वैसे लोगों का भरोसा जीतता था। साथ ही हसीनाओं से मिलवाने का वादा करता था। उनके हामी भरने के बाद उन तक लड़कियों को भेजता था। रवीन टंडन भी इन्हीं लोगों के साथ जुड़कर काम करती थी। ग्राहकों की डिमांड पर उनके सामने सज धजकर रवीना टंडन और पुष्पमाला जाती थी। इसके अलावे अन्य लड़कियों को भी इनके पास भेजते थे। ग्राहकों से मिलने के लिए ये लोग होटल या किसी निजी जगह पर जाती थीं।

होटल के कमरे में संबंध बनाते वक्त बड़े लोगों के साथ रवीना टंडन और अन्य महिलाएं आपत्तिजनक वीडियो बना लेती थीं। इसके बाद उनसे उगाही के लिए अश्लील वीडियो दिखाते थे।

मालगाड़ी इंजन हुआ डिरेल

डिंडाल्को प्लांट से माल उतार वापस आ रही थी गाड़ी, जान-माल का नहीं हुआ नुकसान

रांची/मुरी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मुरी स्टेशन के नजदीक एक मालगाड़ी में लगे दो इंजन हादसे का शिकार हो गए। खाली मालगाड़ी में दो इंजन लगे हुए थे। जिसमें से एक इंजन पटरी के बगल में पलट गया। वहीं दूसरा इंजन पटरी पर ही डिरेल हो गया। इस हादसे में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। हादसे के बाद मुरी पुलिस भी मौके पहुंची।

रेलवे के अधिकारी भी मौके पर पहुंच जांच कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मालगाड़ी लोहरदगा से माल लेकर हिंडाल्को के मुरी स्थित प्लांट आई थी। प्लांट में माल अनलोड कर ट्रेन वापस हो रही थी। इसी बीच मुरी स्टेशन से दस किमी रांची की ओर लगाम नामक जगह पर यह हादसा हो गया। जिस जगह मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है, वह सुइसा रेल डिवीजन के तहत आता है।

दो दिनों से हो रही बारिश से किसानों में खुशी

अब मौसम विभाग ने दिया नया अलर्ट

सरगुजा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनें होने के कारण इसका असर उत्तर छत्तीसगढ़ से लेकर झारखंड तक देखा जा रहा है। यही कारण है कि सरगुजा जिले सहित संभाग भर के क्षेत्र में दो दिनों से ही मूसलधार बारिश का क्रम चलता रहा और पूरे दिन झमाझम वर्षा हुई। वहीं, आज भी संभाग भर में रुक रुककर बारिश होने का सिलसिला चलता रहा।

सावन के महीने में जिस तरह से बारिश ने पूरे सरगुजा संभाग को सराबोर कर दिया। वहीं, भादो मास में भी झमाझम वर्षा होने से किसान काफी उत्साहित हैं। उनके चेहरे पर धान की फसल को लेकर खुशियां साफ तौर पर देखी जा रही है। अम्बिकापुर में हुई झमाझम बारिश के कारण जहां सभी नदियां, नाले उफान पर हैं वहीं जगह जगह पेडों के धराशाही होने की भी खबरें आ रही है।

अम्बिकापुर के घड़ी चौक के पास स्थित कलाकेन्द्र में भी एक पेड़ धराशायी होकर गिर गया, जिसके चपेट में आने से दो लोग घायल हो गए। लोगों के साथ ही वहां पर खड़े वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश के दौरान धराशायी पेड़ दो बाइक और स्कार्पियो के अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए वाहन में कुछ महिलाएं भी बैठी हुई थी लेकिन कोई अनहोनी नहीं हुई। गौरतलब है कि बरसात के शुरुआती दिनों में कम बारिश ने किसानों के साथ साथ आम जनता में चिंता की लकीर डाल दी थी, लेकिन अचानक से शुरू हुई बारिश ने पूरे सावन भर लोगों को राहत दी और अब भादो में भी लगातार बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी है। संभाग भर के जलाशय सहित तालाब लबालब हो गए हैं।

अंबिकापुर के मौसम विभाग के प्रभारी एस के मण्डल नें बताया कि पिछले 24 घंटों में बलरामपुर में 105 मिमी, सूरजपुर जिले में 74 मिमी और सरगुजा में 51.4 मिलीमिटर वर्षा दर्ज की गई है। ताजा मौसम की बात करें तो अभी भी उत्तरी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिससे सरगुजा संभाग में कई जगहों पर भारी बारिश के साथ ही अति बारिश के आसार बने हुए हैं। आने वाले अगले 24 घंटों में भी कई जगहों पर भारी के साथ अति भारी बारिश के आसार है।

5 लाख 11 हजार आवास हितग्राहियों को 2044 करोड़ ट्रांसफर

पीएम मोदी ने जारी की पहली किस्त, सीएम बोले- शिकायत पर होगी कलेक्टर्स पर कार्रवाई

रायपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 5 लाख 11 हजार पीएम आवास हितग्राहियों को 2044 करोड़ की पहली किस्त की राशि ट्रांसफर किए हैं। इसी बीच सीएम विष्णुदेव साय ने मोर आवास, मोर अधिकार कार्यक्रम में एक महिला हितग्राही के पैर धोए। हितग्राही के सामने हाथ जोड़े और मकान भी सौंपा। रायपुर में मंगलवार को इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम के दौरान सीएम साय ने कहा कि पीएम आवास के लिए किसी को भी एक पैसा देने की जरूरत नहीं है। अगर एक रुपए की भी वित्तीय शिकायत आती है तो सीधे कलेक्टर्स पर कार्रवाई की जाएगी। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 8 लाख 46 हजार 932, शहरी आवास योजना के 23 हजार 71 हितग्राहियों को आवास दिए जा रहे हैं। देशभर में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास का 30 प्रतिशत आवास छत्तीसगढ़ में स्वीकृत हुआ है, यह बड़ी बात है। साय ने कहा कि पीएम ने कहा था कि सरकार बनते ही वंचित हितग्राहियों को 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की मंजूरी देंगे। वो पूरा हो रहा है। साय ने कहा कि 8 लाख 46 हजार 932 हितग्राहियों को पैसे जारी किए जा चुके हैं।

वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि ऐसे लोग जिनका नाम आवास की लिस्ट में रह गया था। उनको भी नाम जोड़ने का अवसर मिलेगा। विजय शर्मा ने कहा कि 2011 के आवासहीनों की सूची जिसे परमानेंट वेटिंग लिस्ट कहा जाता है, वह छत्तीसगढ़ में पूरी हुई है। आवास प्लस की सूची में भी लगता था कि हमारे गांव में कुछ लोग हैं, जिनका नाम अब भी छूटा हुआ है। ऐसे छूटे हुए लोगों के नाम भी जोड़े जा सकेंगे। 17 सितंबर को ही लगभग 1 लाख 96 हजार वो प्रधानमंत्री आवास जो साय सरकार बनने के बाद प्रदेश में बने हैं, उनका भी गृह प्रवेश होगा। विजय शर्मा ने बताया कि अभी जिनके पास टू व्हीलर है, मछली पकड़ने की नाव है, रेफ्रीजरेटर है, लैंडलाइन फोन है, या जिनकी आय 10 हजार रुपए थी। वह अब 15 हजार तक है, जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे सभी प्रधानमंत्री आवास के लिए पात्र होंगे।

झारखंड के वेटलिफ्टर बाबूलाल हेंब्रम का फिजी में कमाल

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीता सोना जेएसएसपीएस से ले रहा ट्रेनिंग, पिता करते हैं मजदूरी

रांची, 17 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के आदिवासी बेटे बाबूलाल हेंब्रम ने फिजी में चल रहे कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कमाल कर दिया है। यहां आयोजित चैंपियनशिप के वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में सोना जीता है। उसने इस जीत के साथ न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। रामगढ़ का रहने वाला बाबूलाल हेंब्रम झारखंड सरकार और सीसीएल के संयुक्त प्रयास से संचालित झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसायटी (जेएसएसपीएस) का खिलाड़ी है। उसने फिजी में आयोजित यूथ कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप (16 - 21 सितंबर) के 49 किलोग्राम वर्ग में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड बनाए हैं।

झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसायटी से मिली जानकारी के अनुसार बाबूलाल हेंब्रम रामगढ जिला के हेसागढ़ा गांव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम कैला मांझी है। वह पेशे से दैनिक मजदूर हैं। बाबूलाल हेंब्रम बचपन से ही खेल में रुचि रखता था। यही वजह है कि उसका चयन जेएसएसपीएस में हुआ, जहां प्रशिक्षण ले रहा है।

झारखंड में उफनाईं नदियां, तेनुघाट-कांके डैम के फाटक खोले गए

4 जिलों में ऑरेंज और 10 में यलो अलर्ट, रजरप्पा मंदिर परिसर में घुसा पानी

रांची, 17 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। डैम लबालब हो गए हैं। खरकई और स्वर्ण रेखा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को बोकारो के तेनुघाट डैम के 8 गेट खोलने पड़े। रांची में कांके डैम, हटिया डैम और गेतलसूद डैम के जलस्तर में इजाफा हुआ है। कांके डैम का तीन फाटक खोला गया है। 16 सितंबर तक राज्य में सामान्य वर्षा 927.9 एमएम होनी चाहिए थी, अबतक 867.8 एमएम बारिश हो गई है। ऐसे में मात्र 6% की कमी रह गई है। आईएमडी के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक ने कहा कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल पर बना डीप डिप्रेशन अब झारखंड के काफी करीब पहुंच गया है। इस वजह से लगातार बारिश हो रही है।

इस दौरान 40 से 70 किमी की रफ्तार से हवा चल रही है। 17 सितंबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार और सिमडेगा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, चतरा, रांची, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश चतरा के टंडवा में 163 मिमी, लावालौंग में 145.4 मिमी, सिमरिया में 142 मिमी, धनबाद मैथन में 140.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

सीएम साय ने विश्वकर्मा जयंती पर मजदूरों को दी बड़ी सौगात

अब छत्तीसगढ़ में लागू होंगी ये दो योजनायें

रायपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने आज मंगलवार को विश्वकर्मा जयंती पर मजदूरों को दो बड़ी सौगात दी है। रायपुर के जोरा स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में श्रमिकों के हित में दो महत्वपूर्ण घोषणायें की हैं। अब प्रदेशभर में श्रमिकों को पांच रुपये में भरपेट भोजन मिलेगा। इसके लिये राज्यभर में अन्नपूर्णा दाल-भात केंद्र खोले जायेंगे। दूसरी सौगात के रूप में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्ननिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने 57 हजार श्रमिकों के खातों में 49.43 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की।

श्रम विभाग की ओर से विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री साय के मुख्य आतिथ्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा के कृषि मंडपम में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए संचालित 30 जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन प्राप्त आवेदन में से पात्र हितग्राहियों को योजना में प्रावधान अनुरूप सहायता राशि से लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम अंतर्गत श्रमिक हित में किये जा रहे विभाग के प्रयासों एवं सफलताओं को विभिन्न गतिविधियों के स्टालों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक ख़ुशवंत साहेब, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में श्रम विभाग की वेबसाइट श्रमेव जयते को बटन दबाकर लॉंच किया। इस वेबसाइट के डिज़ाइन को बेहतर बनाने के साथ डैशबोर्ड भी बनाया गया है।

यह द्वि-भाषायी रहेगा, जिससे हिन्दी और इंग्लिश दोनों भाषा में सामग्री उपलब्ध रहेगी। यह नई वेबसाइट मोबाइल फ्रेंडली भी रहेगी। वेबसाइट में ई-टिकटिंग प्रणाली श्रमिकों के शिकायत निवारण प्रणाली को सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर आसान बनाया है।

इसमें आई शिकायत का समाधान भी सात दिन में किया जाएगा ऐसा न होने पर मामला ऑनलाइन उच्च अधिकारियों तकचला जाएगा। सम्मेलन में 0771 3505050 हेल्पलाइन नंबर भी उपस्थित श्रमिकों के साथ साझा किया गया।

हेमंत सरकार खर्च करेगी 25 हजार करोड़ से अधिक राशि

रांची, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन सरकार ने भारतीय संविधान के लोक कल्याणकारी सरकार की राह पर तेजी से बढ़ रही है। कतिपय मामलों में इसने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को भी पीछे छोड़ दिया है। केजरीवाल सरकार की मुफ्त बिजली और पानी की योजना हिट हुई थी। झारखंड में भी मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, मुफ्त बिजली और बकाया बिजली माफ करने जैसी योजनाएं हिट हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की जनता राज्य सरकार के इन फैसलों से अति उत्साहित हैं। भले ही इन योजनाओं को अमल में लाने पर राज्य सरकार के कोष पर प्रति वर्ष 25 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च होगी।

सीबीआई अफसर बनकर 16 लाख की ठगी

बीमा-कंपनी के सर्वेयर से ठग बोला- मनी-लॉन्ड्रिंग केस में आया है नाम, होगी सीबीआई जांच

बिलासपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सीबीआई अफसर बनकर ठग ने बीमा कंपनी के सर्वेयर से 16 लाख 50 हजार रुपए वसूल लिए। कथित अफसर ने उसे झांसा दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी में उसका नाम आ गया है। अब उसके खिलाफ सीबीआई जांच होगी। इससे बचना है तो पैसे देने होंगे।

फर्जी सीबीआई अफसर की धमकी की डर से बचने के लिए सर्वेयर ने बताए गए अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद में उसने ठगी की शिकायत पुलिस से की, जिस पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। विवेकानंद नगर में निवासी नीरज कुमार सिंह (55) बीमा कंपनी में सर्वेयर हैं। बीते शुक्रवार को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से काल आया। फोन करने वाले ने उनके अकाउंट और अन्य गोपनीय जानकारी की जांच होने का दावा किया। उसकी कुछ निजी जानकारी भी दी। कहा कि किस तरह से अवैध कमाई किया है, सारी जानकारी है। उसकी बातों को सुनकर सर्वेयर डर गया।

नीरज को डराने-धमकाने के बाद ठग ने कहा कि अगर सीबीआई जांच से बचना है तो उनकी डिमांड पूरी करनी होगी। नीरज उसकी बातों में आ गया। डिमांड पूरी करने के लिए तैयार हो गया। तब कथित अफसर ने उसे अकाउंट नंबर बताया। 20 लाख रुपए ट्रांसफर करने बोला, जिस पर उसने बैंक खाते में 16 लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर किए। बाकी पैसों के लिए समय मांगा। ठगों को रुपए देने के बाद उन्होंने अपनी पत्नी पूनम सिंह और परिजन को इस घटना की जानकारी दी। उनसे बात करने के बाद नीरज को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद वह तोरवा थाने पहुंचा। फिर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। उसकी शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस दौरान कथित सीबीआई अफसर ने इस बारे में किसी को बताने पर तत्काल गिरफ्तारी का डर दिखाया, जिससे सर्वेयर नीरज सीबीआई जांच के नाम पर डर गया। जांच और गिरफ्तारी के डर से किसी को बताए बिना ही उसने पैसे ट्रांसफर कर दिए।

स्वामीनारायण मंदिर में तोड़-फोड़

मोदी विरोधी नारे लिखे गए, भारतीय कॉन्सुलेट ने कहा- ये स्वीकार नहीं

न्यूयॉर्क, 17 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के मेलविल में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ हुई है। मंदिर के बाहर मोदी विरोधी नारे लिखे गए हैं। इसका फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसे लेकर न्यूयॉर्क में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया ने आपत्ति दर्ज कराई है। कॉन्सुलेट ने कहा है कि हमने अमेरिकी लॉ एनफोर्समेंट के सामने यह मुद्दा उठाया है और इस वारदात को अंजाम देने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

भारत के वाणिज्य दूतावास ने अपने ट्वीट में लिखा, "न्यूयॉर्क के मेलविल में स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में हुई तोड़-फोड़ की घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता।"

22 सितंबर को मेलविल के पास नसाउ आएंगे पीएम मोदी

मेलविल लॉन्ग आइलैंड के सफोक काउंटी में है। यह 16,000 सीटों वाले नसाऊ वेटरन्स मेमोरियल कोलिजीयम से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर है। इसी जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 सितंबर को एक बड़े कम्युनिटी इवेंट को संबोधित करने वाले हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने X पर कहा कि जस्टिस डिपार्टमेंट और होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट को इस हमले की जांच करनी चाहिए, क्योंकि हाल ही में हिंदू संस्थानों को धमकियां मिली हैं और इस हफ्ते के आखिर में पास के नसाऊ काउंटी में भारतीय समुदाय का एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने वाला है। फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सुहाग शुक्ला ने X पर कहा कि यह समझना मुश्किल है कि कोई व्यक्ति इतना कायर कैसे हो सकता है कि एक चुने हुए नेता के खिलाफ नफरत जताने के लिए हिंदू मंदिर पर हमला करने जैसा काम करे। हाल ही में हिंदू और भारतीय संस्थानों को मिली धमकियों के बाद इस हमले को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

इस साल जनवरी में अमेरिका के कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर पर हमला हुआ था। कैलिफोर्निया के हेवर्ड में मौजूद विजय शेरावाली मंदिर में खालिस्तानी समर्थकों ने भारत विरोधी बातें लिखी थीं। खालिस्तानियों ने मंदिर की दीवार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भी अपशब्द लिखे। साथ ही खालिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे भी लिखे नजर आए। इससे पहले 23 दिसंबर 2023 को नेवार्क में स्वामीनारायण मंदिर पर अटैक हुआ था। इसे लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था- मैंने ये खबर देखी है। हम इसको लेकर चिंतित हैं। भारत के बाहर के चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए। हमने अमेरिकी अधिकारियों के सामने शिकायत दर्ज कराई है। हमें उम्मीद है कि मामले में सही कार्रवाई की जाएगी।

यागी तूफान ने मचाई म्यांमार में तबाही

236 लोगों ने गंवाई जान, 77 लोग लापता

नेपीडॉ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। यागी तूफान ने म्यांमार में तबाही मचा दी। इस तूफान के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ के कारण 236 लोगों की मौत हो गई। करीब 77 लोग लापता भी हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए)ने बताया कि मौतों के आंकड़ों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। कई सूत्रों का कहना है कि सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई सारे लापता हैं। सोमवार को जारी अपडेट के अनुसार, बाढञ के कारण 631,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

बता दें कि इस साल एशिया के सबसे शक्तिशाली तूफान टाइफून यागी ने एक सप्ताह पहले म्यांमार, लाओस और वियतनाम में भारी तबाही मचाई थी। बाढ़ ऐसे समय में आई, जब फरवरी 2021 के विरोध में सेना और बलों के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

लाइव टीवी डिबेट में हिंसक लड़ाई

उम्मीदवार ने विरोधी नेता के सिर पर कुर्सी से हमला किया, रेपिस्ट बुलाए जाने से हुआ नाराज

ब्राज़ील, 17 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील के साओ पाउलो में मेयर पद के लिए हो रही लाइव डिबेट में एक उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंदी पर कुर्सी से हमला कर दिया। घायल प्रत्याशी को हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ा। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

सीएनएन के मुताबिक ये डिबेट वामपंथी उम्मीदवार जोस लुईज दातेना और दक्षिणपंथी नेता पाब्लो मार्सेल के बीच हो रही थी। मार्सेल ने दातेना पर यौन उत्पीड़न से जुड़े 11 साल पुराने मामले को लेकर टिप्पणी कर दी थी। इससे नाराज होकर दातेना ने कुर्सी से कई बार मार्सेल पर हमला किया। इसके बाद दातेना को बहस से हटा दिया गया। उन्होंने सोमवार को एक बयान में कहा कि उन्होंने गलती की थी, लेकिन उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

मार्सेल को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। अस्पताल ने बताया कि उनके सीने और कलाई में चोट लगी है। स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। मार्सेल ने कुर्सी पर हुए हमले की तुलना पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ जुलाई में की गई हत्या की कोशिश और 2018 के चुनाव के दौरान ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर चाकू से किए गए हमले से की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीनों हमलों की फुटेज पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि उन पर लोहे की कुर्सी से उनकी पसलियों पर हमला किया गया। उन्होंने दातेना पर कानूनी एक्शन लेने की बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक मेयर चुनाव 6 अक्टूबर को हैं। इसमें 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। नेशनल टीवी चैनल कल्चरा पर 6 मेयर प्रत्याशी डिबेट कर रहे थे। इस दौरान मार्सेल ने दातेना पर फब्तियां कसना शुरू कीं। मार्सेल ने कहा कि दातेना एक बुरे पत्रकार रहे हैं और अपनी अधीन काम करने वाली रिपोर्टर्स का यौन शोषण कर चुके हैं।

ट्रम्प के इंतजार में 12 घंटे झाड़ियों में रहा संदिग्ध

फ्लोरिडा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की कोशिश करने वाले रयान रॉथ की फोन लोकेशन रिकॉर्ड से नई जानकारी मिली है। अलजजीरा के मुताबिक संदिग्ध ने लगभग 12 घंटे तक गोल्फ कोर्स की झाड़ियों में छिपकर ट्रम्प के आने का इंतजार किया था। रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई के स्पेशल एजेंट मार्क थॉमस ने कहा कि संदिग्ध रविवार रात 2 बजे से लेकर रविवार दोपहर 1 बजकर 30 मिनट तक गोल्फ क्लब में ही था। ट्रम्प के गोल्फ क्लब पहुंचने के बाद उनकी सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस एजेंट को झाड़ियों में एक संदिग्ध छिपा दिखाई दिया। उसकी बंदूक का निशाना गोल्फ कोर्स की तरफ था। एजेंट ने फायरिंग की, जिसके बाद वह अपनी ब्लैक एसयूवी से भाग गया। गोल्फ कोर्स से 60 किलोमीटर दूर हाइवे पर संदिग्ध को पकड़ लिया गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कयेरटेकर डायरेक्टर रोनाल्ड रोव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संदिग्ध ने ट्रम्प पर कोई गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने कहा कि एजेंट्स ने बंदूक की नली देख ली थी, जिसके बाद उसने गोली चला दी। उसके तुरंत एक्शन लेने की वजह से बंदूकधारी ट्रम्प के करीब नहीं पहुंच पाया। उन्होंने ये भी कहा कि ट्रम्प का गोल्फ खेलने जाना पहले से तय नहीं था। इसे आखिर में उनके शेड्यूल में जोड़ा गया था। ऐसे में अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि संदिग्ध को इसके बारे में पता कैसे चला। सीएनएन के मुताबिक जांच एजेंसी ने संदिग्ध पर अवैध रूप से बंदूक रखने से जुड़े दो आरोप लगाए हैं। उस पर अपराधी होने के बावजूद राइफल रखने का आरोप है। दूसरा आरोप बंदूक का सीरियल नंबर मिटा देने का है। संदिग्ध पर ट्रम्प की हत्या से जुड़ा कोई आरोप अभी तक नहीं लगा है। ट्रम्प की सुरक्षा में दो महीने में दो बार सेंध लग चुकी है। 5 नवंबर को देश में राष्ट्रपति चुनाव हैं। इससे पहले ट्रम्प को लगभग 50 सभाएं करनी हैं। ऐसे में ट्रम्प की टीम उनकी सुरक्षा को बढ़ाने जा रही है। ट्रम्प के पास अभी चुनाव सभा में प्राइवेट सिक्योरिटी के लिए 4 कमांडो होते हैं। इसे बढ़ाकर 12 किया जाने वाला है।

वहीं, ट्रम्प ने जानलेवा हमले की हुए एक कोशिश को लेकर राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधा। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि बाइडेन-कमला की भड़काऊ बयानबाजी के कारण ही उन पर हमले की कोशिश हो रही है। ट्रम्प ने कहा कि बंदूकधारी ने बाइडेन और हैरिस की बयानबाजी पर यकीन किया। इसी के चलते उन पर हमला किया। ट्रम्प ने कहा, 'उन्होंने मुझे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया, जबकि मैं एकता में यकीन करने वाला नेता हूं। वे लोग इसके उलट हैं। वे हमारे देश को बर्बाद करना चाहते हैं। वे असली खतरा हैं।' संदिग्ध रयान रॉथ मूल रूप से उत्तरी कैरोलिना का रहने वाला है। पहले भी ड्रग रखने, बिना लाइसेंस और बिना बीमा के गाड़ी चलाने के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है।

गाजा ने इजरायली हमले में मारे गए लोगों की सूची की जारी

गाजा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हमास और इस्राइल के बीच युद्ध बीते 11 महीनों से जारी है। फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इजरायल द्वारा की जा रही जवाबी कार्रवाई गाजा पर लगातार भारी पड़ती जा रही है। यहां के आम नागरिकों का जीवन तहस-नहस हो गया है। अब गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक 649 पन्नों की अधूरी सूची जारी की। इसमें सात अक्तूबर के बाद से इजरायली हमले में मारे गए फलस्तीनियों के नाम और उम्र शामिल हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पहले 14 पन्ने सिर्फ मासूम बच्चों के नामों से भरे हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के टेलीग्राम खाते पर यह सूची जारी की गई है। इस सूची में वही लोग शामिल हैं, जिनके बारे में गाजा के अधिकारियों के पास जानकारी थी। 31 अगस्त तक 34 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी थी। वहीं वर्तमान में मरने वालों की संख्या 42,000 के करीब है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़ा कम होने वाला नहीं है।

यह सूची इजरायल द्वारा गाजा पर किए गए हमले का जीता जागता सबूत है। विशेष रूप से बच्चों पर पड़ने वाले विनाशकारी प्रभाव का एक वसीयतनामा है। गाजा के अधिकारियों के अनुसार, सात अक्तूबर के बाद से मारे गए लोगों में एक तिहाई बच्चे हैं। इस सूची को लेकर न्यूयॉर्क के हंटर कॉलेज में समाजशास्त्र की प्रोफेसर हेबा गोवेड ने कहा, 'यह बच्चों का नरसंहार है। 14 पन्नों में मासूम बच्चों का नरसंहार। यह लोगों को पूरी तरह से मिटाने की कोशिश से कम नहीं है।'

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों को स्वतंत्र निगरानीकर्ताओं द्वारा विश्वसनीय माना जाता है और राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आंकड़ों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए जाने के बावजूद अमेरिकी अधिकारियों द्वारा आंतरिक रूप से इसका हवाला दिया गया है।

भारत-चीन के बीच पिघल रही बर्फ

4 साल बाद शुरू होंगी डायरेक्ट फ्लाइट! व्यापार प्रतिबंधों में भी ढील के संकेत

बीजिंग, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच रिश्ते में बेहतरी के नए संकेत मिल रहे हैं। भारत चार साल की रुकावट के बाद चीन के लिए सीधी यात्री फ्लाइट फिर से शुरू करने के लिए तैयार दिख रहा है। भारत और चीन के बीच फ्लाइट 2020 में कोविड महामारी के दौरान रोकी गई थीं। बीमारी के बाद दोनों देशों ने ही कोविड-19 की वजह से यात्रा प्रतिबंध हटा दिए लेकिन फिर भी दिल्ली और बीजिंग के बीच फ्लाइट शुरू नहीं हो सकीं। चार साल बाद फ्लाइट शुरू होना दोनों देशों के बीच संबंधों में नरमी का संकेत है, क्योंकि हालिया समय में सीमा पर तनाव घटा है और आर्थिक सहयोग बढ़ाने की मांग कारोबारी वर्ग कर रहा है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू की हाल ही में दिल्ली में एशिया-प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपने चीनी समकक्ष सोंग झियोंग से मुलाकात की है। नायडू ने बैठक के बाद कहा कि हमने दोनों देशों के बीच नागरिक उड्डयन सहयोग को मजबूत करने और खासतौर से यात्री उड़ानों को जल्द से जल्द शुरू करने पर चर्चा की है। एविएशन कंसल्टेंसी मार्टिन कंसल्टिंग के सीईओ मार्क डी मार्टिन ने इस पर कहा, 'मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि उड़ानें फिर से शुरू की जाएं। फ्लाइट सिर्फ बीजिंग के लिए बल्कि दूसरे चीनी प्रांतों के लिए भी होनी चाहिए। फ्लाइट बंद रहने से दोनों देशों के बीच व्यापार में बहुत नुकसान हुआ है।' मार्क डी मार्टिन का कहना है कि भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। दोनों देश ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह) का हिस्सा हैं और तेजी से उभरते बाजार भी हैं।

उन्होंने कहा कि कारोबारियों के साथ-साथ पर्यटन को भी फ्लाइट शुरू होन से फायदा मिलेगा। भारतीय उद्योग के वर्ग, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, सरकार से व्यापार और सीमा पार यात्रा पर प्रतिबंधों में ढील देने का आग्रह कर रहे हैं।

भारत की वित्तीय संभावनाओं को पूरी तरह से नहीं तलाशा गया

पूर्व मंत्री ईरानी ने गिनाईं देश की उपलब्धियां

वॉशिंगटन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि भारत ने कितनी प्रगति कर ली है, इस बारे में लोगों का काफी कम जानकारी है। इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की वित्तीय संभावनाओं को पूरी तरह से नहीं तलाशा गया है। अमेरिका के ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में स्मृति ईरानी ने कहा, 'हमारे देश की वित्तीय संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह नहीं तलाशा गया है। एक अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को निकट दृष्टि से देखा जाता है, मान लीजिए कि इस पर दावोस में चर्चा होती है या (विश्व) बैंक में चर्चा होती है, लेकिन परिचालन के लिहाज से हम कई स्तरों पर अवसर पैदा करते हैं, जो दिखाई नहीं देते।' फिलहाल अमेरिका की अनौपचारिक यात्रा पर आईं ईरानी ने कहा कि भारत ने कितनी प्रगति की है।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का भारत पर आरोप

कहा- मुस्लिमों को तकलीफ झेलनी पड़ रही, भारत का पलटवार- अपने गिरेबान में झांकें

तेहरान, 17 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीड़ित हैं। खामेनेई ने सोमवार (16 सितंबर) को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है।

खामेनेई ने लिखा कि दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं।

खामेनेई की इस टिप्पणी पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ये पूरी तरह से भ्रामक है। मंत्रालय ने कहा कि

अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बयान को एक्स पर शेयर भी किया। भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। दुनियाभर के मुस्लिम इस वक्त शोक में डूबे हैं। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए।

सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। इससे पहले कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के कुछ दिन बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था- हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा था कि हम उम्मीद करते हैं कि भारत कश्मीर में मुस्लिमों के खिलाफ अत्याचारों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

खामेनेई ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए दुनिया भर के मुसलमानों से धार्मिक एकजुटता (इस्लामिक उम्माह) की अपील की है। उन्होंने ने मुसलमानों की एकजुट पहचान को बचाए रखना बेहद जरूरी बताया। खामेनेई ने कहा कि इस्लामिक उम्माह एक बुनियादी मुद्दा है, जो देशों की सीमाओं और पहचान से परे है। कई लोग इस्लामी जगत और खासतौर पर ईरान में धार्मिक मतभेदों को बढ़ा रहे हैं।

भारत से भी बड़ी होगी रूसी सेना

करीब 2 लाख सैनिकों की भर्ती होगी, पुतिन ने 2 साल में तीसरी बार आदेश दिया

मॉस्को, 17 सितंबर (एजेंसियां)। रूस एक बार फिर अपनी सेना में इजाफा करने जा रहा है। राष्ट्रपति पुतिन ने सोमवार को सैनिकों की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। आदेश के मुताबिक रूसी सेना में 1.80 लाख सैनिकों की भर्ती की जाएगी। इससे रूसी आर्मी में कुल सैन्य कर्मियों की संख्या लगभग 23.8 लाख हो जाएगी। इसमें एक्टिव सैनिकों की संख्या 15 लाख होगी। क्रेमलिन के मुताबिक नई भर्ती दिसंबर में होगी। एक्टिव सैनिकों के मामले में फिलहाल रूस से आगे चीन, भारत और अमेरिका हैं। नई भर्ती के बाद एक्टिव सैन्यकर्मी के मामले में वह दूसरे नंबर पर आ जाएगा। इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के मुताबिक चीन के पास करीब 20 लाख एक्टिव सैन्यकर्मी हैं। वहीं, भारत के पास करीब 14 लाख एक्टिव और अमेरिका के पास 13 लाख

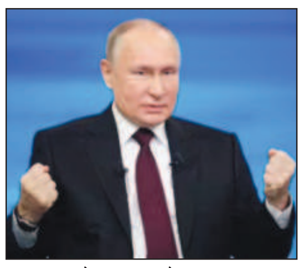

एक्टिव सैन्यकर्मी हैं।

फरवरी 2022 में यूक्रेन जंग की शुरुआत होने के बाद यह तीसरी बार है, जब पुतिन ने सेना का आकार बढ़ाया है। पुतिन ने अगस्त 2022 में 1.37 लाख सैनिकों की बढ़ोतरी का आदेश दिया था। इससे रूसी सेना में कुल सैनिकों की संख्या 20 लाख से ज्यादा हो गई थी। इसमें 11.5 लाख एक्टिव सैनिक थे। इसके बाद दिसंबर 2022 में रूसी सेना में 1.70 लाख और सैनिक बढ़ाए गए। इससे कुल एक्टिव आर्मी 13.2 लाख हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक सैनिकों की संख्या बढ़ाने का पुतिन का यह आदेश इसलिए भी अहम है, क्योंकि पिछले महीने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना घुस गई थी। यूक्रेन ने रूस के करीब 1,175 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद ये पहली बार था जब रूस ने इतनी जमीन गंवाई। हालांकि अब रूस ने अपनी जमीन वापस हासिल करने की कोशिश तेज कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले हफ्ते रूस और यूक्रेनी सेना के बीच कुर्स्क के कई इलाकों में मुठभेड़ हुईं। इस बीच रूस ने पूर्वी डोनबास इलाके के अहम यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क पर कब्जा करने की कोशिश तेज कर दी है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बार फिर अपने सहयोगी देशों से रूस के रणनीतिक ठिकानों पर हमले की मंजूरी मांगी है। जेलेंस्की ने कहा है कि लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के सैन्य ठिकानों को तबाह कर ही इसका समाधान निकाला जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन ने पिछले हफ्ते तक यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें देने का मन बना लिया था, लेकिन पुतिन की चेतावनी के बाद उन्होंने इरादा बदल दिया।

दरअसल, पुतिन ने पश्चिमी देशों को धमकी दी थी कि अगर यूक्रेन को लंबी दूरी तक हमला करने वाली मिसाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा।

पुतिन ने कहा था कि अगर रूस पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमला होता है तो माना जाएगा कि नाटो इस जंग में सीधे तौर पर शामिल है। पुतिन की चेतावनी के बाद व्हाइट हाउस को बयान जारी करना पड़ा। इस बयान में कहा गया कि फिलहाल यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल सप्लाई करने पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

बकिंघम पैलेस जितने बड़े स्पेस स्टेशन में फंसी सुनीता विलियम्स

पसीने-पेशाब से बना पानी पी रहीं, धरती से 400किमी ऊपर कैसी है एस्ट्रोनॉट्स की जिंदगी

वाशिंगटन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। तारीख- 6 जून, समय- रात के 11 बजे। बोइंग का स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट भारतवंशी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचता है। स्पेसक्राफ्ट में खराबी की वजह से 8 दिन की यह यात्रा 8 महीने में बदल जाती है। सुनीता और बुच अगले साल फरवरी में धरती पर लौट सकते हैं। फिलहाल वे आईएसएस में 9 दूसरे अंतरिक्ष यात्रियों के साथ एक 6 बेडरूम वाले घर जितनी जगह में रह रहे हैं। सुनीता इसे अपनी पसंदीदा जगहों में से एक बताती हैं। वहीं बुच विल्मोर का कहना है कि वे भाग्यशाली हैं जो उन्हें आईएसएस

में रहने को मिला है। अंतरिक्ष यात्रियों के हर 5 मिनट को धरती पर मिशन कंट्रोल टीम मॉनिटर करती है। एस्ट्रोनॉट सुबह जल्दी उठते हैं। साढ़े 6 बजे वे अपने फोन बूथ जितने बड़े स्लीपिंग क्वार्टर से निकलकर 'हार्मनी' नाम के आईएसएस मॉड्यूल में पहुंचते हैं। यह एक कॉमन रूम जैसा होता है। आईएसएस मॉड्यूल से निकलकर एस्ट्रोनॉट बाथरूम जाते हैं। स्पेस स्टेशन में मौजूद उनके पसीने और पेशाब को रिसाइकिल कर पीने के लिए पानी बनाया जाता है। इसके बाद एस्ट्रोनॉट अपना काम शुरू करते हैं। आईएसएस पर ज्यादातर समय रखरखाव या एक्सपेरिमेंट्स करने में जाता है। ब्रिटेन के राजमहल बकिंघम पैलेस या एक अमेरिकी फुटबॉल फील्ड जितने बड़े स्पेस स्टेशन में ऐसा लगता है जैसे कई बसों को एक साथ खड़ा कर दिया गया है। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री क्रिस हैडफील्ड के मुताबिक, कई बार आधा दिन खत्म होने तक दूसरे एस्ट्रोनॉट्स से मुलाकात भी नहीं होती। स्पेस स्टेशन में 104 दिन बिता चुके नासा के एस्ट्रोनॉट निकोल स्टॉट कहते हैं कि स्लीपिंग क्वार्टर में दुनिया के सबसे अच्छे स्लीपिंग बैग मौजूद हैं। अंतरिक्ष यात्रियों के कम्पार्टमेंट में लैपटॉप होता है। इसके जरिए वे परिजनों से संपर्क कर सकते हैं।

बांग्लादेश में खतरे में हिंदू

कनाडाई सांसद ने हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ उठाई आवाज

ओटावा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा की संसद में बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रहा अत्याचार का मुद्दा उठा है। कनाडा के हिंदू सांसद चंद्रा आर्य ने बांग्लादेशी हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। हाउस ऑफ कॉमन्स में बोलते हुए आर्य ने कहा, 'मैं बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा से बहुत चिंतित हूं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि 'बांग्लादेश में जब भी अस्थिरता होती है तो धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासतौर पर हिंदुओं को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।' बांग्लादेश में शेख हसीना के

इस्तीफा देने के बाद से अल्पसंख्यकों पर हमले तेज हो गए हैं। इसमें हिंदुओं को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। कनाडाई सांसद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की घटती संख्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 1971 में आजादी हासिल करने के बाद से बांग्लादेश की आबादी में धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी में काफी कमी आई है। उन्होंने बताया कि 1971 में अल्पसंख्यक आबादी 23.1 प्रतिशत थी, जिसमें लगभग 20 प्रतिशत हिंदू थे। अब यह अल्पसंख्यकों की संख्या घटकर लगभग 9.6 प्रतिशत रह गई है, जिसमें हिंदू लगभग 8.5 प्रतिशत हैं। चंद्रा आर्य ने कहा कि 'वे कनाडाई हिंदू, जिनके परिवार बांग्लादेश में हैं, अपने परिवारों, अपने मंदिरों और संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।' उन्होंने बताया कि कनाडा का हिंदू समुदाय में हो रहे अल्पसंख्यकों के अत्याचार के खिलाफ सोमवार 23 सितम्मबर को पार्लियामेंट हिल पर रैली का आयोजन करने जा रहा है।

इस रैली में कनाडा के बौद्ध और ईसाई भी शामिल होंगे, जिनके परिवार बांग्लादेश में हैं।

भाजपा नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेगी सरकार
सबसे ज्यादा मुकदमे मदन दिलावर पर

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की भजनलाल सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में बीजेपी नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार की रिव्यू कमेटी ने इन मुकदमों की समीक्षा शुरू कर दी है। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम ने कहा कि गलत तरीके से की गई कार्रवाई का परीक्षण किया जा रहा है और जो भी गलत होगा, उसे हम ठीक करेंगे।

उन्होंने बयान दिया है कि गलत तरीके से की गई कार्रवाई का परीक्षण किया जा रहा है और जो भी गलत होगा उसे हम ठीक करेंगे। बहरहाल मौजूदा सरकार के 7 मंत्रियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं, इनमें सबसे ज्यादा 14 मुकदमे शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ हैं। यहां तक कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ भी राजस्थान में 4 मुकदमे दर्ज हैं।

कांग्रेस नेताओं पर भी हैं लंबित मुकदमे

पेंडिंग मुकदमों की सूची में कांग्रेस के नेताओं के नाम भी शामिल हैं, जो पिछली कांग्रेस सरकार के समय ही दर्ज हुए हैं। इनमें बायतू विधायक हरीश चौधरी, शोभारानी कुशवाह तथा आरएलपी नेता तथा नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के नाम भी शामिल हैं।

नड्डा के खिलाफ 4 मुकदमे पेंडिंग

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ राजस्थान में 4 केस पेंडिंग हैं, जो कि डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बूंदी, चित्तौड़गढ़ के थानों में दर्ज हैं। चित्तौड़गढ़ कोतवाली में 25 अप्रैल 2020 को कांग्रेस नेता सुरेंद्र जाड़ावत ने उनके खिलाफ केस दर्ज करवाया था, इसके बाद 23 अप्रैल 2020 को कांग्रेस एमएलए गणेश घोघरा ने डूंगरपुर कोतवाली में केस दर्ज करवाया था, जो कि 28 अप्रैल 2020 से सीआईडी सीबी में लंबित है। नड्डा के खिलाफ प्रतापगढ़ में 24 अप्रैल 2020 को केस दर्ज हुआ, जो 5 मई 2020 से सीआईडी सीबी में लंबित है। बूंदी के कोतवाली थाने में 26 अप्रैल 2020 को मामला दर्ज हुआ था फिलहाल यह मामला भी सीआईडी सीबी में लंबित है।

दिलावर पर धारा 302 का मामला

इसमें सबसे गंभीर धाराओं में मुकदमा बीजेपी के शिक्षा मंत्री और तत्कालीन विधायक मदन दिलावर पर है। दिलावर पर सबसे ज्यादा 14 मुकदमे दर्ज हैं, इनमें जयपुर के संजय सर्कल थाने में विधायक मदन दिलावर के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 और 120 बी के तहत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने का मामला दर्ज किया गया था।

दिलावर ने 1 मई को अपने उदयपुर दौरे के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तंज कसते हुए कहा था कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष 80 साल के हो गए हैं। भगवान उन्हें कभी भी उठा सकता है पर मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि कम से 200 साल तक उन्हें नहीं उठाए।

शवों को पिक-अप से पहुंचाया घर
वीडियो वायरल, टीकाराम जूली ने सरकार को सुनाई खरी-खोटी

सिरोही, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सिरोही में पिंडवाड़ा के कांटल के पास बीते रविवार की शाम करीब 8 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया था। ट्रक और तूफान गाड़ी की भिड़ंत में 8 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं हादसे में 18 लोग घायल हो गए थे, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, सभी लोग पाली जिले के नाडोल से दर्शन करके वापस लौट रहे थे।

वहीं, इस हादसे के बाद जिस तरह से शवों को पिक-अप में रखकर घर पहुंचाया गया, कांग्रेस के कई नेताओं ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार को खरी-खोटी सुनाई है। उन्होंने इस घटना को अमानवीय और असंवेदनशील बताया है। कहा है कि यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। बता दें शवों को पिक-अप में रखने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटना के बाद अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि,

"अमानवीयता की पराकाष्ठा देखिए देखिए भाजपा शासित प्रदेश राजस्थान की सरकार जो प्रारंभ से ही दलित एवं आदिवासी विरोधी मानसिकता वाली रही है। उसी का असंवेदनशील यह उदहारण है पिण्डवाड़ा के निकट हुए बैंक का सड़क हादसे में 9 आदिवासी भाई बहनों की मौत और उसके बाद सरकार अमानवीयता के साथ पिकअप गाड़ी में जिस प्रकार शवों के साथ दुर्दशा करती है। उससे भाजपा की दलित एवं आदिवासी विरोधी मानसिकता साफ़ ज़ाहिर होती है ऐसी कुंठित मानसिकता की जितनी निंदा की जाए वह कम है।"

वहीं, सिरोही के पूर्व विधायक संयम लोढा ने कहा कि, "बेहद अमानवीय... रविवार की रात पिंडवाड़ा के समीप सड़क दुर्घटना में काल कलवित हुए 8 व्यक्तियों के शव को पिकअप में डालना भाजपा सरकार के घड़ियाली चरित्र का एक निकृष्ट उदाहरण हैं। यह सभी हमारे आदिवासी भाई हैं, कोई जानवर नहीं। राज्य सरकार शववाहिनी या एंबुलेंस की व्यवस्था कर इन गरीब मजदूरों के शवों को उनके घर भेज सकती थी। इस तरह पिकअप गाड़ी में मजदूरों के शव भेजने पर इस भाजपा सरकार की जितनी निंदा की जाए उतनी कम हैं।"

मामले की जानकारी देते हुए सिरोही के एडिशनल एसपी प्रभु दयाल ने बताया कि सिरोही के लिए पिंडवाड़ा जाते हैं तो हाईवे पर चढ़ते हैं। यहां एक-डेढ़ किलोमीटर पर ही कट है। इसी कट से तूफान गाड़ी ने रॉन्ग साइड की ओर टर्न लिया इस दौरान सामने से आ रहे टैंकर से आमने-सामने की टक्कर हो गई। गाड़ी में 29 लोग सवार थे। इनमें से 8 की मौत हो गई। 16 लोग घायल हुए हैं, जबकि 5 सुरक्षित हैं।

हादसे की कराएंगे जांच

वहीं, मामले में सिरोही कलेक्टर अल्पा चौधरी ने कहा स्थिति अंडर कंट्रोल है। हादसे के पीछे क्या कारण थे? इसकी जांच की जा रही है। भविष्य में ऐसे हादसे न हो इसको लेकर भी प्रयास किए जाएंगे।

डोटासरा के साडू वाले बयान पर गरमाई सियासत
किरोड़ी मीणा ने यूं किया पलटवार

दौसा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के साडू वाले बयान पर सियासत गरमाई हुई है। बीजेपी के दिग्गज नेता किरोड़ी लाल मीणा ने अब गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा पलटवार किया है। साथ ही एक नसीहत भी दे डाली है। बता दें कि हाल ही में डोटासरा ने किरोड़ी मीणा को साडू बताया था। डोटासरा का ये बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

किरोड़ी लाल मीणा ने गीजगढ़ में कड़ी की कोठी चौराहे पर व्यापार मंडल के तत्वाधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के समापन कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर किरोड़ी मीणा ने डोटासरा के साडू वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अच्छी बात है कि डोटासरा ने साडू बना लिया। हमें क्या दिक्कत है। गुर्जर को भी साडू बना लो और अच्छी बात हो जाएगी।

डोटासरा ने दिया था ये बयान

बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार को आयोजित किसान महासम्मेलन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि किरोड़ी लाल मीणा अब उनके साडू बन गए हैं। गोलमा देवी और सुनीता को मैंने बहन बना दिया। मैं और किरोड़ी दोनों ही इस पर्ची सरकार का तख्तापलट करना चाहते हैं, तो हम दोनों साडू हो गए।

शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 24 लाख की धोखाधड़ी, इंदौर से हुई दूसरी गिरफ्तारी

सवाई माधोपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मानटाउन थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 24 लाख की धोखाधड़ी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने इन्दौर से गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि गत दिनों पुलिस ने आरोपी सत्यनारायण यादव को भी इंदौर से गिरफ्तार किया था।

थानाधिकारी जगदीश चन्द्र ने बताया कि आरोपी प्रेमलता सोलंकी उर्फ टीना उर्फ टीया अग्रवाल उर्फ पलक जैन पत्नी नवीन पुत्री युगल किशोर सोलंकी निवासी मयूर कॉलोनी अलीपुर आष्टा, थाना पार्वती, जिला सिहोर मध्यप्रदेश हाल किरायेदार निपानिया पुलिस थाना खजराना (इंदौर) है।

यूं दिया था वारदात को अंजाम

सत्यनारायण यादव पुत्र परसराम अहीर निवासी कवरी थाना खसरावद जिला खरगौन मध्यप्रदेश हाल निवासी जोबरा कॉलोनी उमरिया थाना किशनगंज (इंदौर) ने साथी आशीष यादव तथा टीना उर्फ प्रेमलता व आकाश के साथ मिलकर धोखाधड़ी की थी।

आरोपियों ने अपना नाम पता छिपाते हुए अपना नाम अंकित यादव व टीना अग्रवाल, पलक जैन व पुष्कर श्रीवास्तव के नाम से कॉल कर वर्ष 2021 व 2022 में प्रोमार्ट ब्रोकिग कम्पनी में शेयर मार्केट पर पैसा इन्वेस्ट कर दोगुनी से तिगुनी राशि करने का झांसा देकर परिवादी अजय शर्मा निवासी केशव नगर सवाईमाधोपुर से चौबीस लाख चौबीस हजार रुपए करीब की रकम हड़प ली थी। इसके बाद कूटरचित स्टेटमेंट भेजकर अपने मोबाइल बंद कर लिए थे।

एनएचएआई के दावों की खुली पोल
देश के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे पर बना गड्ढा; मची हलचल

दौसा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के भांडारेज के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर एनएचआई प्रशासन के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। भांडारेज टोल के पास भारी वाहन गुजरने से सड़क धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा हो गया। एक्सप्रेस वे पर गड्ढा होने के बाद इसमें घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल और लापरवाही का आरोप लग रहा है।

ये देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

दरअसल, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे को देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस वे कहा जाता है, अब गुणवत्ता की पोल खोलता नजर आ रहा है। भांडारेज इंटरचेंज के पास पिलर संख्या 182.300 पर सड़क

का एक हिस्सा धंस गया, जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। हांलाकि, किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई, जो कि एक बड़ी राहत की बात रही।

हाल ही में भारी वाहनों के गुजरने के बाद सड़क धंसने की घटना ने एनएचएआई प्रशासन के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है।

करीब 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से बना

उल्लेखनीय है कि इस एक्सप्रेस वे को बनाने में करीब 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आई है। 12 फरवरी 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। उस समय इसे देश की आधारभूत संरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया था। लेकिन, कुछ ही महीनों में बारिश ने इस निर्माण की वास्तविकता को उजागर कर दिया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे राजस्थान के कई जिलों से होकर गुजरता है। आठ लेन वाले इस एक्सप्रेस वे पर हवा की रफ्तार से गाड़ियां दौड़ती हैं। बीते कुछ महीनों में इस एक्सप्रेस वे पर ऐसी घटनाएं घटी हैं, जिसके बाद आप कह सकते हैं कि दिल्ली-मुंबई आठ लेन एक्सप्रेस वे सफर करने वालों के लिए खतरनाक होता जा रहा है।

भीषण सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित 3 लोगों की मौत, घर में मचा कोहराम

कोटा, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। देर रात एक भीषण सड़क हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कोटा के अयाना थाना क्षेत्र के पास स्थित मध्यप्रदेश के ललितपुरा गांव के नजदीक हुआ। एक तेज रफ्तार निजी बस ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पिता-पुत्र और एक अन्य व्यक्ति कोटा के अयाना क्षेत्र के निवासी थे। हादसे के बाद परिवार में हड़कंप मच गया है।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवारजनों को इस घटना की सूचना मिलते ही उनके घर में मातम छा गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मामला मध्यप्रदेश के बड़ौदा पुलिस थाने में दर्ज किया गया।

इस भीषण सड़क दुर्घटना ने न केवल पीड़ित परिवार बल्कि पूरे गांव को हिला कर रख दिया है।

दरअसल देर रात एक तेज रफ्तार निजी बस ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक पर सवार 40 वर्षीय युवक, 14 वर्षीय पुत्र और 18 वर्षीय अन्य की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई और नाराज लोगों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हंगामे पर काबू पाया और शवों को बड़ौदा के अस्पताल में भेजा जहां आज सुबह पोस्टमार्टम करके शव परिजनों को दिया जाएगा।

प्रिंसिपल पर लगा छात्रा से अभद्रता करने का आरोप
गुस्साए ग्रामीणों ने की जमकर धुनाई

बूंदी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के जजावर कस्बे में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों ने एक छात्रा के साथ प्रिंसिपल द्वारा अभद्रता किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। नैनवां थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया। जिले के नैनवा उपखंड के जजावर कस्बे में 68वीं जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के दौरान हंगामा हो गया। यहां ग्रामीणों ने खो-खो प्रतियोगिता के दौरान प्रधानाचार्य पर छात्रा से अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए खूब हंगामा किया। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूल परिसर में एकत्रित हो गए। मामला बढ़ता देख नैनवां थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और

आक्रोशित ग्रामीणों से समझाइश कर उन्हें शांत करवाया।

मामले में नैनवां पुलिस उप अधीक्षक शंकरलाल मीना का कहना है कि पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायत मिली है, उसकी जांच की जा रही है। मीणा ने कहा कि प्रधानाचार्य पर पीड़ित नाबालिग छात्रा और उसके परिजनों ने प्रधानाचार्य पर अश्लील बातें करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने शिकायत में यह भी बताया है कि आरोपी शिक्षक आए दिन उससे अश्लील बातें किया करता था। साथ ही मारपीट करने की भी बात सामने आई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस को आरोपी प्रधानाचार्य के विरुद्ध छात्रा से अश्लील बातें करने की शिकायत भी सौंपी है।

स्कूल में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ होते ही प्रधानाचार्य द्वारा नाबालिग से अभद्रता करने की बात से हंगामा हो गया। गुस्साए ग्रामीणों ने प्रतियोगिता के बीच में ही मामले को लेकर विरोध जताते हुए प्रधानाचार्य के साथ मारपीट कर शुरू कर दी।

ग्रामीणों का कहना था कि प्रधानाचार्य के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल आरोपी को नैनवा थाना पुलिस के द्वारा डिटेन कर लिया गया है, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। हंगामे की सूचना के बाद नैनवां थाना अधिकारी महेंद्र मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों से समझाइश की।

गांव में अंतिम संस्कार के दौरान हादसा
चिता पर तारपीन का तेल डाल रहे 4 लोग 'जले'

बस्सी, 17 सितंबर (एजेंसियां)। जमवारामगढ़ उपखंड क्षेत्र के अस्थल गांव में एनिकट में डूबने से युवक की मौत के बाद खवारानीजी गांव में अंतिम संस्कार के दौरान हादसा हो गया। श्मशान में मृतक की अंतिम क्रिया के दौरान लकड़ियां गीली होने से चिता नहीं जल रही थी। इस दौरान लोगों ने तारपीन का तेल डाल दिया। जिससे आग धधकने से चार लोग झुलस गए और वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

जानकारी के अनुसार अस्थल में रविवार को एनिकट में डूबने से युवक सूरज पांचाल की मौत के बाद परिजन अंतिम संस्कार करने के लिए गांव खवारानीजी श्मशान में लेकर गए। वहां चिता जलाई गई। लेकिन चिता सही नहीं जलने पर मृतक का एक रिश्तेदार व गांव के तीन अन्य युवकों ने आग पर तारपीन का तेल डाल दिया।

जिससे अचानक आग धधकती हुई तारपीन की बोतल तक पहुंच गई। जिससे आसपास मौजूद तीन अन्य लोग गंभीर झुलस गए। श्मशान में मौजूद लोगों ने आग पर काबू पाया। गौरतलब है कि रविवार को अस्थल गांव के एनिकट के पानी में डूबने से खवारानीजी निवासी सूरज पांचाल की मौत हो गई थी, जिसका जमवारामगढ़ उप जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन सहित गांव के लोग अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान लेकर गए थे। वहां चिता जलाने के दौरान हादसा हो गया।

तारपीन के तेल से लगी आग से झुलसे महेन्द्र पांचाल निवासी सिंडोली जिला दौसा को दौसा जिला अस्पताल तथा राजूलाल पुत्र मोहन लाल पांचाल निवासी खवारानीजी को राजकीय उप जिला अस्पताल जमवारामगढ़ में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी। वहीं अमित कुमार पुत्र हनुमान प्रजापत निवासी खवारानीजी को जमवारामगढ़ अस्पताल से जयपुर एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया है।

फिर से आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचा मगरमच्छ
वन विभाग ने रेस्क्यू करके बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ा

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। आमेर के आबादी वाले क्षेत्र में इस बार मगरमच्छ आमेर के प्रसिद्ध मावठा सरोवर से निकलकर हाथी स्टैंड पार्किंग तक पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आमेर थाना पुलिस और स्थानीय पार्षद हनुमान गुर्जर मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने भी तुरंत मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया और उसे बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ा। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। ज्ञात हो कि इससे पहले भी आमेर के सागर झील से एक मगरमच्छ आबादी क्षेत्र में आ चुका है, जिससे लोग डरे हुए हैं। हालांकि इस बार रात के समय मगरमच्छ के बाहर निकलने से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। बहरहाल मगरमच्छों का बार-बार आबादी क्षेत्र में आना चिंता का विषय बनता जा रहा है और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। वन विभाग द्वारा निरंतर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

नोटों की गड्डियां बेचने का धंधा जोरों पर

बीकानेर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बाजार में हम आमजन के उपयोग की हर चीज की कालाबाजारी तो सुनते ही आ रहे हैं, लेकिन 10 व 20 रुपए के नए नोटों की गड्डियां बेचने का धंधा शायद पहली बार सामने आ रहा है।

यूं तो बीकानेर में ही यह बीमारी बड़े पैमाने पर सामने आती दिखाई दे रही है। हालांकि, जानकारों की मानें तो यह समस्या पूरे राज्य में है। लोगों को बैंकों से नए नोटों की डिमांड के बदले निराशा हाथ लगती है, जबकि दुकानदारों ने 10 व 20 रुपए के नोटों की गड्डियों की बाकायदा दुकान जैसी खोल रखी है। यहां तक कि उन्होंने इनके दाम भी तय कर रखे हैं। हैरत की बात यह है कि नोट की इस कालाबाजारी पर बैंक कोई अंकुश नहीं लगा पा रहा है। बैंक शाखाओं में 10 व 20 रुपए के नए नोटों की किल्लत बताकर उपभोक्ताओं को बैरंग लौटाया जाता है। बाजार में फटे-पुराने नोट लेने वालों का कहना है कि अब दस के सिक्के चल जाने से नए नोटों की कम मांग आ रही है। शहर में नोटों की माला बनाने वाले व्यापारियों के पास पत्रिका टीम गई, तो वहां 10 रुपए के नए नोटों की एक गड्डी के 1400 रुपए मांगे गए।

दुकानदार से जब कहा कि कुछ कम करो, तो उसका जवाब था जरूरत होगी तो लोगे। मुझे लगता है आपको जरूरत नहीं है। असल में शहर में नए नोटों की माला बनाकर बेचने वालों के लिए नए नोटों की कमी नहीं है।

कई लोग बैंक शाखा प्रबंधकों के पास 10 व 20 के नए नोटों की गड्डी के लिए सिफारिशें तक कराते हैं। फिर भी उनको नए नोट नहीं मिलते हैं। शहर में मुख्य पीपी ब्रांच में भी नए नोट नहीं हैं।

बैंक कर्मचारी दबी जुबान में बताते हैं कि 10 रुपए, 50 रुपए व 200 रुपए के नए नोट आम आदमी को फिलहाल नसीब नहीं हैं। अगर घर में शादी ब्याह है, तो इन नोटों को हासिल करने के लिए उन्हें बैंककर्मी दोस्तों की सिफारिश करनी पड़ती है। बैंकों में एक, दो, पांच, दस व 20 व 50 रुपए के नए नोट ब्रांच में सीमित मात्रा में भेजे जाते हैं। इनकी सिफारिशी बुकिंग पहले से ही रहती है। इसलिए यह नोट आम जनता को नहीं मिल पाते।

एससीआर ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान-2024 चलाया

महाप्रबंधक ने स्वच्छता की शपथ दिलाई और वॉकथॉन का नेतृत्व किया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने 'स्वभाव स्वच्छता- संस्कार स्वच्छता' की थीम के साथ स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 14 सितंबर से 01 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' सफाई अभियान चलाया है। उसी के हिस्से के रूप में, अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने मंगलवार को रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जनता के बीच जागरूकता फैलाने और स्वच्छ भारत मिशन को बढ़ावा देने के लिए एक वॉकथॉन का भी नेतृत्व किया। महाप्रबंधक ने कार्यक्रम के दौरान हरित वातावरण को मजबूत करने के लिए पौधे लगाए। नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। रेलवे कर्मचारियों और रेलवे स्कूल के छात्रों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन 2 अक्टूबर, 2024 को होगा और इसे महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर सेवा दिवस (सामुदायिक सेवा दिवस) के रूप में मनाया जाएगा। इस दिशा में, रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे कार्यालयों में सफाई के स्तर में और सुधार लाने के लिए कई गतिविधियाँ शुरू की जानी हैं। लोगों को अच्छी सफाई की आदतों का पालन करने के लिए शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। स्वच्छता ही सेवा अभियान की गतिविधियों के तीन मुख्य स्तंभ हैं - (i)। स्वच्छता की भागीदारी (जनता के साथ जागरूकता और स्वच्छता संवाद, स्वच्छता प्रतियोगिताएं, स्वच्छ भोजन, पुनर्चक्रण उत्पाद, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि), (ii)। स्वच्छता लक्ष्य सहित श्रमदान के माध्यम से संपूर्ण स्वच्छता (इसमें लोगों के श्रमदान के साथ सफाई अभियान शामिल है, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य सफाई पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिसमें सामुदायिक संपत्ति जैसे जल निकाय, सड़कें, रेलवे स्टेशन, कचरा डंप, नाले आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, (iii)। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर (निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपचार के लिए स्वास्थ्य और कल्याण शिविर)। इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों और विद्यार्थियों को स्वच्छता शपथ का पालन करने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों को भी स्वच्छ भारत मिशन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि इसे हर दिन अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने आस-पास के वातावरण को हमेशा साफ रखने का प्रयास करना चाहिए, चाहे वह घर हो या कार्यस्थल।

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ पर 5 साल की कैद और 12 हजार जुर्माना

आसिफाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश ने पॉक्सो एक्ट में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोपी को 5 साल की कैद और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। चिंतालमपनल्ली के एसएसआई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चिंतालमपनल्ली मंडल के डिंडा गांव की एक नाबालिग लड़की को उसी गांव के दूर्वा भास्कर नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसने लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया था। माता-पिता भास्कर के खिलाफ फॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। पीपीजीवीएस प्रसाद ने गवाह पेश किए। जिला न्यायाधीश ने आरोपी को 5 साल की सजा सुनाई। कारावास और 12,000 रुपये का जुर्माना भी। वर्तमान कागजनगर डीएसपी रामानुजम, कौटाला सीआईएम रमेश, एसएसआई नरेश, कोर्ट कागजनगर डिवीजन संपर्क अधिकारी बाबाजी और कोर्ट स्टाफ ने मामले में आरोपियों को सजा दिलाने के प्रयासों के लिए जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव आईपीएस को बधाई दी।

तेलंगाना का प्राचीन काल से ही गौरवशाली इतिहास : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक प्रशासन दिवस के अवसर पर हैदराबाद में ध्वजारोहण करते हुए परिवहन और बीसी कल्याण विभाग मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना का प्राचीन काल से ही अत्यंत गौरवशाली इतिहास रहा है। एक जबरदस्त विरासत है। देश में प्रसिद्ध हुए सातवाहन सम्राटों के शासन की प्रारंभिक जड़ें तेलंगाना में हैं। काकतीय के रचनात्मक लोकतांत्रिक शासन की नींव, जिसने तेलुगू दर्शन में तेलंगाना के अस्तित्व को आकार दिया। जैसा कि पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था कि विविधता में एकता ही भारत की विशिष्टता है! हमारा देश हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अन्य धर्मों और संस्कृतियों का संगम है। तेलंगाना हमारे देश की प्रतिकृति की तरह है। तेलंगाना क्षेत्र में हिंदू और मुस्लिम सह-अस्तित्व और आपसी सम्मान की संस्कृति खराब हो रही है। महात्मा गांधी ने तेलंगाना क्षेत्र में जीवन की विविधता पर ध्यान दिया और इसे "गंगा-जमुना तहजीब" के रूप में सराहा। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना उत्तर भारत और दक्षिण भारत के बीच की कड़ी भी है। तेलंगाना अब एक "मिनी इंडिया" है। तेलंगाना, जिसके पास इतनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और उच्च शासन प्रणाली है, 17 सितंबर 1948 को ग्रेटर भारत का अभिन्न अंग बन गया और राजशाही से जनता द्वारा शासित लोकतंत्र में परिवर्तित हो गया।

हम सभी जानते हैं कि पूरे तेलंगाना समुदाय ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। इस अवसर पर, उस दिन के नायक थे कोमाराम भीम, डोड्डी कोमुरैया, रवि नारायण रेड्डी, स्वामी रामानंद तीर्थ, सरदार जमालापुरम केशवराव, वट्टिकोटा अलवर स्वामी, चाकली ऐलम्मा, भीम रेड्डी नरसिम्हा रेड्डी, अरुतला कमलादेवी, बद्दीम एला रेड्डी, कोंडा लक्ष्मण बापूजी, प्रजाकवि कलोगी, मै. मघदूम मोहिउद्दीन, शोयबुल्लाह खान, बंदी यादगिरि, दाशरथी कृष्णमाचार्य, सुद्दला हनुमान और कई अन्य लोगों को अपना सिर झुकाता हूं।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 14 प्रकार के सूक्ष्म उद्यम, डेयरी, सिलाई, पोल्ट्री मदर इकाइयां, बैक ऐड पोल्ट्री इकाइयां, मछली खुदरा आउटलेट इकाइयां, मिल्क पार्लर इकाइयां, मीसेवा केंद्र, इवेंट मैनेजमेंट इकाइयां, महिला शक्ति कैंटीन, सौर इकाइयां, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाईयों द्वारा हायरिंग सेंटर एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के माध्यम से जिले में वर्ष 2024-25 के लिए 165 करोड़ रुपये की लागत से एसएचजी के 18 हजार 788 सदस्यों को आजीविका उपलब्ध कराने हेतु योजनाएं बनाकर क्रियान्वित की जाये।

गर्भवती महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर

भैंसा, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे के नरसिम्हा कल्याण मंडप में आर्य जननी एवं आरोग्य भारती के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुधोल विधायक पवार रामाराव पटेल, डॉ. दामोदर रेड्डी रहे। विधायक ने कहा कि गर्भवती महिलाएं पोषण माह के तहत पोषण आहार के साथ-साथ सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का उपयोग करें। इसी तरह उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए आंगनवाड़ी कर्मचारी लगातार काम कर रहे हैं। डॉ. दामोदर रेड्डी ने कहा कि महिलाओं को सामान्य प्रसव के लिए व्यायाम करना चाहिए। आरोग्य भारती प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य डॉ. मुश्कम रामकृष्ण गौड़ ने कहा कि भैंसा जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आर्यजननी कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और समाज में सुख-शांति फैलाने वाली पीढ़ी तैयार करना जरूरी है। आर्य जना की ओर से आने वाली प्रत्येक महिला को उच्चतम पोषण मूल्य वाली ब्राउनी का एक पैकेट वितरित किया गया। आईसीडीएस की ओर से पोषण मूल्य सामग्री का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में शोभा मांधनी, भैंसा नगर पालिका पार्षद थोटा विजय, बसारा जेडपीटीसी रमेश, वरिष्ठ नेता वेंगल राव, आंगनवाड़ी कर्मचारी, गर्भवती महिलाएं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

शिक्षकों के स्थानांतरण से विद्यार्थियों में रोष

आसिफाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर राज्य के तेलंगाना मॉडल स्कूलों के शिक्षण स्टाफ को दस साल बाद स्थानांतरित कर दिया। सभी पद खाली थे क्योंकि आसिफाबाद और सिरपुर (यू) जैसे दूरदराज के इलाकों के आदर्श स्कूलों के बाहर से कोई भी स्थानांतरण पर यहां नहीं आया था। इससे आसिफाबाद के तेलंगाना आदर्श स्कूल में पढ़ने वाले दसवीं और इंटर के छात्रों को भारी नुकसान हुआ है क्योंकि उन्होंने इन परिस्थितियों में शैक्षणिक वर्ष के बीच में छात्रों को छोड़ दिया है। केवीपीएस के जिला सचिव दुर्गम दिनकर, एआईआईएफ के जिला सचिव आत्मकुरु चिरंजीविलु ने कहा कि जिला प्रशासक कार्यालय अधीक्षक मल्लेपुला मधुकर को एक ज्ञापन दिया गया है, जिसमें उनसे उनके स्थानांतरण को तुरंत रोकने के लिए कहा गया है।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान" तथा "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली में महानिदेशक, भाकृअनुप व सचिव, डेयर, नई दिल्ली के द्वारा "स्वच्छता ही सेवा अभियान" हेतु आयोजित आभासी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर परिषद से उप महानिदेशक, सहायक महानिदेशक तथा भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। तत्पश्चात स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत

स्थानीय लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 17 सितंबर 2024 को विद्यार्थियों को शामिल करते हुए भाश्रीअनुसं के मुख्य द्वार से राजेंद्रनगर तक और वापस पैदल यात्रा के साथ-साथ वृक्षारोपण किया गया। डॉ.सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, विद्यार्थियों को स्वच्छता कार्यक्रम 2024 एवं उसके विषय "स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता" के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने सभी से अपने देश, अपनी दुनिया और अपनी प्रकृति को बचाने के लिए एक पेड़ माँ के नाम लगाने का भी आग्रह किया।

राजेंद्रनगर के सरकारी हाई स्कूल के 50 विद्यार्थियों के साथ-साथ भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक और सहायक कर्मचारी शामिल कुल 60 लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। डॉ. श्रीनिवास बाबू, डॉ.बी अमसिद्ध, डॉ.वी रविकुमार तथा जे. भगवंतम ने स्वच्छता ही सेवा अभियान का समन्वय किया।

जीडिमेटला में खेतलाजी भैरुजी का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में भादवा सुदी तेरस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी के मंदिर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर, श्रृंगारकर, पुजा-अर्चना व दीप प्रज्वलितकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें श्री आईजी भजन मंडली चिंतल द्वारा भजनों के पुष्प अर्पित किये गये। जिसका पधारे समाज बन्धुओं ने सपरिवार, नाचते-गाते हुए, पुजा-अर्चनाकर, दर्शन व प्रसाद का लाभ लिया।

राममंदिर गवलीगुडा में आयोजित गणेश महोत्सव पर जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, भाजपा नेता अमर सिंह, सुरेश टोल्डी, अनिल माहगवली आदि ने पूजा अर्चना की।

के.बी.आर. में इच्छा पूर्ति गणेश जी की पूजा करते हुए राजेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल, गोपाल बलदवा, अनील पित्ती, नरसिंग अन्ना, पुरुषोत्तम बहेती, किशन लाल डागा, महेश अन्ना, कमल मूंदड़ा, मंसाराम गुप्ता, भरत सोन्थलिया, पप्पू डाकोतिया, राधेश्याम, प्रवीण जैन, राजेंद्र गुप्ता, महेश, विजय कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अशोक सरायवाला, प्रमोद सरायवाला, माया अग्रवाल, संध्या अग्रवाल आदि।

65 कृषि-व्यवसाय छात्रों को मैनेज दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त हुई

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद ने दिनांक 17 सितंबर, 2024 को हैदराबाद के राजेंद्रनगर स्थित अपने कैंपस में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एग्री बिजनेस मैनेजमेंट)-पीजीडीएम (एबीएम) के 65 सफल छात्रों को डिग्री प्रदान करने तथा मेधावी छात्रों को पदक प्रदान करने के लिए अपना 8वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में भाग लिया, छात्रों को संबोधित किया तथा अपनी नौकरियों और भविष्य के प्रयासों में किसानों के कल्याण को सर्वोपरि रखने पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों को वर्ष 2047 में माननीय प्रधानमंत्री के विकासशील भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कृषि और किसानों के विकास के लिए कृषि-व्यवसाय क्षेत्र में तकनीकी-प्रबंधकों को विकसित करने में मैनेज की भूमिका की सराहना की।

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज और संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पीजीडीएम (एबीएम) के 2022-24 बैच के छात्रों को डिग्री और मेधावी छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए। उन्होंने कृषि विकास में उनके योगदान के लिए पीजीडीएम (एबीएम) के उत्कृष्ट पूर्व छात्रों को पुरस्कृत और सम्मानित भी किया। उन्होंने मैनेज द्वारा चलाए जा रहे कृषि विस्तार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएईएम) के 12 छात्रों और कृषि-भंडारण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएडब्ल्यूएम) के 6 छात्रों को पदक भी वितरित किया।

बासर रेलवे स्टेशन पर बंदरों का खौफ

निर्मल, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के बासर रेलवे स्टेशन पर बंदरों ने अपना कब्जा किया है ऐसा खौफ पैदा किया है की यदि कोई एक बार इस स्टेशन पर आए तो इनके खौफ का शिकार होना तय है।

प्लेटफार्म हो या वेटिंग रूम हर जगह बंदरों का कब्जा है। यात्री तो प्लेटफार्म पर बैठने से डरने लगे हैं। विश्राम रूम में आराम होगा ऐसा सोचकर वहा पहुंचने पर उन्हीं को पाते हैं कुछ समय नए यात्री बंदरों को खाने देते हैं पर थोड़ी देर में पूरी बंदरों की टोली टूट पड़ती है। फिर यात्री अपने बैग छोड़ कर भागने को मजबूर होते हैं। कई बार तो बंदर यात्रियों को डरा कर उनसे पानी की बोतल, खाना छीन लेते हैं।

वास्तुशिल्पियों के लिए विश्वकर्मा आदर्श हैं : कलेक्टर

आसिफाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि विश्वकर्मा एक अनुकरणीय और दिव्य वास्तुकार हैं। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, जिला पिछड़ा वर्ग विकास अधिकारी सजीवन के साथ जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलक्ट्रेट भवन परिसर में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के कार्यालय में आयोजित विश्वकर्मा जयंती समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि विश्वकर्मा आज के मूर्तिकारों के लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि वह एक महान विशेषज्ञ थे जिन्होंने उस समय बड़ी कुशलता से कई शाही इमारतें बनाईं जब वास्तुकला विकसित नहीं हुई थी।

सीरवी समाज ट्रस्ट श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा हैदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भादव मास के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण पुजा-अर्चनाकर सोमवार 16 सितंबर रात्रि 8.15 बजे से आयोजित किया गया।

विज्ञप्ति में सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति भादवा सुदी तेरस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण आयोजित किया गया। जिसमें ओमप्रकाश कुमावत एंड पार्टी ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। अवसर पर मंदिर प्रांगण में स्थापित श्री गणेशजी महाराज के विर्सजन पर आयोजित अन्नदानम कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार व कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का राजस्थानी साफे से विशेष सम्मान किया गया। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने वीडियों कॉन्फेरेंस द्वारा राजस्थान से जागरण की विशेष शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष भाणाराम बर्फा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सैंणचा, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, धन्नाराम बर्फा, राजुराम सेपटा, हेमाराम खंडाला, भंवरलाल चोयल, दीपाराम काग, नत्थाराम हाम्बड़, स्वरुपराम बर्फा, उमाराम काग, राकेश सोलंकी, चुन्नीलाल बर्फा, गमनाराम भायल, नत्थाराम सोलंकी, प्रकाश चोयल, राजुराम पंवार, मांगीलाल काग, चम्पालाल काग व बहुत से समाज बन्धुओं ने सपरिवार कार्यक्रम का लाभ लिया। मंच का संचालन सचिव पुखराज चोयल ने किया।

जन सेवा संघ की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के संचालन समिति और छठ पूजा घाट प्रभारियों की बैठक का आयोजन जुबिली हिल्स स्थित प्रशासन नगर कमेटी क्लब में किया गया। संघ के प्रेरणास्रोत वी के सिंह ने सभी सदस्यों से विकास कार्यों की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने संचालन समिति के प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में सभा का आयोजन करने के लिए कहा। आवश्यक परीस्थिति में सीताराम ठाकुर, राजीव चौबे, राधे श्याम राय यादव, बिनीत सिंह सहयोग करेंगे। हर महीने में क्षेत्रीय सभा का आयोजन करना जरूरी है। हर गुरुवार को दोपहर 3:30 बजे से खैराताबाद केंद्रीय कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। दिसंबर में फूड फेस्टिवल का आयोजन क्लासिक गार्डन सिकंदराबाद में किया जाएगा। शुक्रवार को छठ पूजा प्रभारी की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जन सेवा संघ के अध्यक्ष आरपी सिंह ने 6 दानदाताओं की सूची साझा किया। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में वी के सिंह, आर पी सिंह, गोविंद तिवारी, राजीव चौबे, बिनीत सिंह, हरेन्दर चौबे सहित बडी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

90 वर्षों बाद गजनीपुरा में समुद्र मंथन कार्यक्रम आयोजित

गजनीपुरा, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिरावास तालाबों के घाट पर वर्षों बाद समाज बन्धुओं द्वारा भादव सुदी तेरस पर विधिवत हवन-पूजन, जागरण, महाप्रसादी कर, बहनों ने भाईयों के लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामनाएं करते हुए समुद्र मंथन के कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा किसान मोर्चा खिंवाड़ा मंडल अध्यक्ष सोहनलाल देवड़ा, सरपंच कानाराम, सीरवी समाज सलाहकार जसवन्त देवड़ा, सीरवी समाज महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, पदमसिंह, शैतानसिंह कुम्पावत, ओमप्रकाश देवड़ा, नरेन्द्र परिहार व अन्य।

लंबित डीए तुरंत जारी किया जाए : विद्या शांति कुमारी

आसिफाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट यूनाइटेड टीचर्स फेडरेशन टीएस यूटीएफ नेतृत्व ने आज कागजनगर मंडल के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया और इस शैक्षणिक वर्ष के शिक्षकों के लिए सदस्यता पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शांति कुमारी ने संबोधित किया। उन्होंने मांग की कि बकाया सूखा भत्ता तुरंत दिया जाए, सरकार बिना देरी किए पीआरसी रिपोर्ट लागू करने के लिए आगे आए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने चीन को हराकर पांचवीं बार जीता एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब

बीजिंग, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जुगराज के निर्णायक गोल से चीन को 1-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब पांचवीं बार अपने नाम कर लिया है। भारत और चीन के बीच शुरुआती तीन क्वार्टर तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर चल रहा था, लेकिन चौथे क्वार्टर में जुगराज ने मैदानी गोल दागकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। इस तरह भारतीय टीम बढ़त लेने में सफल रही। इसके बाद भले ही हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम अन्य गोल नहीं कर सकी, लेकिन उसने चीन को बराबरी का गोल दागने का कोई मौका नहीं दिया।

भारतीय हॉकी टीम ने चीन के खिलाफ चौथे क्वार्टर में गोल कर बढ़त हासिल कर ली है। दोनों टीमों के बीच अब तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर चल रहा था, लेकिन जुगराज ने अंतिम कुछ मिनट पहले भारत को बढ़त दिला दी।

भारत और चीन के बीच फाइनल मुकाबले का तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद दोनों ही टीमें तक एक भी गोल नहीं कर सकी हैं जिससे मुकाबला गोलरहित बराबरी पर चला है। अब 15 मिनट का खेल शेष रह गया है और चौथे क्वार्टर की शुरुआत दोनों ही टीमों की नजरें निर्णायक गोल करने पर टिकी ।

भारतीय टीम के गोलकीपर कृष्णा पाठक ने शानदार प्रयास कर चीन को बढ़त लेने से रोका। चीन के लिन ने शानदार खेल दिखाते हुए गोल करने का प्रयास किया, लेकिन पाठक इसे रोकने में सफल रहे। दोनों टीमों के बीच तीसरे क्वार्टर में भी मुकाबला गोलरहित चला है।

भारत और चीन के बीच एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला हॉफ टाइम के बाद गोलरहित बराबरी पर चल रहा। दोनों ही टीमें शुरुआती दो क्वार्टर में गोल नहीं कर सकीं। भारत को गोल करने के मौके मिले, लेकिन चीन का डिफेंस प्रभावी साबित हुआ और उसने भारत को बढ़त लेने का मौका नहीं दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन वह करीब से इससे चूक गए।

भारत और चीन के बीच एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का पहला क्वार्टर गोलरहित रहा और दोनों ही टीमें इस दौरान एक भी गोल नहीं कर सकीं।

'बांग्लादेश से सतर्क रहने की जरूरत'

टेस्ट सीरीज से पहले गावस्कर ने टीम इंडिया को दी वॉर्निंग

मुंबई,17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है। दोनों टीमों के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 19 सितंबर से पहले मैच का आगाज होगा। इस मैच में टीम इंडिया किस रणनीति से उतरेगी, इस बात पर फिलहाल सस्पेंस कायम है। सीरीज शुरू होने से पहले भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया को अहम राय दी है। उनका मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से सतर्क रहने की जरूरत है।

गावस्कर का यह बयान देने के पीछे एक वजह यह भी है कि बांग्लादेश पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने के बाद भारत आई है। टीम ने ना सिर्फ पहली बार पाकिस्तान को टेस्ट में हराने में सफलता पाई, बल्कि टेस्ट सीरीज जीतने में भी कामयाब रही। गावस्कर ने मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'पाकिस्तान में खेले गए दोनों टेस्ट मैचों में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश टीम ने दिखाया है कि वे एक बड़ी ताकत हैं। कुछ साल पहले भी जब भारत ने बांग्लादेश का दौरा किया था तो बांग्लादेशियों ने उन्हें अच्छी टक्कर दी थी। अब पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद वे भारत से भी भिड़ने के लिए तैयार हैं।'

उन्हें विपक्षी टीम का कोई खौफ नहीं- गावस्कर

उन्होंने आगे लिखा, 'उनके पास कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं। साथ ही कुछ नए होनहार खिलाड़ी भी हैं जिन्हें विपक्षी टीम का कोई खौफ नहीं है। अब उनके साथ खेलने वाली हर टीम को पता है कि उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह निश्चित रूप से आगे देखने लायक सीरीज होगी।'

टीम इंडिया टॉप पर

बता दें कि दोनों टेस्ट 2023-2025 वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप सायकल का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है।

बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के बाद भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां टीम को कंगारू टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

भारतीय पुरुष टीम ने अजरबैजान को हराया

महिलाओं ने कजाखस्तान को दी शिकस्त

बुडापेस्ट, 17 सितंबर (एजेंसियां)। शानदार फॉर्म में चल रहे विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के पांचवें दौर में अजरबैजान को 3-1 से हराया। गुकेश ने अइदिन सुलेमानी को और अर्जुन ने रऊफ मामेदोव को हराया।

प्रज्ञानंद ने ड्रॉ खेला, जबकि विदित गुजराती और शखरियार मामेदियारोव की बाजी भी ड्रॉ रही। लगातार पांचवीं जीत के बाद भारतीय पुरूष टीम दस अंक लेकर वियतनाम के साथ शीर्ष पर है ।वियतनाम ने पोलैंड को 2.5-1.5 से मात दी। चीन ने स्पेन को और हंगरी ने यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराया। नॉर्वे और ईरान नौ अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के छह दौर अभी खेले जाने हैं। नॉर्वे ने तुर्की को 3-1 से, जबकि ईरान ने कनाडा को 3.5-0.5 से हराया।

महिला वर्गमें ग्रैंडमास्टर डी हरिका को बीबीसारा असाउबायेवा के खिलाफ अप्रत्याशित पराजय झेलनी पड़ी। वंतिका अग्रवाल ने अलुआ नूरमैन को हराया, जबकि दिव्या देशमुख ने जेनिया बालाबायेवा से ड्रॉ खेला। आर वैशाली ने एम कमालिदेनोवा को मात दी। महिला टीम आर्मेनिया और मंगोलिया के साथ दस अंक लेकर शीर्ष पर है।

साक्षी, अमन और गीता ने शुरू की नई कुश्ती लीग

सिर्फ खिलाड़ी करेंगे संचालन, डब्ल्यूएफआई से मिलेगा समर्थन?

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले पहलवान अमन सहरावत, रियो ओलंपिक की पदक विजेता साक्षी मलिक और पूर्व विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता गीता फोगाट ने कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) के नाम से एक नया टूर्नामेंट शुरू करने का एलान किया है। इस लीग का उद्देश्य देश भर के उभरते हुए पहलवानों की मदद करना है। हालांकि, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से इसे अभी समर्थन प्राप्त नहीं हुआ है क्योंकि इन पहलवानों ने इस बारे में उनसे बात नहीं की है।

साक्षी ने बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के साथ मिलकर डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध का नेतृत्व किया था। बृजभूषण पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न का आरोप है। बजरंग और विनेश के अगले महीने होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल होने के बाद साक्षी ने खुद को उन दोनों से अलग कर लिया।

साक्षी ने 2016 रियो ओलंपिक में 58 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने सोशल मीडिया पर गीता के साथ इस लीग की घोषणा की। गीता 2012 विश्व चैंपियनशिप में 55 किग्रा भारवर्ग की कांस्य पदक विजेता हैं। इन दोनों ने बताया कि इस लीग में उनके साथ पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन भी हैं। उन्होंने हालांकि अमन के इस लीग से जुड़ाव को लेकर विस्तार से जानकारी नहीं दी।

गीता को डब्ल्यूएफआई और सरकार से समर्थन की उम्मीद

गीता ने उम्मीद जताई की इस लीग के लिए उन्हें महासंघ और सरकार से समर्थन मिलेगा। गीता ने कहा, साक्षी और मैं लंबे समय से इस लीग की योजना बना रहे हैं। जल्द ही यह अंतिम रूप ले लेगा। हमने अभी तक डब्ल्यूएफआई से बात नहीं की है लेकिन यह बहुत अच्छा होगा अगर महासंघ और सरकार हमारा समर्थन करें। यह पहली लीग होगी जिसका संचालन सिर्फ खिलाड़ी करेंगे। यह लीग खिलाड़ियों और उनके फायदे के लिए है। हमने इसी विचार और दृष्टिकोण के साथ इसे शुरू करने की योजना बनाई है इसलिए किसी को इससे कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यह हमारे लिए गौरव का क्षण है। हम किसी को भी इसमें शामिल होने से नहीं रोकेंगे, अगर डब्ल्यूएफआई या सरकार इसमें शामिल हो तो और भी अच्छा होगा। हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है।

ग्लास्गो शहर को मिल सकती है राष्ट्रमंडल खेल 2026 की मेजबानी

राष्ट्रमंडल खेल

लंदन, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 को होने में अब दो साल का समय शेष रह गया है, लेकिन अब तक इसकी मेजबानी को लेकर फैसला नहीं लिया जा सका है। ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया के बढ़ती लागत के कारण पीछे हटने के एक साल बाद स्कॉटलैंड की राजधानी ग्लास्गो को 2026 में छोटे पैमाने पर होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का मेजबान शहर घोषित करने की तैयारी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 विक्टोरिया के कई शहरों में आयोजित किए जाने थे लेकिन ऑस्ट्रेलियाई राज्य ने जुलाई 2023 में चौंकाने वाली घोषणा करते हुए अनुमानित व्यय में भारी वृद्धि का हवाला देते हुए इस बहु-खेल आयोजन से हाथ खींच लिया। मेजबानी से पीछे हटने के कारण विक्टोरिया सरकार ने राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) को 38 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का मुआवजा दिया। मेजबान का पीछे हटना हालांकि एक ऐसे खेल आयोजन को बड़ा झटका लगा जिसने हाल के वर्षों में प्रासंगिकता खो दी है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने इस बहु-खेल आयोजन को बचाने के लिए ग्लास्गो के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने में मदद करने के लिए लाखों पाउंड के निवेश का वादा किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2014 में खेलों की मेजबानी करने वाला ग्लास्गो कम खेलों वाले एक छोटे आयोजन की पुष्टि करने के करीब है। स्कॉटलैंड की सरकार 2026 में ग्लास्गो की मेजबानी में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के समझौते पर सहमत होने के करीब है। स्कॉटलैंड और ब्रिटेन की सरकारों ने इन खेलों को बचाने के लिए किसी भी सार्वजनिक धन का उपयोग करने से इनकार कर दिया था जिसे मुख्य रूप से सीजीएफ द्वारा 10 करोड़ पाउंड द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा था। ब्रिटेन सरकार के स्वास्थ्य सचिव नील ग्रे ने चेतावनी दी कि 2026 के राष्ट्रमंडल खेल उस समय से अलग होंगे जब ग्लास्गो ने पिछली बार इस प्रतियोगिता की मेजबानी की थी।

ग्रे ने रिपोर्ट के हवाले से कहा, प्रतिष्ठा के लिहाज से मेरी और सरकार की चिंता हमेशा से यह रही है कि 2014 के अविश्वसनीय रूप से सफल खेलों के साथ इनकी तुलना की जाएगी, जिनकी प्रदर्शन और विरासत दोनों के मामले में किसी भी तरह से बराबरी करना मुश्किल होगा।

खेलों में हो सकती है कटौती

अन्य रिपोर्टों में कहा गया है कि यदि ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करता है तो इसमें 10 से 13 खेल शामिल होंगे। बर्मिंघम में 2022 में हुए पिछले सत्र में 20 खेल शामिल थे। खेलों के आयोजन के लिए मौजूदा सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा और ऑस्ट्रेलियाई योगदान का उपयोग अतिरिक्त पुलिसकर्मियों और सुरक्षा लागतों के लिए किया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड तोड़ देगा जो रूट?

पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने लिया नाम

मुंबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट की दुनिया में कई ऐसे रिकॉर्ड कायम किए हैं, जिन्हें तोड़ पाना किसी भी बल्लेबाज के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं है। सचिन तेंदुलकर के इन्हीं रिकॉर्ड्स की बदौलत उन्हें क्रिकेट का भगवान भी कहा जाता है। सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को कौन सा खिलाड़ी तोड़ पाएगा, इसे लेकर समय-समय पर बहस होती रहती है। इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज से जब सवाल पूछा गया कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को कौन सा बल्लेबाज तोड़ेगा तो उन्होंने एक दिग्गज क्रिकेटर का नाम लिया।

कौन से महारिकॉर्ड दर्ज हैं सचिन तेंदुलकर के नाम

सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड कायम किए हैं। उनके प्रमुख रिकॉर्ड की बात की जाए तो सचिन तेंदुलकर दुनिया के एकमात्र क्रिकेटर हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल मैच में 100 शतक लगाए हैं। इसके अलावा सचिन तेंदुलकर के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 15921 रन बनाए हैं, जबकि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज अब तक 14000 टेस्ट रन भी नहीं बना पाया है। इसके साथ ही सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा टेस्ट और वनडे मैच खेलने का भी रिकॉर्ड दर्ज है। सचिन तेंदुलकर ने कुल 200 टेस्ट मैच और 463 वनडे मैच खेले हैं। सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद मुश्किल होगा।

सचिन तेंदुलकर के इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को कौन सा बल्लेबाज तोड़ सकता है? जब ये सवाल टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा से पूछा गया तो उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जो रूट का नाम लिया। आकाश चोपड़ा ने कहा कि जो रूट ही सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले रिकॉर्ड से आगे निकल सकते हैं। लेकिन जो रूट के लिए भी सचिन के शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ना मुश्किल होगा।

क्या बोले आकाश चोपड़ा

आकाश चोपड़ा ने कहा कि जो रूट काफी रन बना रहे हैं। पछले 4 सालों में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 17 शतक लगाए हैं। 17 शतक काफी होता है। इंग्लैंड की टीम काफी टेस्ट मैच भी खेलती है। लेकिन फिर भी जो रूट को सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 17 शतक और लगाने हैं, जो हरगिज आसान नहीं है।

विराट कोहली का भी था समय

आकाश चोपड़ा ने कहा कि हर खिलाड़ी का समय होता है। एक समय सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा का था। तब लगता था कि इन क्रिकेटरों के बाद ऐसा कोई नहीं आएगा। फिर एक समय विराट कोहली का आया जब वह शतक पर शतक लगा रहे थे। सबको लग रहा था वो नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। लेकिन वह प्रदर्शन हमेशा जारी नहीं रह पाता है। मौजूदा समय जो रूट का है।

सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं रूट

आकाश चोपड़ा का कहना है जो रूट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। इसके लिए उन्हें महज 3500 रन और बनाने हैं।

पाकिस्तान की टीम रिकॉर्ड बनाकर भी हार गई

साउथ अफ्रीका ने शिकस्त देकर टी20 सीरीज में बनाई बढ़त

इस्लामाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान को एक और हार से दो-चार होना पड़ा है. इस बार उसे हार का सामना महिला क्रिकेट में करना पड़ा है. पाकिस्तान के दौरे पर टी20 सीरीज खेलने गई साउथ अफ्रीका की टीम ने पहले मैच में मेजबान टीम को 10 रन से हराया. ऐसा तब हुआ जब क्रीज पर रिकॉर्ड बनाने वाली फातिमा सना और आलिया रियाज की जोड़ी जमी थी. लगता है खेलों में पाकिस्तान के लिए समय वाकई अच्छा नहीं चल रहा. हॉकी से लेकर क्रिकेट फील्ड तक हर जगह पाकिस्तान फीके प्रदर्शन से अपनी जगहंसाई करा रहा है. ताजा मामला महिला क्रिकेट टीम की टी20 सीरीज से जुड़ा है, जहां पाकिस्तान की टीम रिकॉर्ड बनाकर हारती नजर आई. साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 10 रन से हराते हुए टी20 सीरीज में बढ़त बना ली. इससे पहले इस टी20 वर्ल्ड कप 2024 से बाहर होना हो या घरेलू टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ दम तोड़ देना. यहां तक कि हॉकी में भी चीन जैसी कमजोर टीम के हाथों पाकिस्तान को हारते सबने देखा. पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच 3 टी20 की सीरीज का पहला मुकाबला मुल्तान में खेला गया.

एक ही टूर्नामेंट में खेल रहे राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के बेटे

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल द्रविड़ के बेटे समित और सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन दोनों इन दिनों केएससीए के बैनर तले खेले जा रहे एक टूर्नामेंट में खेल रहे हैं. इस टूर्नामेंट में कैसा है दो दिग्गज क्रिकेटरों के बेटों का प्रदर्शन, आइए जानते हैं. सबसे बड़ी बात कि समित द्रविड़ और अर्जुन तेंदुलकर दोनों ही ऑलराउंडर हैं. क्रिकेट की पिच पर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को खेलते हुए तो आपने खूब देखा है. आपमें से कुछ राहुल द्रविड़ के फैन रहे होंगे तो कईयों को सचिन तेंदुलकर अच्छे लगते होंगे. खैर इन दोनों दिग्गजों ने संन्यास ले लिया है और अब वक्त है उनके बेटों का खेल देखने का. राहुल द्रविड़ के बड़े बेटे समित और सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन इन दिनों एक ही टूर्नामेंट में खेल रहे हैं. ये दोनों कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले खेले जा रहे डॉक्टर के थिमाप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में खेल रहे हैं. तो आइए जानते हैं कि इस टूर्नामेंट में कैा है समित द्रविड़ और अर्जुन तेंदुलकर का प्रदर्शन?

टूर्नामेंट एक है पर समित द्रविड़ और अर्जुन तेंदुलकर की टीमें अलग-अलग हैं. समित द्रविड़ जहां केएससीए कॉल्ट्स के लिए खेल रहे हैं. वहीं अर्जुन तेंदुलकर गोवा की टीम का हिस्सा हैं. बड़ी बात है कि समित और अर्जुन दोनों की भूमिका अपनी-अपनी टीमों के लिए एक है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं. अब बतौर ऑलराउंडर किसने कितना दम टूर्नामेंट में दिखाया है, आईए जानते हैं.

सबसे पहले बात राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ की, जिन्होंने टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ 1 मैच खेला है और उसकी एक पारी में शतक बनाते-बनाते चूके हैं. वो बस शतक से 9 रन दूर रह गए थे. समित द्रविड़ ने 4 सितंबर से शुरू हुए ओडिशा के खिलाफ मैच की पहली पारी में 106 गेंदों का सामना करते हुए 91 की औसत से 91 रन बनाए थे, जिसमें 16 चौके शामिल रहे थे.

जीत के साथ देहरादून वॉरियर्स ने प्वाइंट टेबल में लगाई लंबी छलांग

देहरादून, 17 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2024 जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता जा रहा है। अभी तक दो टीमों के 2-2 मैच और दो टीमों का 1-1 मैच हुआ है। जबकि एक टीम का अभी तक कोई मैच नहीं हुआ है। इस टूर्नामेंट में देहरादून वॉरियर्स की शुरुआत बेहद खराब रही थी, टीम को अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब एक जीत के साथ ही देहरादून वॉरियर्स ने प्वाइंट टेबल में लंबी छलांग लगाई है।

प्वाइंट टेबल में देहरादून वॉरियर्स की लंबी छलांग

टूर्नामेंट में देहरादून वॉरियर्स को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद दूसरे मैच में टीम ने शानदार कमबैक करते हुए जीत हासिल की थी। दूसरे मैच में देहरादून का मुकाबला नैनीताल के साथ हुआ था। इस मैच को देहरादून ने 37 रन से जीत लिया था। इस मैच में देहरादून ने 196 रनों विशाल स्कोर खड़ा किया था। जिसके जवाब में नैनीताल की टीम 159 रन ही बना सकी थी। अब इस एक जीत के साथ प्वाइंट टेबल में देहरादून वॉरियर्स लंबी छलांग लगाई है। देहरादून वॉरियर्स अब प्वाइंट टेबल में पहले नंबर पर आ गई है।

दरअसल यूपीएल 2024 में देहरादून वॉरियर्स ने 2 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को एक में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा है। फिलहाल देहरादून के 2 अंक हो गए हैं। इसके अलावा पिथौरागढ़ की टीम प्वाइंट टेबल में दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

पिथौरागढ़ ने अभी तक इस टूर्नामेंट में एक मैच खेला है जिसमें उसको जीत हासिल हुई है। वहीं हरिद्वार की टीम ने टूर्नामेंट में अभी तक 2 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को एक में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा है। फिलहाल 2 अंक के साथ टीम तीसरे स्थान पर है।

तेलंगाना में गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण रहा : डीजीपी डॉ. जितेन्द्र

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने कहा है कि राज्य में गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। मंगलवार को डीजीपी कार्यालय में स्थापित डीजी कंट्रोल सेंटर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन की तैयारियों के तहत पिछले कुछ समय से समन्वय बैठकें आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने समय-समय पर समीक्षा बैठकें की हैं और सभी विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की है। डीजीपी ने कहा कि सरकार ने शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन कराने के लिए आवश्यक प्रबंध किए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी गणेश विसर्जन संपन्न हो चुका है और बुधवार को कार्य दिवस होने के कारण विसर्जन जल्द से जल्द संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तों के साथ समन्वय में बनाई गई योजना के अनुसार मार्ग मानचित्र के अनुसार विसर्जन किया जा रहा है।

डीजीपी ने सभी लोगों से अनुरोध किया कि वे बिना किसी अप्रिय घटना के भक्ति और आस्था के साथ विसर्जन करें। बैठक में कानून और व्यवस्था के लिए अतिरिक्त डीजीपी महेश एम भागवत, मल्टी जोन-1 आईजीपी चंद्रशेखर रेड्डी, एआईजी और अन्य ने भाग लिया।

नीलामी में अफजल-मुस्कान ने जीते गणेश लड्डू

आसिफाबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एक पंडाल में आयोजित गणेश लड्डू की नीलामी में एक मुस्लिम जोड़े अफजल और मुस्कान ने भाग लिया और उसे जीत लिया। दंपत्ति ने कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के भटपल्ली में श्री विघ्नेश्वर गणेश मंडली द्वारा आयोजित पंडाल में नीलामी के दौरान 13,126 रुपये में लड्डू हासिल किया। नीलामी के बाद दंपति ने कहा कि वे लड्डू की नीलामी जीतकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि उनके गांव की समृद्धि के लिए, लड्डू को सभी के साथ साझा किया जाएगा, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

सुबह तक गणेश विसर्जन संपन्न हो जाएगा : सीवी आनंद

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी, हैदराबाद सीवी आनंद ने कहा कि हैदराबाद में विनायक विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से हो रहा है। बुधवार सुबह तक सभी प्रतिमाओं का विसर्जन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल दक्षिण पूर्व और दक्षिण पश्चिम में स्थित मूर्तियों का विसर्जन जल्दी होता दिखा। हमने पिछले साल की तरह बिना देरी किए कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि हम मंडप प्रबंधन से बात कर रहे हैं और सुनिश्चित कर रहे हैं कि विसर्जन बिना किसी व्यवधान के पूरा हो जाए। बालापुर गणेश का भी विसर्जन भी सम्पन्न हो गया। हमने बिना किसी ट्रैफिक समस्या के प्लान तैयार किया है। हमने शिफ्ट वर्कर के तौर पर 25 हजार पुलिसकर्मियों की व्यवस्था की है विसर्जन में पुलिस पूरी शिद्दत से शिफ्ट के हिसाब से ड्यूटी कर रही है। शहर में एक लाख मूर्तियां हो सकती हैं। अभी तक मंगलवार शाम तक 20 से 30 हजार मूर्तियां लंबित हैं। हम कल सुबह तक विसर्जन पूरा करने के लिए कदम उठा रहे हैं। पिछले साल के विपरीत, हम हर तरह के कदम उठा रहे हैं ताकि मैं इस साल जल्दी विसर्जन कर सकूं। विसर्जन के लिए आने वाले लोगों से सार्वजनिक परिवहन से आने का अनुरोध किया गया है।

कीर्ति रिचमंड विला के लड्डू की नीलामी 1.87 करोड़ रुपये में हुई

बालापुर गणेश लड्डू की 30.01 लाख रुपये लगी बोली

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नया रिकॉर्ड बनाते हुए, सन सिटी, बंडलागुडा जागीर में कीर्ति रिचमंड विला में गणेश लड्डू की नीलामी मंगलवार को 1.87 करोड़ रुपये में हुई। यह पिछले साल की कीमत से 61 लाख रुपये अधिक है। पिछले साल यह लड्डू करीब 1.26 करोड़ लाख रुपये में बिका था। यह कीमत तेलुगु राज्यों में अब तक की सबसे अधिक बताई जा रही है। हर साल रिचमंड विला के निवासी उत्सव के अवसर पर गणेश लड्डू की नीलामी करते हैं। नीलामी से प्राप्त धन का उपयोग दान-पुण्य के लिए किया जाता है। इस बीच, बालापुर गणेश लड्डू ने इस साल अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया और गणेश विसर्जन जुलूस शुरू होने से पहले मंगलवार को आयोजित खुली नीलामी में 30.01 लाख रुपये की बोली लगाई। बालापुर के स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता कोलन शंकर रेड्डी ने लड्डू की बोली लगाई। पिछले साल, लड्डू की नीलामी 27 लाख रुपये में हुई थी। लड्डू की नीलामी से प्राप्त राशि बालापुर गांव में विभिन्न विकास कार्यों पर खर्च की जाएगी। इस बीच, नीलामी के शांतिपूर्ण संचालन के लिए पुलिस ने व्यापक व्यवस्था की। विशेष पूजा-अर्चना के बाद, बालापुर गणेश को विसर्जन के लिए एक विशाल जुलूस में ले जाया गया। भगवान गणेश को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े।

खैरताबाद गणेश को विदाई देने उमड़े सैकड़ों भक्त

हुसैन सागर में किया गया विसर्जन

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद महागणपति प्रतिमा का मंगलवार को हुसैन सागर में विसर्जन किया गया। इससे पहले, 70 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा हुसैन सागर में विसर्जन के लिए एनटीआर मार्ग पर क्रेन नंबर 4 पर पहुंची। अंतिम पूजा के बाद मूर्ति का विसर्जन किया गया। मूर्ति को उठाने के लिए विशेष रूप से एक विशाल और ऊंची क्रेन मंगाई गई थी।

पूजा-अर्चना के बाद, खैरताबाद गणेश प्रतिमा की शोभा यात्रा सुबह करीब 6.30 बजे शुरू हुई, जो संसेशन थिएटर, टेलीफोन भवन, तेलुगू तल्ली फ्लाईओवर और सचिवालय होते हुए एनटीआर मार्ग की ओर बढ़ी। टैंक बंड में बड़ी संख्या में लोग बड़े गणेश की शोभायात्रा में भाग लेने के लिए उमड़ पड़े। बड़ी संख्या में लोगों की वजह से गणेश प्रतिमा को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए हैदराबाद पुलिस ने दो स्तरीय रस्सी दलों की तैनाती की थी।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान युवक डूबा

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश प्रतिमा विसर्जन समारोह के दौरान एक दुखद घटना में, यदाद्री भोंगीर जिले में मंगलवार को एक युवक की तालाब में फिसलने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भूदान पोचमपल्ली मंडल के जिबलक पल्ली के प्रवीण के रूप में हुई है, जो विसर्जन अनुष्ठान में भाग ले रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रवीण तालाब में डुबकी लगाते समय फिसल गया, जो कि पूरी तरह से भरा हुआ था। तालाब की गहराई के कारण, दर्शक उसे तुरंत बचा नहीं पाए।

फिलहाल उसके शव को निकालने के प्रयास जारी हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शव को निकालने के लिए कदम उठाए हैं।

सिंचाई टैंक के अतिरिक्त बांध को विस्फोट से उड़ाया

विभाग ने दर्ज कराई शिकायत

मंचेरियल, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात लोगों ने सोमवार को चेन्नूर में डेटोनेटर का उपयोग करके एक सिंचाई टैंक, जिसे स्थानीय रूप से शनिगाकुंटा के नाम से जाना जाता है, के अधिशेष बांध (मथडी) को उड़ा दिया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि अज्ञात लोगों ने विस्फोटकों का उपयोग करके अतिरिक्त बांध को उड़ा दिया, जिससे टैंक से पानी बह गया। उन्होंने रेत की बोरियां डालकर बांध की मरम्मत की। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

इस बीच, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने जलाशय की जमीन पर कब्जा करने के लिए जानबूझकर तालाब के अतिरिक्त बांध को विस्फोट से उड़ा दिया। एक स्थानीय व्यक्ति ने टिप्पणी की कि जब राज्य सरकार अतिक्रमणकारियों को हटाकर सिंचाई तालाबों की रक्षा करने की कोशिश कर रही थी, तब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने जमीन पर कब्जा करने के इरादे से तालाब को विस्फोट से उड़ा दिया।

ट्रेन के आगे कूदकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

मेदक, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामपेट मंडल के अक्कन्नापेट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक मजदूर ने तेज गति से आ रही ट्रेन के पहिए के नीचे आकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। रामायमपेट मंडल के गोलपार्थी निवासी वेंकटपुरम शिवरामुलु (32) एक स्थानीय गैस कंपनी में मजदूर के रूप में काम करता था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

अवसाद की स्थिति में वह सोमवार की रात घर से निकल गया और अगले दिन रेलवे पटरियों पर मृत पाया गया। क्षत-विक्षत शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामायमपेट के एक क्षेत्रीय अस्पताल में भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

किशन ने तेलंगाना को आजाद कराने में सरदार पटेल की भूमिका को याद किया

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने आज कहा कि निजाम शासक के साथ हजारों लोगों के महान संघर्ष के कारण तेलंगाना राज्य आजाद हुआ। 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद सिकंदराबाद परेड मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के साथ समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने राज्य को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर राज्य के लिए उतना ही समान है जितना कि 15 अगस्त का स्वतंत्रता दिवस देश के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार राज्य सरकारों ने राज्य के महान सेनानियों को भुला दिया है और लोगों से एक मजबूत नींव के साथ तेलंगाना राज्य का निर्माण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का एक समृद्ध इतिहास है, उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकारें राज्य के इतिहास को मान्यता नहीं दे रही हैं। रेड्डी ने याद दिलाया कि हालांकि देश के लोगों ने 1947 में स्वतंत्रता हासिल की, लेकिन उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को यह देश के लोगों की तरह नहीं मिली। उन्होंने कहा कि हैदराबाद रियासत का राज्य में विलय पटेल द्वारा शुरू की गई पुलिस कार्रवाई के बाद ही हुआ था। उन्होंने कहा कि राज्य का इतिहास कई दुखद कहानियों से भरा पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन बीआरएस पार्टी की राज्य सरकार ने 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया था, जबकि कई राजनीतिक दल इसे मुक्ति दिवस या विलय दिवस के रूप में मनाते हैं।

आदिवासी बच्चों के लिए 'कंटेनर स्कूल'

मुलुगु के बंगारुपल्ली थांडा में की गई स्थापना
पंचायती राज मंत्री दानसरी अनसूया ने किया उद्घाटन

13.50 लाख रुपये कंटेनर स्कूल के निर्माण के लिए मंजूर

मुलुगु, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तडवई मंडल के बंधला ग्राम पंचायत के पोचारम के दूरदराज के एजेंसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को आपातकालीन चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए कंटेनर अस्पताल के रूप में लोकप्रिय एक पूर्वनिर्मित स्वास्थ्य उप-केंद्र की स्थापना के बाद, जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले के कन्नाईगुडेम मंडल के वन क्षेत्र में स्थित बंगारुपल्ली थांडा के आदिवासी बच्चों के लिए एक कंटेनर स्कूल शुरू किया है। पंचायती राज मंत्री दानसरी अनसूया ने कंटेनर स्कूल का उद्घाटन किया।

मंत्री ने कहा कि वन नियम वन क्षेत्रों में स्थायी संरचनाओं की अनुमति नहीं देते हैं, इसलिए सरकार ने आदिवासी बच्चों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में मदद करने के लिए एक कंटेनर स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में दो या तीन और ऐसे स्कूल स्थापित किए जाएंगे।

सूत्रों का कहना है कि बंगारुपल्ली थांडा में रहने वाले आदिवासी समुदाय के बच्चे झोपड़ियों में पढ़ाई कर रहे थे, क्योंकि वन नियम वन क्षेत्रों में स्थायी संरचनाओं की अनुमति नहीं देते हैं। आदिवासी बच्चों की कठिनाइयों को समझते हुए कलेक्टर टीएस दिवाकर ने कंटेनर स्कूल के निर्माण के लिए 13.50 लाख रुपये मंजूर किए। राज्य में कंटेनर में सरकारी स्कूल बनने का यह पहला मामला है। कंटेनर स्कूल 25 फीट चौड़ा और 25 फीट लंबा है।

इसमें प्रिंसिपल और शिक्षकों के लिए 12 ड्यूल डेस्क और 3 कुर्सियां रखने की जगह है। हालांकि राज्य में कंटेनर शॉप और घर बनाए जा रहे हैं, लेकिन यह पहली बार है कि इसे सरकारी स्कूल में बदला गया है। उन्होंने कहा कि कंटेनर क्लासरूम मंत्री के मार्गदर्शन में शुरू की गई एक पहल है। यह स्थायी स्कूल भवनों की अनुपलब्धता से संबंधित मुद्दों को हल करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। अधिकारियों के अनुसार, कंटेनर कक्षाएं दूरदराज के क्षेत्रों और गांवों में ले जाई जा सकती हैं। महबूबाबाद के सांसद पी बलराम नाइक, एमएलसी नरसीरेड्डी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

किसान ने अपने खेत तक पहुंचने के लिए नदी पर बनाया पुल

ब्रिज रामुलु के नाम से प्रसिद्ध हो गया किसान

मेदक, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टेकमल मंडल मुख्यालय के निवासी कामारी रामुलु और उनके बेटे दत्तू किशोर की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। पिता-पुत्र की जोड़ी ने एक ऐसा काम किया है जिसकी चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। रामुलु के पास गुंडू वागु नामक एक नाले के एक तरफ 15 एकड़ जमीन है, जो बरसात के मौसम में ज्यादातर समय पूरी तरह से लबालब रहता है। रामुलु के अलावा, कई अन्य किसानों के पास नाले के दूसरी तरफ जमीन है। जब भी नाला उफान पर होता है, तो किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए पांच से छह किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। हालांकि 60-गज का पुल उनके खेतों और गांव के बीच की दूरी को कुछ मीटर तक कम कर देता है, लेकिन ऐसा कोई पुल नहीं था। पिछली बरसात के मौसम में, रामुलु धान की रोपाई नहीं कर पाए थे क्योंकि नाला उन्हें 15 दिनों तक पार नहीं करने देता था। बार-बार नुकसान झेलने के बाद, रामुलु और उनके बेटे किशोर ने खुद ही पुल बनाने का फैसला किया।

रामुलु वेल्डिंग और थोड़ी बहुत बढ़ईगीरी भी जानता था, इसलिए उसने पुल बनाने के लिए सीमेंट के खंभे और स्टील खरीदने में 2 लाख रुपये खर्च किए। पिता-पुत्र की जोड़ी ने बरसात के मौसम की शुरूआत से 20 दिन पहले पुल का निर्माण किया। जब पिछले 20 दिनों से गुंडू वागु नदी अपने पूरे उफान पर थी, तो रामुलु ने बिना किसी परेशानी के नदी पार कर ली। उसने दूसरे किसानों को भी पुल का इस्तेमाल करके अपने खेतों तक पहुंचने की अनुमति दी, इस तरह उसने उनका दिल जीत लिया।

रामुलु अब जल्द ही पुल पर दोपहिया वाहनों को चलाने के लिए स्टील पुल पर चादर बिछाने की तैयारी कर रहे हैं। अपने काम के बाद रामुलु को अब स्थानीय किसान ब्रिज रामुलु के नाम से जानते हैं। ग्रामीण अब मांग कर रहे हैं कि सरकार नदी के उस पार एक स्थायी पुल बनाए ताकि उनके संघर्ष को हमेशा के लिए खत्म किया जा सके क्योंकि वे ट्रैक्टर और अन्य भारी वाहनों को नदी के उस पार ले जा सकते हैं।

पीएम मोदी ने 100 दिनों में कई क्रांतिकारी फैसले लिए : बंडी संजय

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने तीसरी बार सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर कई क्रांतिकारी फैसले लागू किए हैं। किए गए वादों के अलावा, उन्होंने कहा कि उन्होंने लोगों के कल्याण के लिए कई पहल की हैं और कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये, न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए 2 लाख करोड़ रुपये और मुद्रा ऋण की सीमा बढ़ाई है। हमने 5.36 लाख करोड़ रुपये की लागत से तीन करोड़ घर बनाने का लक्ष्य रखा है। अतिरिक्त 75,000 मेडिकल सीटें स्वीकृत की गई हैं। पूंजीगत व्यय के तहत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 11,11,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सोने, चांदी और प्लेटिनम पर सीमा शुल्क कम किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को सत्ता में आए नौ महीने हो गए हैं और आश्चर्य है कि वह छह गारंटी भी लागू क्यों नहीं कर पाई है? आपको अपने नौ महीने के शासन के दौरान किए गए वादों पर जवाब देना होगा और कहा कि लोग कांग्रेस पार्टी को माफ नहीं करेंगे। आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राज्य नेताओं के साथ पत्रकारों से बात करते हुए, बंडी संजय ने कहा कि 100 दिनों के लिए, मोदी ने किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, युवा उत्थान के तहत हमने चार करोड़ 10 लाख युवाओं को लाभ पहुंचाने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की है।

बीएचईएल BHEL भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
मानव संसाधन प्रबंधन, रामचंद्रपुरम, हैदराबाद-502032
विज्ञापन सं.: पीटीएमसी/2024/03
बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद, एमबीबीएस (1 वर्ष के अनुभव के साथ), विशेषज्ञ (गाइनेकोलॉजिस्ट, ऑफ्थेल्मोलॉजिस्ट, पीडीअट्रिशियन, रेडियोलॉजिस्ट, जनरल सर्जन) के पदों के लिए अंशकालिक चिकित्सा परामर्शदाता (पीटीएमसी) के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। यह नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए है (आवश्यकता और निष्पादन के आधार पर विस्तार योग्य)। पारिश्रमिक पद के अनुसार प्रति घंटे के आधार पर दिया जाएगा।
इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने एवं अन्य विवरणों से संबंधित पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com एवं http://careers.bhel.in पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.